

ड्राइवर गाइड

भारत में सुरक्षित और ज़िम्मेदार ड्राइविंग के लिए एक
व्यावहारिक मार्गदर्शिका



क्योंकि सुरक्षित ड्राइविंग से जान बचती है

कॉपीराइट और लाइसेंस नोटिस

© 2025 सेतु रथिनम, saferoadsindia.org™

यह सामग्री **क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 इंटरनेशनल लाइसेंस** के अंतर्गत प्रकाशित है।

आप कर सकते हैं:

- साझा करें - इस सामग्री की प्रतिलिपि बनाएँ या किसी भी माध्यम में पुनः वितरित करें।
- अनुकूलन - इसे किसी भी उद्देश्य के लिए, यहाँ तक कि व्यावसायिक रूप से भी, रीमिक्स, रूपांतरित या आगे विकसित कर सकते हैं।

निम्नलिखित शर्तों के तहत:

- श्रेय - आपको उचित श्रेय देना होगा, लाइसेंस का लिंक प्रदान करना होगा, तथा यह भी बताना होगा कि क्या कोई परिवर्तन किया गया है।
- समान रूप से साझा करें - यदि आप इस कार्य को रीमिक्स, रूपांतरित या निर्मित करते हैं, तो आपको अपने योगदान को उसी लाइसेंस के तहत वितरित करना होगा।
- कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं हैं - आप कानूनी शर्तें या तकनीकी उपाय लागू नहीं कर सकते हैं जो दूसरों को लाइसेंस द्वारा अनुमत किसी भी कार्य को करने से कानूनी रूप से प्रतिबंधित करते हैं।

लेखक: सेतु रथिनम

संपर्क करें: feedback@saferoadsindia.org

saferoadsindia.org™ और saferoadsbharat.org™ भारत में दायर ट्रेडमार्क हैं, जिनका उपयोग ड्राइवर गाइड परियोजना और सड़क सुरक्षा में संबंधित सार्वजनिक-शिक्षा पहलों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

इस मैनुअल को साकार करने में मदद के लिए वाणी एस. अमिंग के अथक सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद।

प्रयुक्त संदर्भों के लिए परिशिष्ट D देखें।

यह दस्तावेज़ शिक्षण और सामुदायिक सुरक्षा के उद्देश्य से **निःशुल्क उपलब्ध** कराया गया है। इसे राज्य एजेंसियां, ड्राइविंग स्कूल और शैक्षणिक संस्थान अपनी आवश्यकता अनुसार **अनुकूलित** या **विस्तारित** कर सकते हैं।

अक्टूबर 2025 में **saferoadsindia.org™** द्वारा तैयार किया गया।

अस्वीकरण

यह मैनुअल भारत भर के नए चालकों, प्रशिक्षकों, अनुभवी चालकों और सड़क से जुड़े लोगों की सहायता के लिए एक शैक्षिक संसाधन के रूप में तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य सुरक्षित और ज़िम्मेदार ड्राइविंग के लिए *मार्गदर्शिन देना* है, लेकिन इसका कोई कानूनी दर्जा नहीं है।

Motor Vehicles Act (1988), Central Motor Vehicles Rules, Motor Vehicles (Amendment) Act (2019), और भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों या केंद्र शासित प्रदेशों की आधिकारिक अधिसूचनाएं अंतिम प्राधिकारी बनी हुई हैं।

सभी लागू यातायात नियमों और कानूनों का पालन करना हर चालक की कानूनी ज़िम्मेदारी है। इस मैनुअल के लेखक और प्रकाशक इसके गलत उपयोग, गलत अर्थ निकालने या किसी भी कानून या नियम के उल्लंघन के लिए कोई ज़िम्मेदारी स्वीकार नहीं करते हैं।

इस दस्तावेज़ के अन्य भाषा संस्करण, स्पष्टता और सुधार के लिए मैनुअल संपादन के साथ, मशीन अनुवाद द्वारा अंग्रेज़ी संस्करणों से लिए गए हैं। अगर कुछ असामान्यलगे, तो कृपया अंग्रेज़ी संस्करण देखें।



विषय-सूची

भूमिका	12
अध्याय 1 परिचय	16
1.1 इस मैनुअल का उद्देश्य	16
1.2 सरकारी प्रयासों की प्रशंसा	17
1.3 कानूनी आधार	17
1.4 नियम क्यों बनाए गए हैं	18
1.5 ड्राइवरों की ज़िम्मेदारियाँ	19
1.6 सड़क पर नागरिक जागरूकता और शिष्टाचार	20
1.7 भारत में ड्राइविंग के बारे में आम मिथक	21
1.8 इस मैनुअल का सही उपयोग कैसे करें	22
1.9 भविष्य की अनुकूलनशीलता	23
1.10 लाइसेंस नोटिस	23
1.11 संक्षिप्त पुनरावलोकन	23
अध्याय 2: लाइसेंस प्राप्त करना	25
2.1 लाइसेंस क्यों महत्वपूर्ण है	25
2.2 पात्रता और आयु आवश्यकताएँ	25
2.3 लर्नर लाइसेंस (Learner's Licence)	26
2.4 स्थायी लाइसेंस	27

2.5 नवीनीकरण, डुप्लिकेट और अनुमोदन	28
2.6 निलंबन और अयोग्यता	29
2.7 इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट (International Driving Permit – IDP)	29
2.8 प्रणाली का सम्मान	30
2.9 करें और न करें (Do's and Don'ts) – लाइसेंसिंग के लिए	30
2.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन	31
अध्याय 3: अपने वाहन को जानें	32
3.1 अपने वाहन को क्यों जानें?	32
3.2 वाहन नियंत्रण	32
3.3 प्री-ड्राइव चेक	34
3.4 सड़क योग्यता और कानूनी कर्तव्य	35
3.5 साथ ले जाने वाले दस्तावेज़	35
3.6 रखरखाव की मूल बातें	36
3.7 यह क्यों मायने रखता है	37
3.8 करें और न करें (Do's and Don'ts) – वाहन जान के लिए	37
3.9 संक्षिप्त पुनरावलोकन	38
अध्याय 4: सड़क के नियम	39
4.1 सड़क संकेत	39
4.2 सड़क चिह्न	40
4.3 यातायात संकेत	41

4.4 मार्ग का अधिकार	43
4.5 लेन अनुशासन (Lane Discipline)	46
4.6 गति और नियंत्रण	47
4.7 ओवरटेकिंग	47
4.8 रुकना और पार्किंग	48
4.9 हॉर्न और लाइट का उपयोग	49
4.10 चालक के कर्तव्य	49
4.11 करें और न करें (Do's and Don'ts) – सड़क के नियमों के लिए	50
4.12 संक्षिप्त पुनरावलोकन	51
अध्याय 5: सुरक्षित ड्राइविंग अभ्यास	52
5.1 सुरक्षित ड्राइविंग का परिचय	52
5.2 सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग (Defensive Driving)	52
5.3 व्यक्तिगत दृष्टिकोण और निर्णय लेना	54
5.4 सड़क साझा करना	54
5.5 सुरक्षित दूरी बनाए रखना	55
5.6 दर्पण और संकेतों का उपयोग	57
5.7 विभिन्न परिस्थितियों में ड्राइविंग	58
5.8 विकर्षणों का प्रबंधन	59
5.9 गति प्रबंधन	60
5.10 शिष्टाचार और नागरिक भावना	60

5.11 करें और न करें (Do's and Don'ts) – सुरक्षित ड्राइविंग के लिए	61
5.12 संक्षिप्त पुनरावलोकन	61
अध्याय 6: दोपहिया वाहन और असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता	63
6.1 परिचय	63
6.2 दोपहिया वाहनों के लिए जोखिम	63
6.3 हेलमेट और सुरक्षात्मक गियर	64
6.4 सुरक्षित सवारी पद्धतियाँ	65
6.5 शराब, ड्रग्स और थकान	66
6.6 असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता: पैदल यात्री	66
6.7 साइकिल चालक	67
6.8 विकलांग व्यक्ति	67
6.9 करें और न करें (Do's and Don'ts) – दोपहिया चालकों और कमज़ोर सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए कमज़ोर	68
6.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन	69
अध्याय 7: विशेष परिस्थितियों में वाहन चलाना	70
7.1 परिचय	70
7.2 रात्रि ड्राइविंग	70
7.3 बारिश में गाड़ी चलाना	71
7.4 कोहरा और कम दृश्यता	71
7.5 पहाड़ी और पर्वतीय सड़कें	72

7.6 ग्रामीण सड़कें	73
7.7 भारी यातायात और शहरी परिस्थितियाँ	73
7.8 आपातकालीन स्थितियाँ	74
7.9 करें और न करें (Do's and Don'ts) – विशेष परिस्थितियों के लिए	75
7.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन	76
अध्याय 8: यातायात अपराध और दंड	77
8.1 परिचय	77
8.2 दंड क्यों मौजूद हैं	77
8.3 सामान्य यातायात अपराध	78
8.4 कानून के तहत दंड	79
8.5 प्रवर्तन और उत्तरदायित्व	79
8.6 उल्लंघनों के दीर्घकालिक परिणाम	80
8.7 करें और न करें (Do's and Don'ts) – कानून का पालन करने के लिए	81
8.8 संक्षिप्त पुनरावलोकन	81
अध्याय 9: दुर्घटनाएँ और प्राथमिक उपचार	83
9.1 परिचय	83
9.2 दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिकताएँ	83
9.3 प्राथमिक चिकित्सा की मूल बातें	84
9.4 गोल्डन आवर	85
9.5 दर्शकों की भूमिका और गुड समैरिटन कानून (Good Samaritan Law)	86

9.6 प्राथमिक चिकित्सा किट और आपातकालीन आपूर्ति ले जाना	87
9.7 दुर्घटना के बाद: कानूनी और नैतिक कर्तव्य	87
9.8 करें और न करें (Do's and Don'ts) – दुर्घटना की स्थिति में	88
9.9 संक्षिप्त पुनरावलोकन	89
अध्याय 10: नमूना प्रश्न और समीक्षा	90
10.1 परिचय	90
10.2 बहुविकल्पीय प्रश्न	90
10.3 सही या गलत प्रश्न	92
10.4 परिदृश्य-आधारित प्रश्न	92
10.5 अभ्यास प्रश्नों का औचित्य	93
10.6 सारांश	93
10.7 संक्षिप्त पुनरावलोकन	94
परिशिष्ट A: भारत के सड़क चिन्ह	95
परिशिष्ट B: भारत में यातायात दुर्घटनाएँ	111
परिशिष्ट C: प्रमुख कानूनी अपडेट (2017 बनाम 2019)	113
भाग A: ड्राइवर-फेसिंग अपडेट	113
भाग B: संस्थागत और प्रशासनिक अद्यतन	116
परिशिष्ट D: संदर्भ सामग्री	117

भूमिका

भारत में सड़क सुरक्षा एक बड़ी चुनौती भी है और एक महत्वपूर्ण अवसर भी। हर साल, हज़ारों लोग रोके जा सकने वाले हादसों में अपनी जान गँवा देते हैं। इनमें से कई दुर्घटनाएँ इसलिए नहीं होतीं क्योंकि लोगों में कौशल की कमी होती है, बल्कि इसलिए होती हैं क्योंकि उनके पास सुरक्षित, ज़िम्मेदार और कानूनी तरीके से गाड़ी चलाने के लिए स्पष्ट और व्यवस्थित मार्गदर्शन नहीं है।

कई देशों में, दशकों से सरकारी ड्राइविंग मैनुअल प्रकाशित होते रहे हैं, जो सड़क नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों को सीखने का आधार बनते हैं। भारत में, केंद्र और राज्य सरकारों ने कानूनों को मज़बूत किया है, सख्त दंड लागू किए हैं, जागरूकता अभियान चलाए हैं और सड़क सुरक्षा पहलों का समर्थन किया है। लेकिन अब तक, लेकिन अब तक सरल और शिक्षार्थी-अनुकूल भाषा में लिखा गया कोई एकीकृत मैनुअल, जो पूरे देश में लागू हो सके, उपलब्ध नहीं था। यह पुस्तक उस कमी को पूरा करने का प्रयास है—सरकारी पहलों के साथ मिलकर सुरक्षित ड्राइविंग के सिद्धांतों को सभी के लिए सुलभ बनाने का।

भले ही सुरक्षित ड्राइविंग के कई सिद्धांत सभी सड़क उपयोगकर्ताओं पर लागू होते हैं, यह मैनुअल मुख्य रूप से कार चालकों की आवश्यकताओं और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही इस बात पर प्रकाश डालता है कि उन्हें सड़क पर दूसरों के साथ कैसे सुरक्षित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

हमारा उद्देश्य सीधा है: हर सड़क उपयोगकर्ता हर दिन सुरक्षित घर पहुँचे। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, भारत को एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका की आवश्यकता है जो सीधे ड्राइवरों से बात करे।

पृष्ठभूमि

भारत में लोग गाड़ी चलाना कई अलग-अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ लोग अपने माता-पिता, रिश्तेदारों या दोस्तों से स्थानीय सड़कों पर गाड़ी चलाना सीखते हैं; कुछ लोग पेशेवर ड्राइविंग स्कूलों में दाखिला लेते हैं जो उन्हें व्यवस्थित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं और लाइसेंसिंग परीक्षा के लिए तैयार करते हैं। दोनों ही तरीके सीखने वालों को वाहन चलाने और ट्रैफ़िक में ड्राइविंग करने का बुनियादी कौशल प्रदान करते हैं।

हालाँकि, अक्सर एक ऐसा संदर्भ नहीं मिलता जो सिर्फ परीक्षा पास करने से आगे की बात करे—ऐसा संदर्भ जो नियमों के पीछे के कारणों को समझाए, उन्हें रोज़मर्रा की सड़क की परिस्थितियों से जोड़े, और सुरक्षित आदतों को प्रोत्साहित करे। कई नए ड्राइवर इस कमी को पूरा करने के

लिए अवलोकन और व्यक्तिगत अनुभव पर निर्भर रहते हैं, जिससे असमान ज्ञान और जोखिम भरे शॉर्टकट हो सकते हैं।

यह मैनुअल मौजूदा प्रशिक्षण और सिखाने की पद्धतियों का पूरक है। यह कानूनों, नियमों और व्यावहारिक मार्गदर्शन को एक जगह एकत्रित करता है, जिससे उन्हें समझना और लागू करना आसान हो जाता है। इसका लक्ष्य सरल है: न केवल शिक्षार्थियों को लाइसेंस के लिए योग्य बनाना, बल्कि भारतीय सड़कों पर शिष्टाचार, ज़िम्मेदारी और सुरक्षा की संस्कृति को प्रोत्साहित करना।

यह मैनुअल क्यों?

कानूनी दस्तावेज़ों के विपरीत, जो जटिल भाषा में लिखे होते हैं, यह मैनुअल सरल और व्यावहारिक हिंदी में तैयार किया गया है। इसे शिक्षार्थियों, अनुभवी ड्राइवरों, प्रशिक्षकों और सड़क सुरक्षा समर्थकों, सभी की मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है। चूँकि लोग नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करने की अधिक संभावना रखते हैं जब वे उनके पीछे के कारणों को समझते हैं, इसलिए यह मैनुअल न केवल यह बताता है कि क्या करना है, बल्कि यह भी बताता है कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। यह उन राज्य एजेंसियों या गैर-सरकारी संगठनों के लिए भी एक संदर्भ के रूप में काम कर सकता है जो इसे स्थानीय उपयोग के लिए अनुकूलित या विस्तारित करना चाहते हैं।

यह मैनुअल कैसे संगठित है?

यह मैनुअल दस अध्यायों और परिशिष्टों में विभाजित है। इसकी शुरुआत सुरक्षित ड्राइविंग के कानूनी और नागरिक आधारों से होती है, फिर वाहन ज्ञान, सड़क नियमों, सुरक्षित व्यवहारों और रक्षात्मक ड्राइविंग की व्याख्या की जाती है। बाद के अध्याय सड़क साझाकरण, दुर्घटनाओं और प्राथमिक उपचार, और नमूना समीक्षा प्रश्नों पर चर्चा करते हैं। परिशिष्टों में सड़क संकेत, कानूनी अद्यतनों का सारांश और अतिरिक्त संदर्भ दिए गए हैं।

एक जीवंत दस्तावेज़

यह मैनुअल संस्करण 1.0 है – अभी अंतिम रूप नहीं है। हम शिक्षार्थियों, प्रशिक्षकों, स्कूलों, गैर-सरकारी संगठनों और राज्य एजेंसियों से प्रतिक्रिया आमंत्रित करते हैं ताकि भविष्य के संस्करणों में इसे और बेहतर बनाया जा सके।

अस्वीकरण

यह मैनुअल स्पष्टता के लिए आधिकारिक कानूनों और नियमों को सरल और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करता है। यदि इस गाइड में कहीं गई कोई बात Motor Vehicles Act, Central Motor Vehicles Rules या राज्य के किसी नियम से अलग हो, तो कानून को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

Translator's or Reviewer's Notes

This edition of the Driver's Guide for India has been translated and adapted from the official English Version 1.0 under the Creative Commons Attribution–ShareAlike 4.0 International License. The goal of this Hindi edition is to preserve accuracy, clarity, and natural readability so that the material is accessible to learners, instructors, and everyday drivers.

Certain technical and legal terms—such as ABS, Motor Vehicles Act, PUC, and License—have been intentionally kept in English to maintain consistency with training standards, signage, and legal references. This version is released under the same Creative Commons license.

Optional Reflection

- English words containing 's (e.g., Do's, Don'ts, Driver's, India's) are frequently mistranslated by machine tools, so these forms were corrected manually.
- Where no clear or commonly used Hindi equivalent exists, English terms or transliterations have been used (for example: indicator, hazard lights).
- Hindi speakers widely use many English automotive and legal terms in daily life—such as license, traffic, signal, parking, and helmet. These have been retained based on readability and practical usage.
- Long or complex sentences from the original were rewritten into clearer, simpler, reader-friendly forms without altering meaning, ensuring that learners can easily apply the guidance during training, tests, and real-world driving.

Reviewer: Priyanka S.

Phase: Human Reviewed

Version: 1.0–HIN

Date Completed: November, 2025

अनुवादक या समीक्षक के नोट्स (हिंदी संस्करण)

यह भारतीय ड्राइवर गाइड का संस्करण आधिकारिक English Version 1.0 से अनुवादित और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया गया है। यह कार्य Creative Commons Attribution–ShareAlike 4.0 International License के तहत किया गया है। यह संस्करण सटीकता, सरलता और पठनीयता को बनाए रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि सामग्री आम पाठकों, शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों के लिए सहज और उपयोगी रहे।

कुछ तकनीकी और कानूनी शब्द—जैसे ABS, Motor Vehicles Act, PUC, License, आदि—अंतरराष्ट्रीय मानकों और प्रशिक्षण सामग्री में एकरूपता बनाए रखने के लिए अंग्रेज़ी में ही रखे गए हैं। यह संस्करण भी उसी Creative Commons लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध है।

वैकल्पिक विचार

- अंग्रेज़ी शब्दों में 's वाले रूप अक्सर मशीन अनुवाद में गलत आते हैं (जैसे: Do's, Don'ts, Driver's, India's), इसलिए इन्हें मैन्युअली सुधारा गया है।
- जिन अंग्रेज़ी शब्दों के लिए सरल, स्वाभाविक और सर्वमान्य हिंदी विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए transliteration या अंग्रेज़ी शब्द ही रखा गया है (जैसे: indicator, hazard lights) ।
- हिंदी में भी कई अंग्रेज़ी शब्द रोज़मर्रा की भाषा में बहुत आम हैं—जैसे license, traffic, signal, parking, helmet। तकनीकी सटीकता और व्यावहारिक उपयोग दोनों को संतुलित करने के लिए इनका चयन संदर्भ के आधार पर किया गया है।
- जटिल वाक्यों को सरल, छोटे और पाठक-अनुकूल रूप में बदला गया है ताकि पाठक आसानी से समझ सकें और प्रशिक्षण, परीक्षा और वास्तविक ड्राइविंग स्थितियों में स्वतः लागू कर सकें।

समीक्षक: प्रियंका शर्मा

फेज़: मानव समीक्षा

चरण 2, संस्करण 0.95-पीएस

पूरा करने की तिथि: नवंबर, 2025

अध्याय 1 परिचय

1.1 इस मैनुअल का उद्देश्य

गाड़ी चलाना सिर्फ पहियों वाली मशीन को नियंत्रित करने भर की बात नहीं है। यह एक ऐसी गतिविधि है जिसके लिए जागरूकता, समझदारी और सबसे बढ़कर ज़िम्मेदारी की ज़रूरत होती है। जब भी कोई व्यक्ति गाड़ी चलाता है, तो वह पैदल चलने वालों, साइकिल सवारों, बस यात्रियों, ट्रक ड्राइवरों और कार या दोपहिया पर यात्रा करने वाले परिवारों के साथ जगह साझा करता है। एक अच्छा ड्राइवर न केवल सड़क के नियमों का सम्मान करता है, बल्कि दूसरों की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों का भी सम्मान करता है।

यह मैनुअल भारत के नए और अनुभवी ड्राइवरों को सुरक्षित, ज़िम्मेदार और कानूनी तरीके से गाड़ी चलाने के लिए सरल और व्यवस्थित मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह केवल लाइसेंस परीक्षा पास करने के लिए बनी एक गाइडबुक नहीं है। यह उन लोगों की मदद के लिए लिखा गया है जो वास्तव में अच्छी ड्राइविंग आदतों सीखने में रुचि रखते हैं। इसका उद्देश्य जीवन भर सुरक्षित ड्राइविंग आदतों, ज़िम्मेदार व्यवहार और विनम्रता को बढ़ावा देना है। आधिकारिक नियमों को व्यावहारिक व्याख्याओं और उदाहरणों के साथ जोड़कर, यह एक ऐसी विश्वसनीय मार्गदर्शिका बनने का प्रयास करता है, जिसे ड्राइवर, प्रशिक्षक, NGO और सरकारी संस्थान समान रूप से समझ और उपयोग कर सकें।

नोट: भारत में अधिकांश लोगों ने कभी ड्राइवर मैनुअल या सड़क उपयोगकर्ता गाइड नहीं देखी है। पहली नज़र में यह दस्तावेज़ लंबा लग सकता है, लेकिन असल में यह दुनिया भर के अन्य ड्राइवर मैनुअल्स से अधिक संक्षिप्त और केंद्रित है। यह मैनुअल आपको चरण-दर-चरण मार्गदर्शन देता है ताकि आप इसे आसानी से समझ सकें।

1.2 सरकारी प्रयासों की प्रशंसा

पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार और राज्य सरकारों ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। मज़बूत कानून, 2019 का Motor Vehicles (Amendment) Act, नए नियम, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान, सख्त प्रवर्तन और सड़क ढांचे में निवेश – ये सभी इस बदलाव का हिस्सा हैं। इन पहलों से लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

यह मैनुअल इन मौजूदा प्रयासों का पूरक है और उन्हीं लक्ष्यों को सरल और शिक्षार्थी-अनुकूल भाषा में प्रस्तुत करता है। इसका उद्देश्य नियमों और कानूनों को सरलता से समझाना, उनके पीछे के कारण बताना और ड्राइवरों को उन्हें अपने रोज़मर्रा के व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यदि राज्य सरकारें इसे उपयोगी पाएँ, तो वे इसे अपनी आवश्यकता अनुसार ढाल सकती हैं। अनुरोध करने पर जनहित में उपयोग के लिए अलग लाइसेंस भी उपलब्ध है।

इस मैनुअल में दिए गए नियम और दिशानिर्देश पूरे भारत में लागू किए जाने के लिए बनाए गए हैं। हालाँकि सड़क की स्थिति हर जगह समान नहीं होती, पर सुरक्षा और शिष्टाचार के सिद्धांत हर जगह एक जैसे ही रहते हैं।

1.3 कानूनी आधार

Motor Vehicles Act, 1988 जिसे Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 द्वारा संशोधित किया गया है, भारत में सड़क सुरक्षा के लिए मुख्य कानूनी आधार है। 2019 के संशोधनों में कड़े दंड शामिल हैं – जैसेधारा 194B के तहत सीटबेल्ट न पहनने पर 1,000 रुपये का जुर्माना, airbag जैसी अनिवार्य सुरक्षा सुविधाएं और गुड समैरिटन कानून के तहत नेक लोगों की सुरक्षा के प्रावधान। Motor Vehicles (Driving) Regulations, 2017 इन कानूनों के पूरक नियम हैं, सिवाय उन मामलों के जहाँ 2019 के संशोधन लागू हो चुके हैं। ये कानून बाध्यकारी तो हैं, लेकिन इनमें प्रायः जटिल कानूनी भाषा का प्रयोग होता है।

यह मैनुअल प्रमुख नियमों को सरल और स्पष्ट हिंदी में इस तरह से प्रस्तुत करता है कि ड्राइवर उन्हें जल्दी से समझ सकें और अपनाएं। कभी-कभी, हम यह तुलना दिखाते हैं कि कानून में कोई नियम कैसे लिखा गया है और इस गाइड में वही बात कैसे समझाई गई है। इसका उद्देश्य कानून को बदलना नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की ड्राइविंग के लिए उसके अर्थ को आसान और उपयोगी बनाना है। Motor Vehicles Act और संबंधित नियम हमेशा सर्वोपरि रहते हैं, पर यह गाइड उनके अर्थ को साधारण ड्राइविंग स्थितियों में समझना आसान बनाती है।

उदाहरण 1:

- कानूनी शब्दावली (Motor Vehicles Act से): “मोटर वाहन चलाने वाला प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर वाहन को सावधानीपूर्वक एवं सतर्कतापूर्वक चलाएगा तथा ऐसी गति से चलाएगा जिससे जनता को खतरा न हो।”
- हमारा गाइड (Guide version): “हमेशा सावधानीपूर्वक और सुरक्षित गति से गाड़ी चलाएं ताकि किसी को भी खतरा न हो।”

उदाहरण 2:

- कानूनी शब्दावली (Rule 27, CMVR): “प्रत्येक चालक को सड़क चौराहे पर प्रवेश करते समय सड़क पर आने वाले यातायात को अपने दाहिने ओर से रास्ता देना होगा, जब तक कि किसी साइन बोर्ड या यातायात पुलिस अधिकारी द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया जाए।”
- हमारा गाइड (Guide version): “किसी चौराहे पर, अपनी दाहिनी ओर से आने वाले वाहनों को पहले जाने दें, जब तक कि कोई संकेत या ट्रैफिक पुलिस कुछ और न कहे।”

1.4 नियम क्यों बनाए गए हैं

यातायात नियम कभी मनमाने नहीं होते। ये अनुभव, दुर्घटना के आँकड़ों और सुरक्षा विज्ञान पर आधारित होते हैं। इन्हें जीवन की रक्षा और सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित व समान बनाने के लिए तैयार किया गया है। जब ड्राइवर नियमों के पीछे का कारण समझते हैं, तो उनके उन्हें मानने की संभावना ज़्यादा होती है। इसलिए यह मैनुअल सिर्फ यह नहीं बताता है कि नियम क्या हैं, बल्कि यह भी समझाता है कि वे क्यों ज़रूरी हैं और कैसे जीवन बचाते हैं।

भारत की नई वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए, हमारे कानूनों को समय-समय पर अपडेट किया जाता है। Motor Vehicles (Amendment) Act (2019) ने सड़क सुरक्षा कानूनों को और भी सख्त बना दिया है। तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने, नशे की हालत में ड्राइविंग करने या बिना लाइसेंस वाहन चलाने जैसे उल्लंघनों के लिए जुर्माने कई गुना बढ़ाए गए हैं। नए वाहनों में अब Airbag, Anti-lock Braking System (ABS) और सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट जैसी सुरक्षा सुविधाएँ अनिवार्य की गई हैं। साथ ही, स्पीड कैमरे और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली (Automated Enforcement) को भी आधिकारिक मान्यता दी गई है। यह कानून गुड समैरिटन कानून के अंतर्गत दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले नेक लोगों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

स्पीड कैमरे और ऑटोमैटिक चालान सिस्टम जैसी तकनीकें अब आधिकारिक प्रवर्तन के अंतर्गत आती हैं। ऑटोमैटिक चालान का अर्थ है कि अब केवल पुलिस अधिकारी ही नहीं, बल्कि कैमरे भी उल्लंघनों को रिकॉर्ड कर सकते हैं। अगर आप तेज़ गति से गाड़ी चलाते हैं या सिग्नल तोड़ते हैं, तो *जुर्माने की सूचना सीधे आपके घर या फ़ोन पर पहुँचेगी।* अंततः, लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं में किशोरों के माता-पिता, ठेकेदारों और नगर निकायों की ज़िम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

ये सुधार एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सत्य को उजागर करते हैं: नियम इसलिए मौजूद हैं क्योंकि हर जीवन मायने रखता है, और जब लोग अपनी साझा ज़िम्मेदारी भूल जाते हैं तब उनके कड़े क्रियान्वयन की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।

भारत ने सड़क सुरक्षा को मज़बूत करने में लगातार सुधार किए हैं, फिर भी हर साल सड़कों पर मौतों की संख्या चिंताजनक रूप से अधिक है। परिशिष्ट B इन आधिकारिक आँकड़ों का अवधि-वार सारांश प्रस्तुत करता है, जो यह दिखाता है कि सुरक्षित ड्राइविंग क्यों इतनी आवश्यक है। (आँकड़ों की व्याख्या करते समय IIT-Delhi के अध्ययन से जुड़े सावधानी नोट को भी देखें।)

1.5 ड्राइवरों की ज़िम्मेदारियाँ

यह मैनुअल मुख्य रूप से कार चालकों के लिए लिखा गया है, क्योंकि कारें भारत के तेज़ी से बढ़ते यातायात मिश्रण का एक सामान्य हिस्सा बन चुकी हैं। यहाँ दिए गए कई सिद्धांत सभी सड़क उपयोगकर्ताओं पर लागू होते हैं, पर ध्यान उन ज्ञान और आदतों पर है जो हर कार ड्राइवर को अपनानी चाहिए। अन्य सड़क उपयोगकर्ता—पैदल यात्री, साइकिल सवार, दोपहिया वाहन, बसें और ट्रक—उन हिस्सों में शामिल हैं जहाँ वे कार ड्राइविंग से जुड़ते या उसका सामना करते हैं।

भारत में हर लाइसेंसधारी ड्राइवर की ज़िम्मेदारियाँ केवल अपने वाहन के नियंत्रण तक सीमित नहीं हैं। यही ज़िम्मेदारियाँ भारत में सुरक्षित ड्राइविंग की असली नींव हैं।

- हर परिस्थिति में अपने वाहन को नियंत्रण में रखें – चाहे भारी ट्रैफ़िक हो, बारिश हो या राजमार्ग पर।
- सभी ट्रैफ़िक संकेतों, सिग्नलों और सड़क चिह्नों का पालन करें।
- ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे दूसरों को खतरा या असुविधा हो।
- भीड़भाड़ या तनावपूर्ण स्थिति में धैर्य, शिष्टाचार और नागरिकता का भाव बनाए रखें।

- पैदल यात्रियों, साइकिल सवारों और दोपहिया ड्राइवरों जैसे असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ताओं पर विशेष ध्यान दें।

ड्राइवरों को राज्य-विशिष्ट नियमों का पालन करना ज़रूरी है, क्योंकि लाइसेंसिंग और प्रवर्तन हर राज्य में अलग-अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, गुजरात में RTO शिक्षार्थी लाइसेंस परीक्षा को कंप्यूटर-आधारित बनाता है, जहाँ आवेदन शुल्क ₹1000 से ₹1500 तक हो सकता है। वहीं दिल्ली में लिखित और प्रायोगिक (practical) मूल्यांकन का मिश्रण लागू है। अपने राज्य के RTO दिशानिर्देश अवश्य देखें, ताकि स्थानीय नियमों का सही अनुपालन हो सके।

गाड़ी चलाना केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है। सुरक्षित ड्राइवर सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद और मानवीय बनाते हैं।

1.6 सड़क पर नागरिक जागरूकता और शिष्टाचार

नागरिक जागरूकता का अर्थ है यह समझना कि सड़कें साझा स्थान हैं, न कि किसी की निजी संपत्ति। यह इस बात का एहसास है कि एक चालक के रूप में आपके कार्य सड़क का उपयोग करने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा, सुविधा और अधिकारों को प्रभावित करते हैं - अन्य चालक, पैदल यात्री, साइकिल सवार, और यहाँ तक कि व्यस्त सड़कों पर रहने वाले लोग भी।

नागरिक भावना वाला चालक कानून का पालन करने के साथ-साथ सम्मान और शिष्टाचार भी दिखाता है। उदाहरण के लिए, चमकती बत्ती वाली एम्बुलेंस को रास्ता देना या स्कूल के पास हॉर्न न बजाना सुरक्षित और सुगम सड़कें सुनिश्चित करता है। नागरिक भावना का पालन करने से आपकी यात्रा में कुछ मिनट बढ़ सकते हैं, लेकिन यह सभी के लिए अधिक सुरक्षित, शांत और सम्मानजनक अनुभव प्रदान देता है। नागरिक भावना विचारशीलता पर आधारित है, पूर्णता पर नहीं।

ड्राइविंग में नागरिक भावना के सिद्धांत:

- नियमों का सम्मान करें। जब कोई देख न रहा हो तब भी संकेतों, चिह्नों और गति सीमा का पालन करें। नियम सज़ा देने के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए पूर्वानुमानित और सुरक्षित परिस्थितियाँ बनाने के लिए होते हैं।
- जब ज़रूरत हो, तो रास्ता दें। चौराहों, पैदल यात्रियों के क्रॉसिंग या मिलने वाले यातायात को अवरुद्ध न करें। बसों, एम्बुलेंस और स्कूल वाहनों को सुरक्षित रूप से चलने दें।

- शोर और प्रदूषण पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक हॉर्न बजाने से बचें, खासकर अस्पतालों, स्कूलों और रिहायशी इलाकों के पास। धुँ और शोर को कम करने के लिए वाहन का रखरखाव नियमित रूप से करें।
- धैर्य रखें। ट्रैफिक जाम और देरी शहरी जीवन का हिस्सा हैं। गुस्सा करना, लाइन तोड़ना या तेज़ ड्राइविंग करना समय नहीं बचाता – इससे केवल जोखिम बढ़ता है।
- दूसरों का ध्यान रखें। डबल पार्किंग या ऐसे स्थान पर न रुकें जिससे ट्रैफिक बाधित हो। याद रखें कि सोच-समझकर उठाया गया हर छोटा-सा कदम सड़क को सभी के लिए सुरक्षित और सुगम बनाता है।
- खतरों की सूचना दें। सड़क की क्षति या खराब सिग्नलों को नोट करें और संबंधित नागरिक प्राधिकरण को रिपोर्ट करें (यदि सुरक्षित और व्यावहारिक हो)।
- उदाहरण प्रस्तुत करें। शिष्टाचार शिष्टाचार को बढ़ावा देता है। जो ड्राइवर नागरिक भावना का पालन करते हैं, वे एक ऐसा मानक स्थापित करते हैं, जिसका अनुसरण अन्य लोग करने लगते हैं।

तर्क: नागरिक भावना सड़क सुरक्षा की नींव है। पुलिस प्रवर्तन और कानून द्वारा दंड ज़रूरी हैं, लेकिन वे रोज़मर्रा की जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन की जगह नहीं ले सकते। जहाँ नागरिक भावना मज़बूत होती है, वहाँ कम नियमों की ज़रूरत पड़ती है – क्योंकि लोग स्वयं जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं।

1.7 भारत में ड्राइविंग के बारे में आम मिथक

ड्राइवरों की जिम्मेदारियाँ स्पष्ट होने के बावजूद, कई लोग सड़क के बारे में रोज़मर्रा की धारणाएँ रखते हैं जो उन्हें सुरक्षित व्यवहार से भटका देती हैं – इस दस्तावेज़ में हम इन्हें 'मिथक' कहते हैं। ये 'मिथक' अक्सर सामान्य लगते हैं, लेकिन असल में ये छिपी हुई खतरनाक आदतें हैं। ये "मानसिक शॉर्टकट" हर दिन हमारे व्यवहार को प्रभावित करते हैं। इन मिथकों को पहचानना सुरक्षित ड्राइविंग की दिशा में पहला कदम है।

- मिथक: "मैं नियमों का पालन तभी करूँगा जब पुलिस आसपास होगी या जुर्माना ज़्यादा होगा।"

हकीकत: नियम जान बचाने के लिए होते हैं, किसी को फँसाने के लिए नहीं। सुरक्षित आदतें आपको और दूसरों को तब भी सुरक्षित रखती हैं जब कोई देख नहीं रहा हो।

- मिथक: "सड़कें बड़े वाहनों के लिए हैं, छोटे वाहनों को समायोजित कर लेना चाहिए।"

हकीकत: सड़कें साझा स्थान हैं। पैदल चलने वालों, साइकिल सवारों, दोपहिया और बसों— सभी को बराबर अधिकार प्राप्त हैं। शिष्टाचार सभी को सुरक्षित रखता है।

- मिथक: “मैं दूसरों से बेहतर ड्राइवर हूँ, और अगर कोई नियम तोड़े तो गुस्सा आना स्वाभाविक है।”

हकीकत: अति आत्मविश्वास और क्रोध निर्णय लेने की क्षमता को कमज़ोर कर देते हैं। एक शांत ड्राइवर दुर्घटनाओं से बचता है — शिष्टाचार एक सुरक्षा उपकरण है।

- मिथक: “गलत दिशा में गाड़ी चलाने या सिग्नल छोड़ने से समय बचता है।”

हकीकत: ये हथकंडे कुछ सेकंड तो बचा सकते हैं, लेकिन जान को ख़तरे में डाल सकते हैं— जिसमें आपकी अपनी जान भी शामिल है। अक्सर यह एक शॉर्टकट लगता है, लेकिन असली शॉर्टकट तो यात्रा के लिए थोड़ा अतिरिक्त समय निकालना है।

- मिथक: “मुझे आक्रामक होना पड़ेगा, वरना मैं अपने गंतव्य तक जल्दी नहीं पहुँच पाऊँगा।”

हकीकत: आक्रामक ड्राइविंग से तनाव और दुर्घटनाएँ ही बढ़ती हैं। समय की योजना और धैर्य से यात्रा न केवल सुरक्षित बल्कि अक्सर तेज़ भी हो जाती है।

तर्क: नागरिक भावना का मतलब केवल नियमों को जानना नहीं, बल्कि हानिकारक धारणाओं को सुरक्षित सोच में बदलना भी है। सड़क सुरक्षा की संस्कृति सोच में बदलाव से ही शुरू होती है।

1.8 इस मैनुअल का सही उपयोग कैसे करें

यह मैनुअल व्यावहारिक और पालन करने में आसान बनाने के उद्देश्य से लिखा गया है। प्रत्येक अध्याय संबंधित नियमों या ड्राइविंग प्रथाओं के एक समूह की व्याख्या करता है। महत्वपूर्ण नियमों को कॉलआउट बॉक्स में स्पष्ट रूप से हाइलाइट किया गया है। ‘Do’s and Don’ts’ भारत भर के वास्तविक उदाहरण दिखाते हैं कि ये नियम रोज़मर्रा की परिस्थितियों में कैसे लागू होते हैं। सड़क के लेआउट, यातायात की गतिविधियों और अच्छी प्रथाओं को दृश्य रूप से दिखाने के लिए कुछ आरेख और कॉलआउट बाद में जोड़े गए हैं। यातायात संकेतों की विस्तृत सूची परिशिष्ट A में दी गई है। प्रमुख सड़क संकेतों के दृश्य — जैसे ‘रुकना’ और ‘No U-Turn’ — सड़क के नियम (अध्याय 4) जैसे अध्यायों में शामिल किए गए हैं और त्वरित संदर्भ के लिए परिशिष्ट A के साथ क्रॉस-रेफरेंस किए गए हैं।

इस मैनुअल का उपयोग निम्नलिखित लोग कर सकते हैं:

- शिक्षार्थी जो अपना पहला लाइसेंस प्राप्त करने की तैयारी कर रहे हैं।
- लाइसेंसधारी ड्राइवर जो अपना ज्ञान ताज़ा करना चाहते हैं।
- प्रशिक्षक और NGO जो सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं।
- राज्य सरकारें जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप शैक्षिक सामग्री को अनुकूलित करने पर विचार कर रही हैं।

यह ड्राइविंग स्कूल प्रशिक्षण के पूरक के रूप में भी काम कर सकता है, पाठों को सुदृढ़ कर सकता है और सड़क सुरक्षा प्रथाओं की बेहतर समझ प्रदान कर सकता है।

1.9 भविष्य की अनुकूलनशीलता

भारत एक विशाल देश है, जहाँ यातायात की परिस्थितियाँ बहुत विविध हैं। दिल्ली, चेन्नई या मुंबई की शहरी ड्राइविंग, हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों या गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के राजमार्गों पर होने वाली ग्रामीण ड्राइविंग से अलग है। यह मैनुअल राष्ट्रीय स्तर पर मार्गदर्शन प्रदान करता है, लेकिन राज्य और समुदाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार इसे अनुकूलित करने के लिए स्वतंत्र हैं। आप जहाँ भी ड्राइव करें, सिद्धांत वही रहते हैं: सुरक्षा, सम्मान और ज़िम्मेदारी। चूँकि यह गाइड सार्वजनिक रूप से लाइसेंस प्राप्त है, इसलिए इसे स्थानीय प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुसार पुनः प्रस्तुत, अनुवादित या संशोधित किया जा सकता है।

1.10 लाइसेंस नोटिस

© 2025 सेतु रथिनम, saferoadsindia.orgTM – यह कार्य क्रिएटिव कॉमन्स CC BY-SA 4.0 लाइसेंस के अंतर्गत जारी किया गया है।

सरकार, गैर सरकारी संगठन या शैक्षणिक संस्थानों को जनहित उपयोग के लिए अनुरोध करने पर अलग लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है।

1.11 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- भारत सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में तेज़ी से प्रगति कर रहा है और यह मैनुअल उन्हीं प्रयासों का विस्तार है।
- नियम प्रतिबंध लगाने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करने और सड़कों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं।
- हर चालक पर सभी की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी होती है।

- यद्यपि यह मैनुअल लंबा लग सकता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय गाइडों की तुलना में यह अधिक संक्षिप्त और व्यावहारिक है।
- सड़क को साझा स्थान के रूप में सम्मान और ज़िम्मेदारी के साथ अपनाएँ।

अध्याय 2: लाइसेंस प्राप्त करना

2.1 लाइसेंस क्यों महत्वपूर्ण है

ड्राइविंग लाइसेंस आपकी तस्वीर वाला साधारण प्लास्टिक कार्ड नहीं, बल्कि इस बात का आधिकारिक प्रमाण है कि आपको भारत में ड्राइविंग के लिए परीक्षण के बाद सक्षम पाया गया है। सड़क पर ड्राइविंग लाइसेंस का मतलब है कि सरकार ने आप पर भरोसा किया है कि आप अपने वाहन, अपने यात्रियों और उन अजनबियों की ज़िम्मेदारी लेंगे जो आपके साथ सड़क साझा करते हैं।

लाइसेंसिंग जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। बिना किसी परीक्षण और योग्यता प्रणाली के, कोई भी व्यक्ति किसी भी उम्र या कौशल स्तर का व्यक्ति गाड़ी चला सकता है, और तब सड़कें कहीं अधिक खतरनाक हो जाएंगी। यह प्रणाली लोगों को असुविधा पहुँचाने के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों को अलग पहचानने के लिए है जो अभी तैयार नहीं हैं। इस तरह, लाइसेंसिंग सभी में आत्मविश्वास जगाती है—ड्राइवर, यात्री और पैदल यात्री, सभी के लिए समान रूप से। जब आपके पास लाइसेंस होता है, तो आप यह दर्शाते हैं कि आप ज़िम्मेदारी से सड़क साझा करने के लिए तैयार हैं।

2.2 पात्रता और आयु आवश्यकताएँ

सुनहरा नियम: लाइसेंस केवल गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं है; बल्कि आपकी तैयारी का प्रमाण है। सड़क पर हर किसी की सुरक्षा के लिए आयु सीमाएँ और परीक्षण आवश्यक हैं।

भारत में विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए न्यूनतम आयु और पात्रता से संबंधित स्पष्ट नियम निर्धारित हैं:

- 16 वर्ष: माता-पिता की सहमति से, आप बिना गियर वाली मोटरसाइकिल (50 सीसी तक की इंजन क्षमता, जैसे मोपेड) के लिए शिक्षार्थी लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं।

- 18 वर्ष: निजी कारों या मोटरसाइकिलों (गियर वाली मोटरसाइकिलों सहित) के लिए शिक्षार्थी या स्थायी लाइसेंस की न्यूनतम आयु। इस श्रेणी में इंजन क्षमता पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- 20 वर्ष: वाणिज्यिक परिवहन वाहनों (जैसे टैक्सी, बसें) या भारी माल वाहनों के लिए स्थायी लाइसेंस की न्यूनतम आयु। इस श्रेणी के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण आवश्यक होता है।

ये आयु-सीमाएँ केवल संख्याओं पर नहीं, बल्कि परिपक्वता और सुरक्षा के अभ्यास पर आधारित हैं। युवा ड्राइवरों में उम्र के साथ आने वाली परिपक्वता और निर्णय क्षमता का अभाव हो सकता है। उन्हें जोखिम प्रबंधन, अचानक आने वाले खतरों से निपटने और शक्तिशाली वाहनों को नियंत्रित करने का अनुभव भी अपेक्षाकृत कम होता है। आयु सीमाएँ निर्धारित करके, कानून यह सुनिश्चित करता है कि लोग बड़ी ज़िम्मेदारियाँ तभी लें जब वे उन्हें सही रूप से निभाने में सक्षम हों।

2.3 लर्नर लाइसेंस (Learner's Licence)

हर सफ़र सीखने से ही शुरू होता है। एक ज़िम्मेदार ड्राइवर बनने की दिशा में पहला कदम लर्नर लाइसेंस प्राप्त करना है। यह आपको स्थायी लाइसेंस परीक्षा से पहले निगरानी में ड्राइविंग का अभ्यास करने का अवसर देता है। इस स्तर पर गलतियाँ होना स्वाभाविक है – वे सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। लर्नर लाइसेंस छह महीने के लिए वैध होता है, और उस दौरान आपसे सुरक्षित और गंभीरता से अभ्यास करने की अपेक्षा की जाती है। लर्नर लाइसेंस प्राप्त करने के लिए, आवेदक को पहले एक ज्ञान परीक्षा (जिसे अक्सर सैद्धांतिक या कंप्यूटर-आधारित परीक्षा कहा जाता है) पास करनी होती है। इस परीक्षा में यातायात संकेत, सिग्नल, सड़क नियम और सामान्य ड्राइविंग कर्तव्यों से संबंधित प्रश्न होते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षार्थी सार्वजनिक सड़कों पर अभ्यास शुरू करने से पहले सुरक्षित ड्राइविंग के कानूनी सिद्धांतों को समझता हो। परीक्षा पास करना इस बात की औपचारिक पुष्टि है कि आवेदक के पास व्यावहारिक ड्राइविंग सीखने के लिए आवश्यक बुनियादी ज्ञान मौजूद है।

कई राज्यों में, आप लर्नर लाइसेंस के लिए 'सारथी परिवहन' जैसे पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में दस्तावेज़ (जैसे, आयु प्रमाण, पते का प्रमाण) जमा करना और परीक्षा के लिए समय निर्धारित करना शामिल होता है। अपना राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं और डिजिटल सेवाओं के लिए संबंधित RTO वेबसाइट देखें।

कुछ महत्वपूर्ण नियम और प्रतिबंध इस प्रकार हैं:

- वाहन के आगे और पीछे स्पष्ट रूप से “L” प्लेट प्रदर्शित होनी चाहिए।
- शिक्षार्थी के साथ हर समय एक लाइसेंसधारी चालक का रहना अनिवार्य है।
- पर्यवेक्षक के अलावा किसी अन्य यात्री को ले जाने की अनुमति नहीं है।

ये प्रतिबंध भले ही सख्त लगें, लेकिन इनके पीछे एक ठोस कारण है। निगरानी में अभ्यास करने से दुर्घटनाएँ कम होती हैं और शिक्षार्थियों को बिना किसी जोखिम के सुरक्षित आदतें विकसित करने में मदद मिलती है।

2.4 स्थायी लाइसेंस

जब कोई शिक्षार्थी पर्याप्त अभ्यास कर ले और आत्मविश्वास महसूस करे, तो वह स्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है। इस प्रक्रिया में एक सैद्धांतिक परीक्षा (जिसमें यातायात संकेत, सड़क नियम और सुरक्षित व्यवहार शामिल होते हैं) और एक व्यावहारिक परीक्षा – जिसमें परीक्षक की निगरानी में वाहन चलाना शामिल है – दोनों आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएँ इस बात को सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई हैं कि आप ड्राइविंग की पूरी ज़िम्मेदारी निभाने के लिए सक्षम हैं।

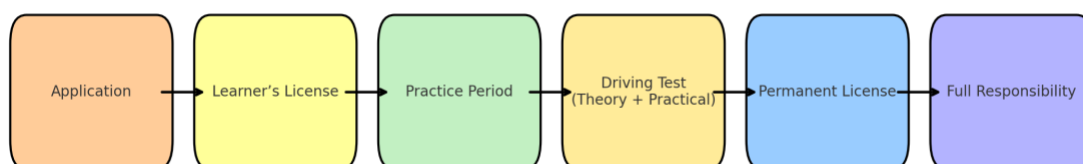
ड्राइविंग टेस्ट के दौरान परीक्षक आमतौर पर निम्नलिखित बातों पर ध्यान देता है:

- सूचारु रूप से वाहन शुरू करना, रोकना और गियर बदलना।
- उचित “दर्पण-संकेत-पैन्टरेबाज़ी” दिनचर्या का पालन करना।
- यातायात संकेतों का ध्यानपूर्वक अवलोकन एवं अनुपालन करना।
- लेन अनुशासन बनाए रखना और सुरक्षित दूरी रखना।
- आत्मविश्वास के साथ पार्किंग और रिवर्सिंग करना।
- चौराहों और मोड़ों पर शांत और स्थिर नियंत्रण प्रदर्शित करना।

परीक्षा पास करना केवल कौशल के बारे में नहीं है—यह दर्शाता है कि आप सुरक्षा और शिष्टाचार को समझते हैं।

Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के अनुसार, स्थायी लाइसेंस 20 वर्षों तक या

धारक के 40 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, वैध रहता है। 40 वर्ष की आयु के बाद और 50 वर्ष तक के चालकों के लिए, नवीनीकरण के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र आवश्यक हो सकता है; जबकि 50 वर्ष की आयु के बाद, हर पाँच साल में नवीनीकरण अनिवार्य होता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि चालक चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ रहें और वर्तमान नियमों से अपडेटेड रहें।



चित्र 1: लाइसेंसिंग प्रक्रिया का फ्लोचार्ट — जिसमें शिक्षार्थी लाइसेंस आवेदन से लेकर स्थायी लाइसेंस जारी होने तक के चरण दर्शाए गए हैं।

2.5 नवीनीकरण, डुप्लिकेट और अनुमोदन

जीवन निरंतर परिवर्तनशील है। लाइसेंस का नवीनीकरण, प्रतिस्थापन या विस्तार आवश्यकतानुसार किया जा सकता है:

- नवीनीकरण: लाइसेंस की वैधता समाप्त होने पर उसका समय पर नवीनीकरण करवाना आवश्यक है। इससे ड्राइवर अपडेटेड रहते हैं और सड़क सुरक्षा बनी रहती है। समय पर नवीनीकरण कराने से ड्राइविंग अधिकारों में कोई रुकावट नहीं आती।
- डुप्लिकेट: यदि लाइसेंस खो जाए, क्षतिग्रस्त हो जाए, या चोरी हो जाए, तो संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) से डुप्लिकेट प्राप्त किया जा सकता है।
- अनुमोदन: विशेष प्राधिकरण जैसे वाणिज्यिक ड्राइविंग या खतरनाक माल के परिवहन के लिए अतिरिक्त जांच की आवश्यकता होती है, और इसे लाइसेंस पर अनुमोदन के रूप में अंकित किया जाता है।

ये प्रक्रियाएँ रिकॉर्ड को सटीक रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं कि विशेष ज़िम्मेदारियाँ केवल उन्हीं व्यक्तियों को दी जाएँ जो उचित रूप से प्रशिक्षित और प्रमाणित

हों। लाइसेंस को अद्यतन रखने से यह सुनिश्चित होता है कि केवल चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ और कानूनी रूप से ज़िम्मेदार ड्राइवर ही सड़क पर रहें।

2.6 निलंबन और अयोग्यता

लाइसेंस एक विशेषाधिकार है, कोई स्थायी अधिकार नहीं। यदि धारक इसका दुरुपयोग करता है, तो इसे निलंबित या रद्द किया जा सकता है। निलंबन के कारण बनने वाले गंभीर अपराधों में शामिल हैं:

- शराब या नशीली दवाओं के प्रभाव में वाहन चलाना।
- लापरवाही या खतरनाक ड्राइविंग करना।
- बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करना।
- आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देना।

तर्क सरल है: यदि कोई चालक लगातार दूसरों को खतरे में डालता है, तो समाज को यह अधिकार है कि जब तक वह अपना व्यवहार नहीं बदलता, उसे अस्थायी रूप से सड़क से हटाया जा सके। Motor Vehicles Act की धारा 181 के तहत बिना वैध लाइसेंस के वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है, जिसके लिए भारी जुर्माना और/या तीन महीने तक की कैद हो सकती है। यह हर समय वैध लाइसेंस बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है। इससे चालक और जनता दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। लाइसेंस विश्वास के साथ आता है— और उस विश्वास को बनाए रखना ही आप तथा दूसरों की सुरक्षा की कुंजी है।

2.7 इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट (International Driving Permit – IDP)

अगर आप विदेश में गाड़ी चलाने की योजना बना रहे हैं, तो आप International Driving Permit (IDP) के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह एक वर्ष के लिए वैध होता है और इसे हमेशा भारत में जारी अपने वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ रखना आवश्यक है। IDP को कई देशों में अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2025 तक, भारतीय नागरिक सारथी परिवहन पोर्टल या अधिकृत क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों के माध्यम से IDP के लिए आवेदन या नवीनीकरण कर सकते हैं, जबकि विदेश में रहने वाले नागरिक भारतीय दूतावासों के माध्यम से इसका नवीनीकरण कर सकते हैं। हमेशा अपने मेज़बान देश के नियमों की जाँच करें, क्योंकि कुछ देशों में अतिरिक्त प्रमाणपत्रों की आवश्यकता हो सकती है।

IDP का उद्देश्य सीमाओं के पार ड्राइविंग मानकों में सामंजस्य स्थापित करना है, ताकि भारतीय नागरिक विदेशों में कानूनी रूप से वाहन चला सकें, और यह सुनिश्चित हो कि अंतराष्ट्रीय पर्यटक भी भारतीय लाइसेंस का सम्मान करें।

2.8 प्रणाली का सम्मान

लाइसेंसिंग को केवल एक औपचारिकता समझना आसान है, लेकिन यह जीवन की रक्षा के लिए बनाई गई एक महत्वपूर्ण प्रणाली का प्रतिनिधित्व करता है। लाइसेंसिंग प्रणाली को एक सुरक्षा जाल के रूप में समझें, जो आपको और सड़क पर दूसरों को सुरक्षित रखती है। चालक अपनी नागरिक ज़िम्मेदारी तब प्रदर्शित करते हैं जब वे ईमानदारी से आवेदन करते हैं, प्रक्रिया का सम्मान करते हैं और अधिकारियों के साथ सहयोग करते हैं। यह प्रणाली तब सबसे अच्छा काम करती है जब लोग इसे एक बाधा नहीं, बल्कि अपने और अपने समुदायों के लिए एक सुरक्षा के रूप में देखते हैं।

2.9 करें और न करें (Do's and Don'ts) – लाइसेंसिंग के लिए

इन व्यावहारिक सुझावों का पालन करना आसान है, लेकिन इनसे बड़ा अंतर पड़ता है।

करें:

- अपनी आयु और वाहन के प्रकार के आधार पर सही श्रेणी के लाइसेंस के लिए आवेदन करें।
- सीखने की अवधि के दौरान गंभीरता से अभ्यास करें।
- जब भी आप गाड़ी चलाएं, अपना लाइसेंस हमेशा साथ रखें।
- अपना लाइसेंस समय पर नवीनीकृत कराएं।
- प्रतिबंधों और ज़िम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करें।
- धोखेबाज एजेंटों से बचें; आवेदन और नवीनीकरण के लिए सारथी परिवहन जैसे आधिकारिक RTO पोर्टल का उपयोग करें।

न करें:

- शॉर्टकट या झूठे दस्तावेजों का उपयोग करें – ईमानदारी यह सुनिश्चित करती है कि प्रणाली निष्पक्ष रूप से काम करे।
- केवल Learner's Licence होने पर यात्रियों को साथ न ले जाएं।

- अपने लाइसेंस की नवीनीकरण तिथि को कभी अनदेखा करें।
- लाइसेंसिंग को केवल औपचारिकता न समझें — यह समाज के प्रति आपकी ज़िम्मेदारी है।

2.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- ड्राइवर का लाइसेंस तत्परता और कानूनी ज़िम्मेदारी का प्रतीक है।
- विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए आयु और प्रशिक्षण आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं।
- शिक्षार्थी के लिए सुरक्षित ड्राइवर बनने की दिशा में लाइसेंस प्राप्त करना पहला कदम है।
- ड्राइविंग परीक्षण ज्ञान और व्यावहारिक क्षमता — दोनों को परखते हैं।
- लाइसेंसिंग प्रक्रिया सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए बनाई गई है — ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल तैयार चालक ही वाहन चलाएं।
- International Driving Permit (IDP) केवल आपके भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही मान्य है।

अध्याय 3: अपने वाहन को जानें

3.1 अपने वाहन को क्यों जानें?

जो ड्राइवर अपने वाहन को नहीं समझता, वह उस डॉक्टर के समान है जो अपने चिकित्सा उपकरणों का सही उपयोग करना नहीं जानता – जहाँ एक छोटी गलती भी जान के लिए खतरा बन सकती है। नियंत्रण केवल मशीन के हिस्से नहीं होते – वे संचार, स्थिरता और सुरक्षा के प्रमुख साधन हैं। सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की शुरुआत वाहन से परिचित होने से होती है। आपको यह पता होना चाहिए कि प्रत्येक नियंत्रण क्या करता है, आपका वाहन कैसे प्रतिक्रिया देता है, और उसे सड़क पर चलने योग्य स्थिति में कैसे बनाए रखना है। जब आप अपने वाहन को अच्छी तरह समझते और जानते हैं, तो आप सड़क पर ज़्यादा आत्मविश्वास और कम तनाव महसूस करते हैं। यह ज्ञान आत्मविश्वास बढ़ाता है और महत्वपूर्ण क्षणों में झिझक को कम करता है।

3.2 वाहन नियंत्रण

हर ड्राइवर को अपने वाहन के बुनियादी नियंत्रणों की पूरी समझ होनी चाहिए। यह जानना कि उन्हें कब और कैसे इस्तेमाल करना है, सुरक्षित ड्राइविंग का मूल आधार है। जो ड्राइवर अपने वाहन को नहीं जानता, वह उस डॉक्टर के समान है जो अपने औज़ारों से अनजान है – और जिसकी गलती दूसरों को नुकसान पहुँचा सकती है।

प्राथमिक नियंत्रण:

- स्टीयरिंग व्हील (या दोपहिया वाहनों के लिए हैंडलबार): वाहन को दिशा देता है। इसे मजबूती से पकड़ें, लेकिन कसकर नहीं – ताकि गति सुचारु और नियंत्रित रहे।
- एक्सीलरेटर (थ्रॉटल): गति बढ़ाने के लिए होता है। सावधानी से इस्तेमाल करें – अचानक त्वरण से स्थिरता घट सकती है और अन्य सड़क उपयोगकर्ता चौंक सकते हैं।
- ब्रेक: वाहन की गति कम करने या उसे रोकने के लिए होता है। ब्रेक अचानक न लगाएँ – बल्कि धीरे-धीरे, जब तक कि कोई आपात स्थिति न हो।
- क्लच (मैनुअल वाहन): इंजन को पहियों से अलग करता है, जिससे गियर बदलना या नियंत्रित रोकना संभव हो जाता है।
- गियर लीवर: गति और शक्ति के लिए सही गियर चुनने में मदद करता है। निचले गियर कम गति और ढलान पर नियंत्रण देते हैं, जबकि ऊँचे गियर क्लरिफ़िंग के लिए उपयुक्त होते हैं।

- पार्किंग ब्रेक (हैंडब्रेक): वाहन के रुकने पर, खासकर ढलान पर, सुरक्षा सुनिश्चित करता है। रुकने के बाद इसे लगाएँ और आगे बढ़ने से पहले धीरे से छोड़ें।

द्वितीयक नियंत्रण:

- दर्पण: पीछे और बगल में आने वाले ट्रैफ़िक की जाँच करें। गति या दिशा बदलने से पहले हमेशा इनका इस्तेमाल करें।
- संकेतक (Turn Signal): दूसरों को अपने इरादे बताएँ। पहले संकेत दें और कार्रवाई पूरी होते ही उसे बंद कर दें।
- लाइट्स: दृश्यता बढ़ाएँ और दूसरों को आपको देखने में मदद करें। सामान्य ट्रैफ़िक में डिप्ड (Low Beam) हेडलाइट्स का उपयोग करें; केवल खाली और अंधेरी सड़कों पर ही हाई बीम का प्रयोग करें।
- हॉर्न: चेतावनी देने के लिए है, आक्रामकता दिखाने के लिए नहीं। केवल सचेत करने के लिए थोड़े समय के लिए बजाएँ – डॉटने या गुस्सा निकालने के लिए नहीं।
- वाइपर और वॉशर: बारिश या धूल में आवश्यक उपकरण हैं। सुरक्षा के लिए स्पष्ट दृष्टि बनाए रखना है।

नियंत्रण दिनचर्या (चरण-दर-चरण अनुक्रम):

इन नियंत्रणों का सही क्रम में उपयोग करने से ड्राइविंग सुचारु और अनुमानित रहती है। इनका अभ्यास किसी सुरक्षित, खाली स्थान पर तब तक करें जब तक कि ये आपकी स्वाभाविक आदत न बन जाएँ।

- ठहराव से आगे बढ़ना: मिरर→संकेत→गियर→अवलोकन→मूव (MS-GO)।
- लेन बदलना: दर्पण→संकेत→अवलोकन→सुचारु स्टीयरिंग।
- मुड़ना: जल्दी संकेत दें→गति कम करें→दर्पण जाँचें→गियर चुनें→ मोड़ सुचारु रूप से पूरा करें।
- रुकना: दर्पण→संकेत→ब्रेक→क्लच→तटस्थ।

बचने योग्य सामान्य गलतियाँ:

- मैनुअल गियर वाले वाहनों में लगातार क्लच पर पैर रखना, जिससे क्लच घिस जाता है और नियंत्रण कम हो जाता है।
- लेन बदलने से पहले Blind Spot की जाँच करना भूल जाना।

- बहुत देर से या बहुत ज़ोर से ब्रेक लगाना।
- High Beam का अधिक उपयोग करना, जिससे अन्य चालक अस्थायी रूप से अंधे हो सकते हैं।

तर्क: वाहन नियंत्रण जटिल नहीं हैं, लेकिन इन्हें स्वाभाविक होना चाहिए। नियमित अभ्यास और बुरी आदतों से बचाव चालक को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखता है – अपने लिए और अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए।

3.3 प्री-ड्राइव चेक

किसी भी यात्रा से पहले, एक जिम्मेदार ड्राइवर गाड़ी की जाँच के लिए एक मिनट ज़रूर निकालता है। ये जाँचें केवल एक मिनट में पूरी हो जाती हैं, लेकिन कई घंटों की परेशानी से बचा सकती हैं। एक छोटी सी दिनचर्या दुर्घटनाओं और ब्रेकडाउन से बचा सकती है:

- टायर का दबाव और स्थिति जांचें (जैसे, टायर की गहराई या कोई दृश्य क्षति)।
- ब्रेक की प्रतिक्रिया जांचें।
- दर्पण, लाइटें और खिड़कियाँ साफ़ हों यह सुनिश्चित करें।
- दर्पण स्पष्ट दृश्यता के लिए सही ढंग से समायोजित हों यह जांचें।
- आराम और नियंत्रण के लिए सीट और स्टीयरिंग को उचित रूप से समायोजित करें।
- अपनी सीट बेल्ट बाँधें और सुनिश्चित करें कि यात्री भी बाँधें।
- ईंधन स्तर या बैटरी चार्ज (EV के लिए) जांचें और यह देखें कि कोई चेतावनी लाइट चालू न हो।
- सुनिश्चित करें कि सभी यात्रियों की सीट बेल्ट और हेड रेस्ट्रेंट सही काम कर रहे हों।
- लाइट, इंडिकेटर, वाइपर और हॉर्न का परीक्षण करें ताकि सब ठीक तरह से काम करें।

चेतावनी लाइटें और संकेतक:

आधुनिक वाहनों में डैशबोर्ड पर चेतावनी लाइटें होती हैं जो ड्राइवरों को संभावित समस्या के बारे में पहले ही सचेत कर देती हैं। ये लाइटें ड्राइविंग से पहले और ड्राइविंग के दौरान भी काम आती हैं।

- तेल दबाव लाइट: सुरक्षित रूप से रुकें और तुरंत इंजन बंद करें; गाड़ी चलाते रहना इंजन को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है।

- इंजन तापमान लाइट: गाड़ी को किनारे लगाएँ और शीतलक स्तर जांचने से पहले इंजन को ठंडा होने दें।
- बैटरी या चार्जिंग लाइट: विद्युत प्रणाली में खराबी का संकेत है—गाड़ी सावधानी से चलाकर सुरक्षित स्थान पर रुकें और जांच करवाएँ।
- ब्रेक चेतावनी लाइट: अगर यह लाइट चलते समय दिखे, तो सुरक्षित रूप से रुकें और सहायता लें; ब्रेक फेल होने की संभावना है।

चेतावनी लाइटों की अनदेखी करने से छोटी समस्या बड़ी और महंगी बन सकती है।

तर्क: गाड़ी चलाने से पहले 30 सेकंड की जाँच और ड्राइविंग के दौरान नियमित स्कैन से सड़क किनारे खराबी या दुर्घटना को रोका जा सकता है। दोपहिया चालकों को आगे बढ़ने से पहले हेलमेट ठीक से बाँध लेना चाहिए, और कार चालकों को सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी यात्री सीट बेल्ट लगाए हों।

3.4 सड़क योग्यता और कानूनी कर्तव्य

भारतीय कानून चालकों से यह अपेक्षा करता है कि उनका वाहन सड़क पर चलने योग्य हो। ये नियम चालकों पर बोझ डालने के लिए नहीं, बल्कि सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैं। असुरक्षित वाहन चलाना न केवल खतरनाक है बल्कि कानूनन दंडनीय भी है। सड़क पर चलने योग्य होने का अर्थ है कि ब्रेक, टायर, लाइट और उत्सर्जन प्रणाली सही स्थिति में काम कर रही हों। प्रदूषण नियंत्रण (PUC) प्रमाणपत्र अनिवार्य हैं। इनके बिना वाहनों पर जुर्माना लग सकता है या उन्हें इस्तेमाल करने से रोका जा सकता है।

वाणिज्यिक वाहनों के पास वैध फिटनेस प्रमाणपत्र होना ज़रूरी है, जिससे यह साबित होता है कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। ये जाँचें जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की जाती हैं। खराब रखरखाव वाला वाहन सिर्फ़ निजी जोखिम नहीं है—यह सार्वजनिक सड़कों पर चलने वाले हर व्यक्ति के लिए खतरा है।

3.5 साथ ले जाने वाले दस्तावेज़

जब भी आप गाड़ी चलाएँ, तो कानूनी तौर पर कुछ दस्तावेज़ साथ रखना ज़रूरी है। इनमें शामिल हैं:

- वैध ड्राइविंग लाइसेंस।

- वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (RC)।
- वैध बीमा प्रमाणपत्र।
- प्रदूषण नियंत्रण (PUC) प्रमाणपत्र।

Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के अनुसार, इन दस्तावेजों को DigiLocker या mParivahan जैसे आधिकारिक ऐप्स में डिजिटल रूप में रखा जा सकता है। सुनिश्चित करें कि डिजिटल प्रतियाँ ऑफ़लाइन भी उपलब्ध हों, क्योंकि जाँच के समय नेटवर्क की समस्या आ सकती है। सही दस्तावेज साथ रखने से जाँच चौकियों पर देरी कम होती है और कानून का पालन आसान होता है।

3.6 रखरखाव की मूल बातें

नियमित रखरखाव वाहन को सुरक्षित, कुशल और लंबे समय तक चलने योग्य बनाए रखता है। रखरखाव को अपने वाहन की नियमित स्वास्थ्य जाँच की तरह समझें। इसमें शामिल हैं:

- निर्माता के अनुसार वाहन की नियमित सर्विसिंग कराएँ।
- इंजन ऑयल, कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड और विंडशील्ड वॉशर फ्लूइड की जाँच करें और आवश्यक हो तो भरें।
- टायरों में सही प्रेशर बनाए रखें और घिसने पर उन्हें बदलें।
- खराब लाइट या वाइपर तुरंत बदलें।
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सुनिश्चित करें कि बैटरी पर्याप्त रूप से चार्ज हो और निर्माता से सॉफ्टवेयर अपडेट या अलर्ट की जाँच करें। चार्जिंग पोर्ट और अन्य इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स का नियमित रखरखाव भी पारंपरिक वाहन रखरखाव जितना ही महत्वपूर्ण है।

रखरखाव की अनदेखी करने से सड़क पर अचानक खराबी आ सकती है, जिससे दुर्घटनाएँ या देरी हो सकती हैं। अच्छी तरह से रखरखाव किया गया वाहन कम ईंधन खर्च करता है, कम प्रदूषण फैलाता है और चालक व अन्य लोगों को मानसिक शांति देता है।

3.7 यह क्यों मायने रखता है

सुनहरा नियम: अच्छी तरह से रखरखाव किया गया वाहन ही वास्तव में सुरक्षित वाहन होता है। अगर आप अपने वाहन का ध्यान रखेंगे, तो आपका वाहन आपका और सड़क पर बाकी लोगों का ध्यान रखेगा।

अपने वाहन को जानना तकनीकी विशेषज्ञता नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी का विषय है—यह सुनिश्चित करने का तरीका कि आपका वाहन संचालन के लिए उपयुक्त है। जो चालक अपने वाहन को अच्छी तरह जानते हैं, वे आपात स्थिति में शांत रहते हैं, समस्याओं का अनुमान पहले लगा लेते हैं और दुर्घटनाओं से बचने के लिए बेहतर तैयार रहते हैं। कानून चालकों को उनके वाहनों की स्थिति के लिए ज़िम्मेदार ठहराकर इस सिद्धांत को मान्यता देता है। अपने वाहन को अच्छी तरह जानना, आपके लिए ड्राइविंग को सुरक्षित और दूसरों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने के सबसे आसान तरीकों में से एक है।

3.8 करें और न करें (Do's and Don'ts) – वाहन ज्ञान के लिए

इसे स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए एक छोटे चेकलिस्ट की तरह समझें।

करें

- सार्वजनिक सड़कों पर वाहन चलाने से पहले सभी बुनियादी नियंत्रणों को सीखें और नियमित रूप से अभ्यास करें।
- प्रत्येक यात्रा से पहले त्वरित सुरक्षा जांच करें।
- वाहन की नियमित सर्विसिंग करवाते रहें और उसे हमेशा सड़क पर चलने योग्य रखें।
- सभी आवश्यक दस्तावेज, चाहे भौतिक हों या डिजिटल, हमेशा साथ रखें।
- ब्रेकडाउन या दुर्घटनाओं से बचने के लिए मैकेनिक से सलाह लेकर डैशबोर्ड चेतावनी लाइट (जैसे Check Engine, Low Oil) पर तुरंत कार्रवाई करें।

न करें

- जिस वाहन से आप अपरिचित हैं, उसे बिना नियंत्रण समझे न चलाएँ।
- चेतावनी लाइट या असामान्य आवाज़ों को नज़रअंदाज़ न करें।
- रखरखाव की अनदेखी न करें—छोटे मुद्दे बड़ी खराबी में बदल सकते हैं।
- आवश्यक दस्तावेज़ों के बिना वाहन चलाना कानूनन दंडनीय है।

3.9 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- अपने वाहन पर नियंत्रण रखें—इसके बुनियादी नियंत्रण (जैसे, स्टीयरिंग, ब्रेक, संकेतक) और उपकरण अच्छी तरह समझें।
- गाड़ी चलाने से पहले टायर, ब्रेक, लाइट और दर्पण अवश्य जांचें।
- नियमित रखरखाव दुर्घटनाओं और वाहन की खराबी को रोकता है।
- अपने वाहन में हमेशा सभी दस्तावेज़ और आवश्यक सुरक्षा उपकरण रखें।
- एक ज़िम्मेदारचालक वाहन की देखभाल को सड़क सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा मानता है।

अध्याय 4: सड़क के नियम

4.1 सड़क संकेत

सड़क संकेत सड़क की भाषा हैं। ये चालकों को स्पष्ट और मानकीकृत रूप में निर्देश, चेतावनियाँ और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सड़क संकेतों का पालन सुरक्षा के लिए आवश्यक है – और ये संकेत कानून के समान ही प्रभावी हैं। सड़क संकेतों की अनदेखी करना गैरकानूनी और खतरनाक दोनों है।

तीन मुख्य श्रेणियाँ होती हैं। प्रत्येक का अपना रंग और आकार होता है, जिससे उन्हें एक नज़र में पहचानना आसान हो जाता है:

- अनिवार्य संकेत (Mandatory Signs – लाल बॉर्डर वाले गोलाकार): STOP, NO ENTRY, SPEED LIMIT, ONE WAY, NO U-TURN आदि। इनका बिना किसी अपवाद के पालन किया जाना चाहिए। Motor Vehicles Act के तहत उल्लंघन दंडनीय अपराध है।
- चेतावनी संकेत (Warning Signs – लाल बॉर्डर वाले त्रिकोणीय): Sharp Turn Ahead, School Ahead, Slippery Road, Cattle Crossing आदि। ये संभावित खतरों के प्रति सावधान करते हैं, जिनके लिए कम गति और अतिरिक्त सतर्कता आवश्यक होती है।
- सूचनात्मक संकेत (Informative Signs – आयताकार या वर्गाकार, सामान्यतः नीले): Petrol Pump, Parking, Hospital, Rest Area आदि। ये मार्गदर्शन और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान करते हैं।

महत्वपूर्ण: भारतीय सड़क संकेतों की पूरी सूची और उनके दृश्य उदाहरणों के लिए परिशिष्ट A देखें। वाहन चलाते समय संकेतों को पहचानने की आदत डालें – ये सुरक्षित नेविगेशन और Motor Vehicles Act के अनुपालन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

तर्क: सड़क संकेत यातायात को पूर्वानुमानित बनाते हैं। ये अलग-अलग राज्यों या देशों के चालकों को भी समान संदेश को तुरंत समझने में मदद करते हैं। इनका पालन करके चालक चालक भ्रम, झिझक और दुर्घटनाओं को कम करते हैं। संकेतों के प्रति अनुशासित व्यवहार यातायात प्रवाह को सुचारु बनाता है और अनावश्यक टकराव रोकता है।

अनुस्मारक: सड़क के संकेत और चिह्न सुझाव नहीं, बल्कि कानूनी आवश्यकताएँ हैं। इनका पालन करने से यातायात सुचारु और सुरक्षित रहता है, जबकि इनका उल्लंघन दंडनीय अपराध है।

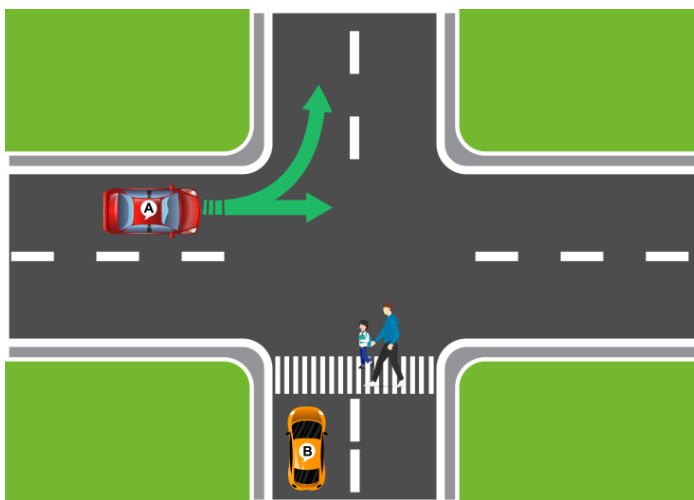
4.2 सड़क चिह्न

सड़क चिह्न सड़क की सतह पर चित्रित किए जाते हैं ताकि यातायात को नियंत्रित और निर्देशित किया जा सके। ये सड़क संकेतों का ही विस्तार हैं और व्यस्त सड़कों पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करते हैं। भाषा की तरह हैं – जो वाहन चालकों को यह बताते हैं कि उन्हें कहाँ जाना है और कब रुकना है।

सड़क चिह्नों के प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं:

- लेन लाइनें (Lane Lines): वाहनों को उनकी निर्धारित लेन में व्यवस्थित रखती हैं और खतरनाक तरीके से रास्ता बदलने से रोकती हैं।
- स्टॉप लाइनें (Stop Lines): सिग्नल या STOP साइन पर रुकने के स्थान का संकेत देती हैं, जिससे जंकशन स्पष्ट रहते हैं।
- ज़ेबरा क्रॉसिंग (Zebra Crossing): पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित पारगमन हेतु आरक्षित होती है, जो उनके मार्ग के अधिकार को दर्शाती है।
- ठोस रेखाएँ (Solid Lines): यह दर्शाती हैं कि कहाँ लेन बदलना या ओवरटेक करना निषिद्ध है, जैसे कि मोड़ या जंकशन के पास।
- टूटी हुई रेखाएँ (Broken Lines): सुरक्षित स्थिति में लेन बदलने या ओवरटेक करने की अनुमति देती हैं, लेकिन ऐसा करने से पहले हमेशा दर्पण और ब्लाइंड स्पॉट की जाँच करें।

- तीर और प्रतीक (Arrows & Symbols): मोड़ने, मिलाने (merging) या लेन-विशिष्ट दिशा-निर्देशों का मार्गदर्शन करते हैं।



चित्र 2: पैदल यात्री क्रॉसिंग का उदाहरण: पैदल यात्रियों को रास्ता पार करने का अधिकार है; कार 'B' को उनके पार करने हेतु रोका गया है।

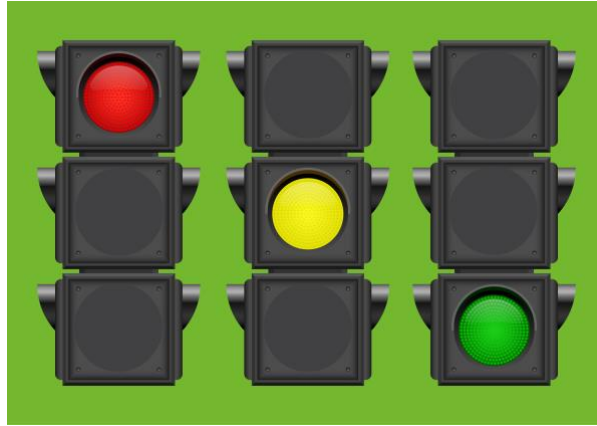
तर्क: सड़क चिह्न उपलब्ध स्थान को व्यवस्थित करते हैं, यातायात प्रवाह को सुव्यवस्थित रखते हैं और असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा करते हैं। ये अपेक्षित व्यवहार को स्पष्ट बनाकर निरंतर प्रवर्तन की आवश्यकता को कम करते हैं।

4.3 यातायात संकेत

ट्रैफिक सिग्नल चौराहों पर वाहन और पैदल यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रित करते हैं – ये सड़क नेटवर्क के सबसे ज़्यादा टकराव वाले बिंदु होते हैं। इनका मानक अर्थ निम्नलिखित है:

- लाल (Red): पूरी तरह से रुकें और प्रतीक्षा करें।
- पीला / एम्बर (Yellow / Amber): रुकने के लिए तैयार रहें; सिग्नल बदलने से पहले गति न बढ़ाएं।

- हरा (Green): जब रास्ता साफ़ हो तो सावधानी से आगे बढ़ें।



चित्र 3: ट्रैफिक लाइट का उदाहरण: ऊपर दिए गए मानक अर्थ दर्शाए गए हैं।

चमकते (flashing) सिग्नल आमतौर पर सावधानी या अस्थायी स्थिति का संकेत देते हैं। कुछ चौराहों पर, पुलिस अधिकारी हाथ से संकेत देकर सिग्नल को ओवरराइड कर सकते हैं।

ऑल-रेड चरण (All-Red Phase): कुछ जंक्शनों पर, एक संक्षिप्त 'All-Red' अवधि यह सुनिश्चित करती है कि अगली दिशा में ट्रैफिक चलने से पहले चौराहा पूरी तरह खाली हो जाए। इस चरण के दौरान कभी भी जंक्शन में प्रवेश न करें।

तर्क: ट्रैफिक सिग्नल व्यस्त चौराहों पर व्यवस्था बनाए रखते हैं, जिससे अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहन और पैदल यात्री बारी-बारी से सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सकते हैं। ये सिग्नल कई वाहनों द्वारा एक साथ सड़क पार करने की कोशिश से होने वाली अव्यवस्था को रोकते हैं और टकराव की संभावना को कम करते हैं।

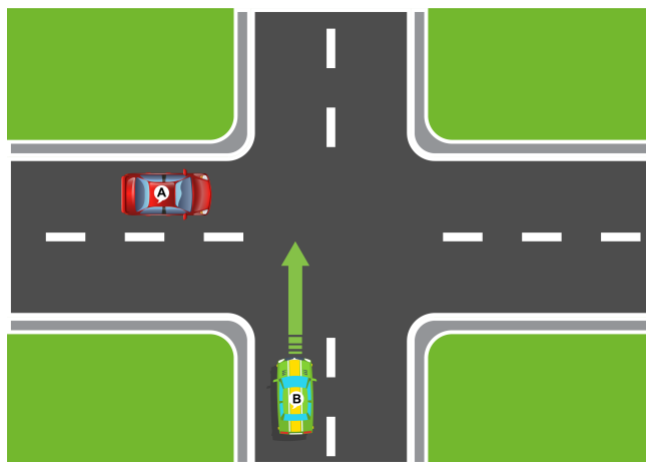
4.4 मार्ग का अधिकार

स्वर्णिम नियम: मार्ग का अधिकार शक्ति से नहीं, बल्कि पूर्वानुमान से संबंधित है। जब भी ज़रूरत हो, रास्ता दें ताकि सबको पता रहे कि क्या अपेक्षित है। रास्ता देना दूसरों के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है।

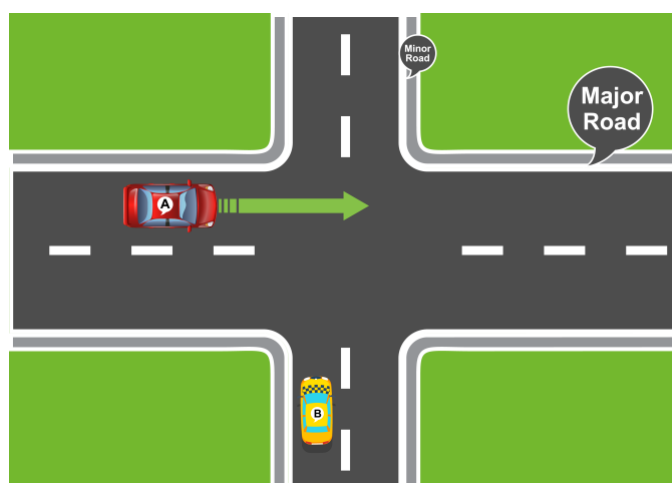
वाहन चलाने में 'मार्ग का अधिकार एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। इसके नियम स्पष्ट करते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पहले किसे आगे बढ़ने का अधिकार है। ये नियम शक्ति या विशेषाधिकार नहीं, बल्कि पूर्वानुमेयता और निष्पक्षता पर आधारित हैं। जब चालकों को प्राथमिकता का क्रम स्पष्ट होता है, तो झिझक और आक्रामकता दोनों कम हो जाती हैं।

उदाहरण:

- अनियंत्रित चौराहों पर (Uncontrolled Intersections): Central Motor Vehicles Rules (CMVR) के Rule 27 के अनुसार, दाईं ओर से आने वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जाती है।
- गोलचक्कर पर (Roundabout):: पहले से ही घेरे में मौजूद वाहनों को प्राथमिकता दी जाती है; प्रवेश करने वाले वाहनों को रास्ता देना चाहिए।
- पैदल यात्री क्रॉसिंग (Pedestrian Crossing): पैदल यात्रियों को रास्ता पार करने का पूर्ण अधिकार है; सुरक्षित क्रॉसिंग के लिए वाहन को पूरी तरह रोकें।
- आपातकालीन वाहन (Emergency Vehicles): सक्रिय सायरन और लाइट वाले एम्बुलेंस, अग्निशमन इंजन या पुलिस वाहनों को हमेशा तुरंत रास्ता दें; आवश्यकता पड़ने पर बाईं ओर रुकें।
- प्रमुख बनाम छोटी सड़कें (Major vs Minor Roads): प्रमुख सड़क पर चलने वाले वाहनों को छोटी सड़क से आने वालों पर प्राथमिकता दी जाती है।



चित्र 4: दो समान आकार की सड़कों का अनियंत्रित चौराहा – आपके दाईं ओर से आने वाले वाहनों को रास्ता देने का अधिकार है।



चित्र 5: एक प्रमुख और एक छोटी सड़क वाला अनियंत्रित चौराहा – प्रमुख सड़क पर चलने वाले वाहनों को मार्ग का अधिकार है। छोटी सड़क पर कार 'B' को प्रवेश करने से पहले रुककर प्रमुख सड़क पर **दोनों दिशाओं में** चल रहे सभी वाहनों को रास्ता देना चाहिए।



चित्र 6: पैदल यात्री क्रॉसिंग — पैदल यात्रियों को रास्ता पार करने का अधिकार है; कार 'B' रुकती है और पैदल यात्रियों को रास्ता देती है।

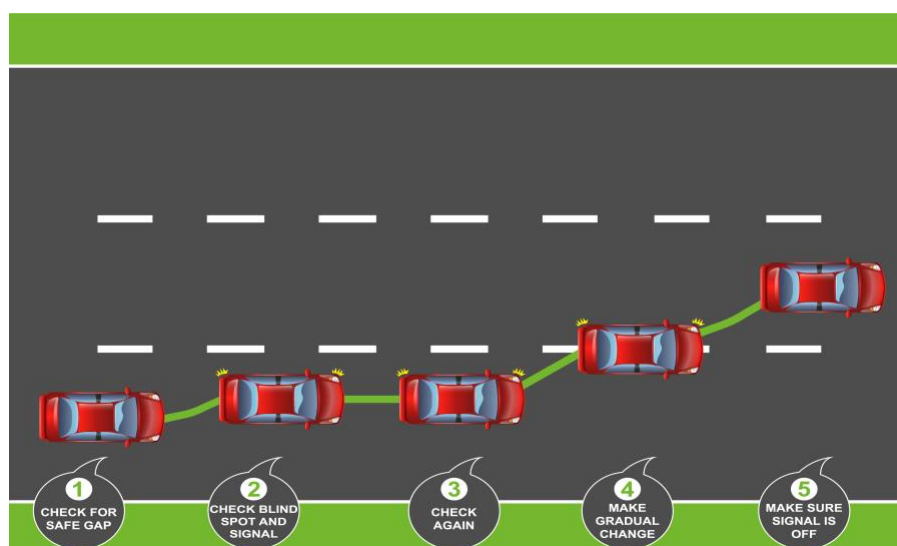


चित्र 7: गोलचक्कर (Roundabout) - गोलचक्कर पर पहले से मौजूद यातायात को मार्ग का अधिकार है। हरी लॉरी (बाएँ) पीली कार (गोलचक्कर पर) को रास्ता देने के लिए रुकती है।

तर्क: सड़क सुरक्षा के लिए पूर्वानुमान अत्यंत आवश्यक है। जब हर ड्राइवर अपेक्षित व्यवहार अपनाता है, तो टकराव कम होते हैं और यातायात सुचारु रहता है।

4.5 लेन अनुशासन (Lane Discipline)

भारत में 'बाएँ रहें' प्रणाली लागू होती है। चालकों को सड़क के बाईं ओर चलना चाहिए और ओवरटेक या दाएँ मुड़ने के लिए दाईं लेन खाली रखनी चाहिए। जब लेन चिह्नित हों, तो वाहन को उन्हीं के भीतर चलाना चाहिए। लेन बदलने का संकेत पहले से दें और बदलाव सुचारु रखें— बिना किसी वाहन को काटे। अच्छा लेन अनुशासन सभी के लिए ड्राइविंग को कम तनावपूर्ण और अधिक सुरक्षित बनाता है।



चित्र 8: लेन बदलने का सुरक्षित तरीका—दिए गए चरणों का पालन करें।

तर्क: लेन अनुशासन सुनिश्चित करता है कि यातायात सुचारु और पूर्वानुमेय रहे। इसके बिना, लेन बदलने वाले वाहन लगातार अप्रत्याशित स्थिति पैदा करते हैं, जिससे अचानक ब्रेक, नज़दीकी टक्कर और दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। लेन में रहना विनम्र भी है और सुरक्षित भी।

अनुस्मारक: ओवरटेक करते समय को छोड़कर, हमेशा बाईं ओर रहें। लेन के बीच बहककर चलने से बचें। लेन बदलने या मुड़ने से पहले संकेत देना कभी न भूलें। ओवरटेक हमेशा दाईं ओर से ही करें। जब तक आगे वाला वाहन दाईं ओर मुड़ने का संकेत न दे रहा हो और बीच की ओर न आ गया हो, तब तक बाईं ओर से ओवरटेक न करें।

4.6 गति और नियंत्रण

गति हमेशा सड़क की स्थिति के अनुसार ही निर्धारित की जानी चाहिए। निर्धारित गति सीमाएँ केवल अधिकतम स्वीकार्य सीमा होती हैं—हर स्थिति में लक्ष्य नहीं। स्कूलों, अस्पतालों, बाजारों, निर्माण क्षेत्रों के पास, या बारिश और कोहरे जैसी परिस्थितियों में चालकों को गति कम करनी चाहिए। सड़क पर दौड़ता हुआ कोई बच्चा आपको प्रतिक्रिया देने के लिए केवल कुछ सेकंड देता है—कम गति वही अतिरिक्त सेकंड प्रदान करती है। स्पीड कैमरे और स्वचालित चालान जैसे आधुनिक प्रवर्तन उपकरण गति नियंत्रण को एक व्यक्तिगत कर्तव्य और एक निगरानी वाली कानूनी आवश्यकता— दोनों बना देते हैं। ध्यान रखें कि राजमार्गों पर यातायात के प्रवाह से बहुत धीमी गति से चलना भी खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे अन्य चालक गति बदलने या आगे निकलने के लिए अचानक लेन बदलने को मजबूर हो सकते हैं।

तर्क: गति बढ़ने पर रुकने की दूरी तो बढ़ती है, लेकिन प्रतिक्रिया समय नहीं। 80 किमी/घंटा पर चल रही कार को रुकने के लिए 50 किमी/घंटा पर चल रही कार की तुलना में लगभग दोगुनी दूरी चाहिए होती है। गति नियंत्रित रखने से चालकों को प्रतिक्रिया के लिए अधिक समय मिलता है और दुर्घटनाओं से बचाव संभव होता है।

4.7 ओवरटेकिंग

ओवरटेकिंग तभी करनी चाहिए जब यह सुरक्षित, कानूनी हो और दूसरों को इसकी स्पष्ट जानकारी हो। दो लेन वाली सड़कों पर, ओवरटेकिंग को विपरीत लेन “उधार लेने” जैसा मानें — और इसे जल्दी व सुरक्षित रूप से वापस करें। सिग्नल देने के बाद हमेशा दाईं ओर से ही ओवरटेक करें। ओवरटेक करने से पहले दर्पण और ब्लाइंड स्पॉट जाँचें, और आने वाले यातायात से पर्याप्त दूरी सुनिश्चित करें।

कभी भी आगे न निकलें:

- मोड़ या घुमाव पर।
- पहाड़ी शिखरों के पास।
- चौराहों या पैदल यात्री क्रॉसिंग पर।
- रेलवे क्रॉसिंग पर।

तर्क: ऐसी जगह ओवरटेक नहीं करना चाहिए जहाँ आगे उतना दिख न पाए कि आप सुरक्षित रूप से ओवरटेक पूरा कर सकें और अपनी लेन में लौट सकें। ओवरटेक करने के लिए आपको विपरीत लेन में जाना पड़ता है, यानी सामने से आने वाले ट्रैफ़िक की दिशा में। दृश्यता सीमित

होने पर टक्कर का जोखिम बहुत बढ़ जाता है। ये नियम आमने-सामने की टक्करों को रोकने के लिए बनाए गए हैं।

4.8 रुकना और पार्किंग

(A) रुकना

रुकने से कभी भी बाधा या ख़तरा नहीं होना चाहिए। ड्राइवरों को इन स्थानों पर रुकने से बचना चाहिए:

- पैदल यात्री क्रॉसिंग पर।
- चौराहों पर।
- मोड़ों, पुलों या संकरी सड़कों पर।
- बस स्टॉप पर या निर्दिष्ट नो-पार्किंग क्षेत्रों में।
-

तर्क: लापरवाही से रोका हुआ वाहन दृश्यता कम कर देता है, दूसरों को खतरनाक चालें चलने पर मजबूर कर देता है और आपातकालीन पहुँच को भी अवरुद्ध कर सकता है। ज़िम्मेदारी से रुकने से सड़कें अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित रहती हैं।

(B) पार्किंग

पार्किंग से कभी भी बाधा, ख़तरा या असुविधा नहीं होनी चाहिए। सुरक्षित पार्किंग की अच्छी आदतों में शामिल हैं:

- यातायात को बाधित किए बिना, सड़क के बाएँ किनारे के जितना संभव हो सके उतना पास पार्क करें।
- गाड़ी पार्क करते समय हमेशा हैंडब्रेक लगाएँ और इंजन बंद कर दें।
- रात में, यदि वाहन आसानी से दिखाई न दे तो पार्किंग लाइट या रिफ्लेक्टिव वार्निंग का उपयोग करें।
- वाहन को डबल-पार्क न करें और न ही ऐसे स्थान पर छोड़ें जहाँ सड़क संकरी पड़ जाए।
- पार्किंग स्थल से निकलते समय शीशे जाँचें, सिग्नल दें और सुरक्षित तरीके से यातायात में वापस जुड़ें।

- नो-पार्किंग क्षेत्र में पार्क न करें।
- पार्किंग करते समय प्रवेश या निकास मार्ग अवरुद्ध न करें।

तर्क: अच्छी पार्किंग न केवल जुमने से बचाती है, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकती है, यातायात को सुचारु रखती है और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति सहानुभूति भी दिखाती है।

4.9 हॉर्न और लाइट का उपयोग

हॉर्न और लाइट सुरक्षा उपकरण हैं—हथियार या खिलौने नहीं। हॉर्न का इस्तेमाल केवल संभावित खतरे से आगाह करने के लिए होना चाहिए, न कि निराशा या अधीरता दिखाने के लिए। अस्पतालों, स्कूलों और अदालतों जैसे शांत क्षेत्रों में हॉर्न बजाना प्रतिबंधित है।

लाइटें दो काम करती हैं—देखना और दिखाई देना। हेडलाइट्स का सही इस्तेमाल रात में आपकी दृश्यता बढ़ाता है और यह सुनिश्चित करता है कि दूसरे ड्राइवर आपको साफ़ देख सकें। हाई बीम का इस्तेमाल सिर्फ़ खाली, कम रोशनी वाली सड़कों पर करें, और सामने से वाहन आते ही उसे तुरंत कम कर दें। खतरे की चेतावनी लाइटें सिर्फ़ उन स्थितियों में उपयोग करनी चाहिए जब आपका वाहन खुद दूसरों के लिए खतरा बने—जैसे ब्रेकडाउन, दुर्घटना, या किसी खतरनाक जगह पर अचानक रुकने पर। चलती ट्रैफ़िक में इनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, सिवाय बहुत सीमित परिस्थितियों के—जैसे आधिकारिक रूप से एस्कॉर्ट किए गए काफिले का हिस्सा होने पर।

तर्क: हॉर्न का दुरुपयोग ध्वनि प्रदूषण और तनाव बढ़ाता है, जबकि गलत तरह से इस्तेमाल की गई लाइटें दूसरों को अंधा कर सकती हैं और खतरा पैदा करती हैं। सही तरह से इस्तेमाल किए जाने पर, ये उपकरण दुर्घटनाओं को कम करते हैं और सड़क पर दूसरों को शिष्टाचार का संकेत देते हैं।

4.10 चालक के कर्तव्य

हर ड्राइवर का बुनियादी कर्तव्य है कि वह दूसरों को न तो खतरे में डाले और न ही असुविधा पहुँचाए। सख्त नियमों का पालन करने के अलावा, इसका अर्थ है नागरिक भावना, धैर्य और दयालुता दिखाना:

- प्रवाह बनाए रखने के लिए ज़रूरत पड़ने पर झुकें।

- पैदल चलने वालों के लिए रुकें, भले ही इसके लिए अतिरिक्त धैर्य की आवश्यकता हो।
- दूसरों को रोकने के बजाय उन्हें सुरक्षित रूप से विलय करने दें।
- आक्रामक व्यवहार या दूसरों की गलतियों के प्रति प्रतिशोध से बचें।

तर्क: सड़कें साझा जगहें हैं। शिष्टता और धैर्य ड्राइविंग को तनावपूर्ण प्रतिस्पर्धा से एक सहयोगात्मक गतिविधि में बदल देते हैं। शिष्टता कमज़ोरी नहीं है—यह वही ताकत है जो सड़क को सभी के लिए सुरक्षित बनाती है।

4.11 करें और न करें (Do's and Don'ts) – सड़क के नियमों के लिए

ये Do's and Don'ts सुरक्षित ड्राइविंग सिद्धांतों को दैनिक आदतों में बदल देते हैं।

करें

- सभी संकेतों, सिग्नलों और सड़क चिह्नों का पालन करें।
- बायीं ओर रहें और लेन का उचित उपयोग करें।
- पैदल चलने वालों और आपातकालीन वाहनों को रास्ता दें।
- परिस्थितियों के अनुसार गति समायोजित करें।
- देखने और दिखने के लिए रोशनी का सही उपयोग करें।
- हॉर्न का इस्तेमाल कम से कम करें—सिर्फ़ खतरे की चेतावनी के लिए, और अस्पतालों-स्कूलों के शांत क्षेत्रों में बिल्कुल न करें।

न करें

- मोड़ों, जंक्शनों या क्रॉसिंगों पर ओवरटेक न करें।
- निषिद्ध क्षेत्रों में पार्क न करें और न ही यातायात में बाधा डालें।
- सिग्नलों को नज़रअंदाज़ न करें और मार्ग-अधिकार नियमों की अनदेखी न करें।
- रात में हाई बीम का लापरवाही से प्रयोग न करें।
- जब वाहन आपातकालीन स्थिति में न हो तो हैज़र्ड लाइटों का दुरुपयोग न करें।
- सड़क पर आक्रामकता या अधीरता न दिखाएँ।

4.12 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- सड़क के नियम साझा स्थानों में व्यवस्था और सुरक्षा लाते हैं।
- हमेशा यातायात संकेतों, सिग्नलों और चिह्नों का पालन करें।
- आवश्यकता पड़ने पर रास्ता दें—पूर्वानुमेयता दुर्घटनाओं को रोकती है।
- सुरक्षित ओवरटेकिंग, लेन अनुशासन और गति सीमाओं का पालन करें।
- पार्किंग, लाइटों का उपयोग और सिग्नलिंग सुरक्षित सड़क साझाकरण का हिस्सा हैं।
- शिष्टाचार और धैर्य, नियमों को रोज़मर्रा की सुरक्षा प्रथाओं में बदल देते हैं।

अध्याय 5: सुरक्षित ड्राइविंग अभ्यास

5.1 सुरक्षित ड्राइविंग का परिचय

सुरक्षित ड्राइविंग का मतलब है आपके और आपके आसपास के सभी लोगों के लिए मन की शांति बनाना। सुरक्षित ड्राइविंग सिर्फ कानूनों का पालन करने या परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं है। यह सड़क पर चलने का एक दर्शन है। एक सुरक्षित ड्राइवर समझता है कि गाड़ी चलाते समय लिए गए हर फैसले के नतीजे न सिर्फ उसके लिए, बल्कि यात्रियों, पैदल चलने वालों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी होते हैं। सुरक्षित ड्राइविंग विश्वास का माहौल बनाती है—जहाँ यह माना जाता है कि अन्य लोग नियमों का पालन करेंगे, वाहन पूर्वानुमान के अनुसार चलेंगे, तथा खतरा न्यूनतम रहेगा।

भारत की सड़कें दुनिया की सबसे व्यस्त और विविध सड़कों में से हैं— जहाँ ट्रकों और बसों से लेकर दोपहिया वाहन, साइकिल, पशु-गाड़ियाँ और पैदल यात्री तक, हर तरह का यातायात चलता है। ऐसे माहौल में सुरक्षित ड्राइविंग के तरीके केवल वांछनीय नहीं, बल्कि बिल्कुल ज़रूरी हैं। जितने अधिक चालक सुरक्षित व्यवहार अपनाएँगे, दुर्घटनाएँ उतनी ही कम होंगी, ट्रैफिक उतना ही सुचारु चलेगा, और सड़क पर चलना सभी के लिए उतना ही सुखद बनेगा।

5.2 सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग (Defensive Driving)

सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग खतरों का पूर्वानुमान लगाने और सुरक्षित तरीके से प्रतिक्रिया देने की आदत है, ताकि एक भी गलती—आपकी या किसी और की—आपदा में न बदले।

सड़क साझा करने का सुनहरा नियम: ऐसे गाड़ी चलाएँ जैसे सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा आप पर निर्भर हो। अगर हर ड्राइवर धैर्य और शिष्टाचार दिखाए, तो **कई** दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। एक सुरक्षित-सोच वाला ड्राइवर हमेशा सतर्क, धैर्यवान और कभी हैरान नहीं होता।

सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है। सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग का अर्थ है अप्रत्याशित की अपेक्षा करना और किसी भी गलती—आपकी या किसी और की—से बचने के लिए तैयार रहना, ताकि दुर्घटना न हो। एक सच्चा सुरक्षित-सोच वाला चालक अपने

और दूसरों के चारों ओर सुरक्षा का एक घेरा बना लेता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि टक्कर होने से पहले कम से कम दो गलतियाँ तो होनी ही चाहिए।

दक्षिण अफ्रीकी K53 प्रणाली सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग को समझने का एक स्पष्ट तरीका प्रदान करती है, जो निम्न चक्र पर आधारित है:

खोज→पहचान करना→भविष्यवाणी करना→निर्णय लेना→निष्पादित करना

- खोज: आगे, पीछे और बगल में सड़क पर लगातार नज़र रखें। खतरों पर ध्यान दें, जैसे कि सड़क पार करने वाले पैदल यात्री, साइकिल चालक रास्ता बदल रहे हों, या अचानक ब्रेक लगाने वाली कार।
- पहचानें: पहचानें कि इनमें से कौन-सा खतरा आपको सबसे ज़्यादा प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए, चौराहे पर खड़ा ट्रक दृश्यता को अवरुद्ध कर रहा है।
- भविष्यवाणी: आगे की सोचें—अगले क्षण क्या हो सकता है? क्या फुटपाथ पर खड़ा बच्चा सड़क पर दौड़ सकता है? क्या दाहिनी लेन में चल रही कार अचानक से सड़क पार कर सकती है?
- निर्णय लें: पहले से ही सबसे सुरक्षित प्रतिक्रिया चुनें—धीमा करें, अपनी लेन में रहें, ब्रेक लगाने के लिए तैयार रहें, या लेन बदलने का संकेत दें।
- कार्यान्वित करें: अपने निर्णय को सुचारु रूप से और आत्मविश्वास से कार्यान्वित करें, अचानक या घबराहट में कोई कदम उठाने से बचें।

व्यावहारिक अनुस्मारकों में शामिल हैं:

- सामान्य परिस्थितियों में दो-सेकंड नियम अपनाएँ, और बारिश, कोहरे या खराब दृश्यता में इसे दोगुना करके सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- यह मानकर चलें कि अन्य सड़क उपयोगकर्ता गलतियाँ कर सकते हैं—पैदल यात्री अचानक सड़क पार कर सकते हैं, साइकिल चालक दिशा बदल सकते हैं, या चालक सिग्नल का उल्लंघन कर सकते हैं।
- यह कभी न मानें कि आपको देखा गया है; अपनी उपस्थिति स्पष्ट करने के लिए हॉर्न, लाइट और इंडिकेटर का विवेकपूर्ण उपयोग करें।
- हमेशा अपने लिए एक “बचने का रास्ता” रखें—यदि आगे का यातायात अचानक रुक जाए तो सुरक्षित रूप से आगे बढ़ने का स्पष्ट विकल्प।

उदाहरण: किसी व्यस्त भारतीय बाज़ार की सड़क पर, एक सुरक्षित-सोच वाला चालक फुटपाथ से उतरते पैदल यात्रियों पर नज़र रखता है, यातायात के बीच से गुजरते दोपहिया वाहनों का अनुमान लगा लेता है, और बिना चिन्हित स्पीड ब्रेकर के पास वाहन की गति धीमी कर देता है, ताकि यदि कोई बच्चा सड़क पर आ जाए तो वह तुरंत रुक सके।

तर्क: सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग का मतलब डर नहीं, बल्कि दूरदर्शिता है। खोज, पहचान, पूर्वानुमान, निर्णय और शांति से अमल करके, आप खुद को और दूसरों को दुर्घटनाओं से बचने का सबसे अच्छा अवसर देते हैं।

5.3 व्यक्तिगत दृष्टिकोण और निर्णय लेना

हर ड्राइवर सड़क पर अपना निजी नज़रिया लेकर चलता है—आत्मविश्वास, अधीरता, प्रतिस्पर्धा, या थकान—और ये उसी समय लिए गए निर्णयों को प्रभावित करते हैं। ड्राइविंग में, विमानन की तरह, अधिकांश गलतियाँ कौशल की कमी से नहीं बल्कि तनाव या जल्दबाज़ी में लिए गए गलत निर्णयों से होती हैं। अपनी प्रवृत्तियों को पहचानना ही उनके विरुद्ध पहला बचाव है।

- आवेगशीलता—बिना सोचे-समझे बहुत जल्दी निर्णय लेना, जैसे मोड़ पर अचानक आगे निकल जाना।
- इस्तीफा—ज़िम्मेदारी छोड़ देना (“मैं जो करता हूँ उसका कोई असर नहीं”) जिससे सतर्कता कम हो जाती है।
- अकड़—सोचना “मेरे साथ ऐसा नहीं होगा,” जिससे सावधानी कम हो जाती है।
- मर्दाना रवैया—सुरक्षा से ज़्यादा कौशल या प्रभुत्व साबित करने की कोशिश करना।

अच्छे ड्राइवर प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरते हैं, अपनी भावनात्मक स्थिति का ध्यान रखते हैं, और सोच-समझकर तथा शांति से निर्णय लेते हैं। अपने रवैये के प्रति जागरूक रहना ही सुरक्षित निर्णय लेने की नींव है।

तर्क: यह समझना कि भावनाएं निर्णय को कैसे प्रभावित करती हैं, अति आत्मविश्वास, क्रोध और जोखिम लेने से बचाने में मदद करता है।

5.4 सड़क साझा करना

भारत की सड़कें सार्वजनिक स्थान हैं जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार के वाहन और लोग करते हैं। कार, स्कूटर, ऑटो-रिक्शा, साइकिल, बैलगाड़ी, बसें, ट्रक और पैदल यात्री— सभी एक ही

सीमित स्थान का उपयोग करते हैं। पैदल यात्रियों से लेकर ट्रकों तक, हर सड़क उपयोगकर्ता को सुरक्षा का समान अधिकार है। सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं के लिए सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है— चाहे उनका आकार, गति या शक्ति कुछ भी हो।

याद रखने योग्य मुख्य बिंदु:

- पैदल यात्री: वे सबसे ज़्यादा असुरक्षित होते हैं। क्रॉसिंग पर हमेशा रुकें और स्कूलों, बाज़ारों या बस स्टॉप के पास अतिरिक्त सावधानी रखें।
- दोपहिया वाहन और साइकिलें कारों की तुलना में छोटी होती हैं और कम दिखाई देती हैं, विशेषकर रात में। उन्हें हमेशा अतिरिक्त स्थान दें— खासतौर पर मोड़ते या लेन बदलते समय— क्योंकि वे अक्सर कार के ब्लाइंड स्पॉट में आ जाते हैं, और हल्का-सा स्पर्श भी उनका संतुलन बिगाड़ सकता है।
- भारी वाहन: ट्रकों और बसों को रुकने के लिए लंबी दूरी चाहिए होती है और उनके ब्लाइंड स्पॉट भी बड़े होते हैं। उनके सामने अचानक कट न लगाएँ या उनके साथ देर तक समानांतर न चलें।
- जानवरों द्वारा खींचे जाने वाले या धीमी गति वाले वाहन: ये असुविधाजनक लग सकते हैं, लेकिन सड़क पर उनका भी उतना ही अधिकार है जितना आपका। धैर्य रखें और सुरक्षित रूप से ओवरटेक करें।
- आवारा जानवर: मवेशी, कुत्ते या अन्य जानवर अचानक सड़क पार कर सकते हैं, खासकर ग्रामीण इलाकों या बाज़ारों के पास। गाड़ी धीमी करें और उन्हें बिना चौंकाए सचेत करने के लिए हल्के से हॉर्न बजाएँ।

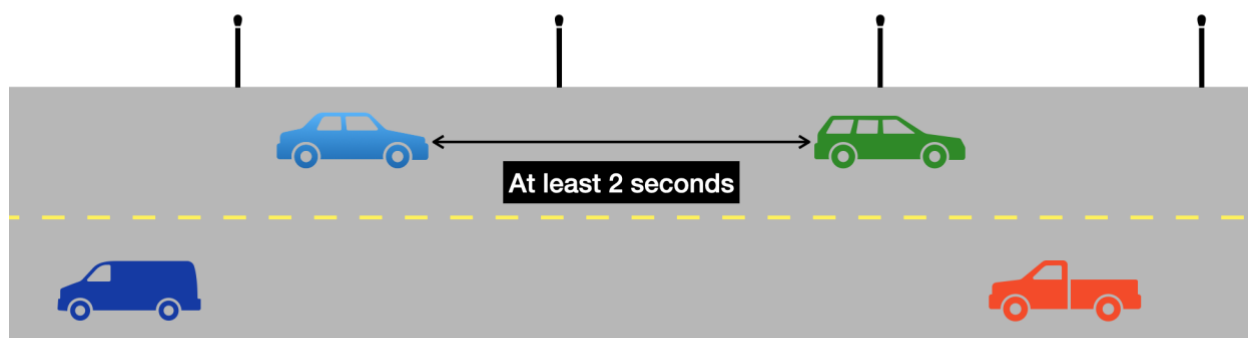
तर्क: सड़कें साझा संसाधन हैं। कमज़ोर उपयोगकर्ताओं के साथ शिष्टाचार और देखभाल से व्यवहार करने से त्रासदियों से बचा जा सकता है और आपसी सम्मान की संस्कृति बनती है।

5.5 सुरक्षित दूरी बनाए रखना

आगे चल रहे वाहन से दूरी बनाए रखना सबसे आसान और सबसे प्रभावी सुरक्षा आदतों में से एक है। दूरी आपको समय देती है, और समय आपको विकल्प देता है। याद रखें, ज़रूरी जगह सिर्फ ब्रेक लगाने की दूरी से ज़्यादा होती है; यह कुल रुकने की दूरी (प्रतिक्रिया समय + ब्रेक लगाने की दूरी) होती है। दो सेकंड का नियम दोनों पर लागू होता है। पर्याप्त जगह के बिना, अगर आगे वाला वाहन अचानक रुक जाए, तो सबसे अच्छा ड्राइवर भी दुर्घटना से बच नहीं सकता।

एक अच्छा नियम है दो सेकंड का नियम:

- सड़क पर कोई चिन्ह चुनें—जैसे पेड़, साइन बोर्ड या लैंप पोस्ट।
- जब आगे वाला वाहन उस चिन्ह को पार करे, तो गिनती शुरू करें: “एक हजार एक, एक हजार दो।”
- यदि आप गिनती पूरी करने से पहले मार्कर तक पहुँच जाएँ, तो आप बहुत करीब हैं—धीरे हों और अधिक स्थान बनाएँ।



चित्र 9: दो सेकंड का नियम: दो या अधिक सेकंड पीछे चलें।

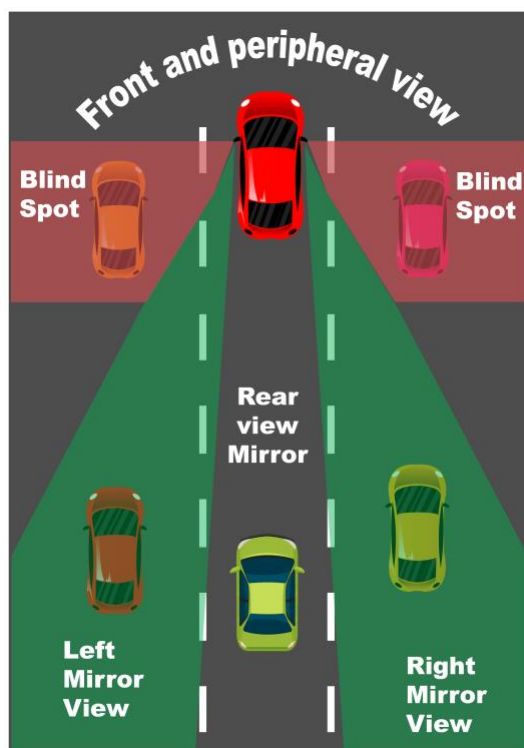
खराब परिस्थितियों (जैसे, बारिश, कोहरा, या उबड़-खाबड़ सड़कें) में दो सेकंड के नियम को बढ़ाकर तीन या चार सेकंड कर दें। ट्रकों या बसों जैसे भारी वाहनों के लिए चार सेकंड या उससे ज़्यादा का नियम अपनाएँ, क्योंकि वज़न और गति के कारण उनकी रुकने की दूरी काफ़ी ज़्यादा होती है।

याद रखें: टेलगेटिंग (किसी दूसरी गाड़ी के बहुत करीब से चलना) खतरनाक है, और इससे किसी को प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलता। सुरक्षित दूरी ज़्यादा लग सकती है, लेकिन असल में यह आपकी, आपके यात्रियों और आगे चल रहे लोगों की सुरक्षा के लिए ज़रूरी है। अगर कोई आपके बहुत करीब से चल रहा है, तो अपनी दूरी बढ़ा दें। अपने और आगे वाले वाहन के बीच पर्याप्त जगह रखें ताकि आप और पीछे वाला दोनों सुरक्षित रूप से रुक सकें। आप धीरे से गति कम कर सकते हैं और पीछे वाले को आपसे आगे निकलने दे सकते हैं।

तर्क: दूरी को अपने लिए समय खरीदने के रूप में सोचें—यह आपका सबसे मूल्यवान सुरक्षा उपकरण है।

5.6 दर्पण और संकेतों का उपयोग

दर्पण और संकेतक चालक के लिए संचार की भाषा हैं। सुरक्षित ड्राइविंग के लिए न केवल अपने वाहन पर नियंत्रण रखना ज़रूरी है, बल्कि दूसरों को अपने इरादे स्पष्ट रूप से बताना भी ज़रूरी है। दर्पणों का सही इस्तेमाल करने का मतलब है उन्हें नियमित रूप से जाँचना— सिर्फ़ लेन बदलते समय ही नहीं। मोड़ते, लेन में मिलते या ओवरटेक करते समय हमेशा संकेतक का उपयोग करें, और दूसरों को प्रतिक्रिया का समय देने के लिए संकेतक पहले से चालू करें। ब्लाइंड स्पॉट (चित्र 10) वह क्षेत्र है जो चालक को दिखाई नहीं देता। लेन बदलने से पहले इस क्षेत्र को खाली सुनिश्चित करने के लिए सिर की एक त्वरित जाँच (कंधे की जाँच) अनिवार्य है। यह क्रम नियमित अभ्यास बन जाना चाहिए: दर्पण जाँचें→ब्लाइंड स्पॉट जाँचें→संकेत दें→मूव करें→सिग्नल रद्द करें।



चित्र 10: वाहन के ब्लाइंड स्पॉट — चालक इस हिस्से में नहीं देख सकता; अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

तर्क: पूर्वानुमान सुरक्षित ड्राइविंग का आधार है। अगर दूसरों को पता हो कि आप क्या करने वाले हैं, तो वे अपने कार्यों उसी अनुसार बदल सकते हैं। बिना संवाद के, हर चाल एक आश्चर्य बन जाती है, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

5.7 विभिन्न परिस्थितियों में ड्राइविंग

भारत की सड़कें मौसम, समय और स्थान के साथ बदलती रहती हैं—सुरक्षित ड्राइवर अपनी आदतों को उसी के अनुसार ढाल लेते हैं। धूप वाले, सूखे हाईवे पर जो तरीका कारगर है, वही भारी बारिश में, रात में या खड़ी पहाड़ी पर जोखिम भरा हो सकता है।

- बारिश: सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं, खासकर पहली बारिश में जब तेल और धूल पानी में मिल जाते हैं। धीमी गति रखें, आगे वाले वाहन से ज़्यादा दूरी बनाए रखें और हेडलाइट्स जलाकर चलें ताकि आप साफ़ दिखाई दें। अचानक ब्रेक लगाने या तीखे मोड़ लेने से बचें।
- कोहरा: दृश्यता अचानक बहुत कम हो सकती है। फ़ॉग लाइट या लो-बीम हेडलाइट का उपयोग करें (कभी भी हाई बीम न चलाएँ, इससे रोशनी वापस आपकी ओर परावर्तित होती है)॥ गाड़ी धीरे चलाएँ और सुरक्षा दूरी बढ़ा दें। हैज़र्ड लाइट तभी जलाएँ जब आप रुके हों।
- रात: अँधेरे से दृश्यता और दूरी का अनुमान कमज़ोर हो जाता है। धीमी गति, साफ़ विंडशील्ड और सही कोण पर लगी हेडलाइट्स से ड्राइविंग सुरक्षित रहती है। पैदल चलने वालों, जानवरों और बिना रोशनी वाले वाहनों पर अतिरिक्त ध्यान दें।
- पहाड़ियाँ और मोड़: चढ़ाई और उतराई दोनों में गति नियंत्रित रखें। ऊपर से आने वाले वाहनों को हमेशा रास्ता दें। अंधे मोड़ों पर हल्का हॉर्न बजाकर सामने वाले को संकेत दें।
- ग्रामीण सड़कें: पैदल चलने वालों, जानवरों, ट्रैक्टरों और साइकिल सवारों के सड़क पर आने की संभावना रहती है। धैर्य रखें और अचानक कोई कदम उठाने से बचें।
- बिना चिन्हित या कम रोशनी वाली सड़कें: ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आम हैं। इन सड़कों पर धीमी गति से चलना और पैदल यात्रियों, जानवरों या अचानक आने वाली बाधाओं पर नज़र रखना ज़रूरी है। अंधे मोड़ों पर लो-बीम हेडलाइट का उपयोग करें और हल्के से हॉर्न बजाएँ।
- शहरी भीड़भाड़: अचानक रुकने, खड़े वाहनों और पैदल यात्रियों के सड़क पार करने का अनुमान लगाकर चलें। शिष्टता और धैर्य रखते हुए ट्रैफ़िक जाम लगने से बचाया जा सकता है।

तर्क: सड़क की स्थिति आपके नियंत्रण में नहीं होती—लेकिन आप उनसे कैसे तालमेल बैठाते हैं, यह पूरी तरह आपके हाथ में है। सुरक्षित ड्राइवर हर परिस्थिति को अधिक सावधान रहने का कारण मानते हैं, न कि आक्रामक होने का।

5.8 विकर्षणों का प्रबंधन

आधुनिक वाहन ध्यान भटकाने वाली कई चीज़ों से भरे होते हैं: फ़ोन, म्यूज़िक सिस्टम, GPS स्क्रीन। ड्राइवरों को सड़क पर ध्यान बनाए रखने के लिए खुद को अनुशासित करना चाहिए। मुख्य अभ्यास इस प्रकार हैं:

- कभी भी बिना हैंड्स-फ्री के मोबाइल फोन का उपयोग न करें, और हैंड्स-फ्री हो तब भी केवल संक्षिप्त, आवश्यक कॉल ही करें।
- चलना शुरू करने से पहले संगीत, क्लाइमेट कंट्रोल और नेविगेशन सेट कर लें।
- गाड़ी चलाते समय खाना खाने या धूम्रपान करने से बचें।
- थके होने पर आराम करें—थकान प्रतिक्रिया समय को उतना ही धीमा कर देती है जितना कि शराब।

ड्राइवर का ध्यान उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा है—लेकिन इसे खोना सबसे आसान है। एक पल का ध्यान भटकना भी सुरक्षित यात्रा को दुर्घटना में बदल सकता है। गलत समय पर नज़रें फेर लेने का मतलब है कि आप अपनी गाड़ी पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं।

सामान्य विकर्षणों में शामिल हैं:

- मोबाइल फ़ोन: बात करने, टेक्स्ट करने या ऐप्स देखने से नज़रें सड़क से हटती हैं और ड्राइविंग से ध्यान हट जाता है। यहाँ तक कि हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल भी एकाग्रता कम कर देता है।
- यात्री: बातचीत, बच्चे या बहस आपका ध्यान सड़क से हटा सकते हैं।
- मनोरंजन प्रणालियाँ: गाड़ी चलाते समय संगीत या स्क्रीन को समायोजित करने से ध्यान बँट जाता है।
- खाना या पीना: ये साधारण क्रियाएँ हाथों और आँखों दोनों को काम से दूर कर सकती हैं।

इसका समाधान आसान है: गाड़ी चलाते रहो और बस अपना ध्यान सड़क पर रखो। अगर कोई ज़रूरी काम आ जाए, तो उसे करने से पहले सुरक्षित स्थान पर गाड़ी रोक लो। Motor Vehicles

Act, 1988 की धारा 184 के तहत गाड़ी चलाते समय मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है, और पहली बार ऐसा करने पर भी भारी जुर्माना लग सकता है। जुर्माने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए कनेक्टिविटी से ज़्यादा सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

आधुनिक जीवन में फोन और लगातार संपर्क आकर्षक लगते हैं, लेकिन आपकी स्क्रीन पर दिखने वाली चीज़ से ज़्यादा महत्वपूर्ण आगे की राह है।

तर्क: आपका फ़ोन इंतज़ार कर सकता है—ज़िंदगी नहीं। एक भटका हुआ ड्राइवर अंधा होकर चलता है, भले ही उसकी आँखें खुली हों। ध्यान आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

5.9 गति प्रबंधन

सुरक्षित गति हमेशा अधिकतम निर्धारित गति के बराबर नहीं होती। अच्छे ड्राइवर कानून, परिस्थितियों और अपनी सुविधा के अनुसार अपनी गति बदलते रहते हैं। बहुत तेज़ चलने से नियंत्रण कम हो जाता है; और तेज़ ट्रैफ़िक में बहुत धीमी गति से चलना भी दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

तर्क: आपको हमेशा अपनी दृष्टि की सीमा के भीतर ही रुक सकने योग्य गति से चलना चाहिए। यह सिद्धांत राजमार्गों, शहर की सड़कों और ग्रामीण इलाकों में समान रूप से लागू होता है। गति को कभी भी प्रतिस्पर्धा नहीं समझना चाहिए।

5.10 शिष्टाचार और नागरिक भावना

सड़क पर शिष्टाचार कमज़ोरी नहीं, बल्कि ताकत एक है। नागरिक भावना अव्यवस्थित यातायात को सहयोगात्मक प्रवाह में बदल देती है। उदाहरण इस प्रकार हैं:

- दूसरों को सुचारु रूप से मर्ज करने की अनुमति देना।
- हॉर्न का उपयोग एक सौम्य संकेत की तरह करना, न कि हथियार की तरह।
- रात में हाई-बीम के अनावश्यक उपयोग से बचना।
 - एम्बुलेंस या दमकल गाड़ियों को तुरंत रास्ता देना।
 - आक्रामक हाव-भाव या प्रतिशोध से बचना।

तर्क: जब ड्राइवर धैर्य और दयालुता दिखाते हैं, तो सभी का तनाव कम हो जाता है। सहयोग, सिर्फ़ नियम लागू करने की तुलना में सुरक्षा को ज़्यादा प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करता है। शिष्टाचार में कोई खर्च नहीं होता, लेकिन यह जान बचाता है।

5.11 करें और न करें (Do's and Don'ts) – सुरक्षित ड्राइविंग के लिए

इसे स्वयं को और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखने के लिए एक छोटे चेकलिस्ट की तरह समझें।

करें

- मौसम और यातायात के अनुसार हर समय सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- अपने ड्राइव को बताने के लिए नियमित रूप से दर्पण और संकेतक का उपयोग करें।
- गति या दिशा बदलने से पहले: दर्पण देखें → ब्लाइंड स्पॉट जाँचें → संकेत दें → सिग्नल बदलें और ज़रूरत पड़ने पर रद्द करें।
- सड़क और मौसम की स्थिति के अनुसार अपनी गति समायोजित करें।
- पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों जैसे कमज़ोर उपयोगकर्ताओं के प्रति विनम्र रहें।
- सक्रिय सायरन या लाइट वाले आपातकालीन वाहनों के लिए तुरंत बाईं ओर गाड़ी रोक दें।
- लंबी यात्राओं पर थकान से बचने के लिए ब्रेक लेते रहें।

न करें

- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन या स्क्रीन का प्रयोग न करें।
- धीमे वाहनों को टेलगेट न करें या उन पर दबाव न बनाएं।
- आक्रामक या प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से वाहन न चलाएं।
- हॉर्न, हेडलाइट या हैज़र्ड लाइट का दुरुपयोग न करें।
- थकान या बीमारी के लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें।

5.12 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- सुरक्षित ड्राइविंग एक सोच भी है और एक कौशल भी।
- रक्षात्मक ड्राइविंग का मतलब है गलतियों की उम्मीद करना और उनके लिए तैयार रहना।

- सड़कें साझा हैं—पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और भारी वाहनों, सभी को सम्मान की ज़रूरत होती है।
- अपनी ड्राइविंग को दूरी, दर्पण, सिग्नल, परिस्थितियों और विकर्षणों के अनुसार समायोजित करें।
- शिष्टाचार और नागरिक भावना अराजकता को सहयोग में बदल देते हैं।

अध्याय 6: दोपहिया वाहन और असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता

6.1 परिचय

दोपहिया वाहन—मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड—भारत की सड़कों पर सबसे आम वाहनों में से हैं। ये किफ़ायती, सुविधाजनक और बड़े वाहनों की तुलना में ट्रैफ़िक में ज़्यादा आसानी से चलाए जा सकते हैं। लेकिन इनकी लोकप्रियता के साथ जोखिम भी जुड़े होते हैं। दोपहिया वाहन चालक, कार या ट्रक चालकों की तुलना में टक्करों के प्रति ज़्यादा असुरक्षित होते हैं, क्योंकि उन्हें एक बंद वाहन जैसी भौतिक सुरक्षा नहीं मिलती। यह अध्याय दोपहिया वाहनों के साथ-साथ अन्य असुरक्षित उपयोगकर्ताओं—पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और विकलांग व्यक्तियों—पर केंद्रित है, जिन पर चालकों को विशेष ध्यान देना चाहिए। हर चालक कभी न कभी पैदल यात्री, साइकिल चालक या स्कूटर चालक होता है—इसलिए उनकी सुरक्षा का मतलब अपनी ही सुरक्षा है।

6.2 दोपहिया वाहनों के लिए जोखिम

दोपहिया वाहन तेज़, लचीले और ईंधन-कुशल होते हैं, लेकिन सड़क पर सबसे ज़्यादा खुले वाहन भी यही होते हैं। कार बॉडी की सुरक्षा के बिना, एक छोटी सी गलती या टक्कर भी गंभीर चोट का कारण बन सकती है।

दोपहिया वाहन चालकों के सामने आने वाले मुख्य जोखिम इस प्रकार हैं:

- **अस्थिरता:** दो पहिये चार पहियों की तुलना में कम संतुलन देते हैं। अचानक ब्रेक लगाने, उबड़-खाबड़ सड़कों या फिसलन भरी सतहों पर गिरने का खतरा आसानी से बढ़ सकता है।
- **दृश्यता:** मोटरसाइकिल और स्कूटर छोटे होते हैं और दूसरों के लिए उन्हें देखना मुश्किल होता है, खासकर रात में या अंधेरे स्थानों पर। कई दुर्घटनाएँ सिर्फ़ इसलिए होती हैं क्योंकि दूसरे चालक ने दोपहिया वाहन पर "ध्यान नहीं दिया"।
- **टक्करों में अधिक खतरा:** दुर्घटना में सवार सीधा प्रभाव झेलते हैं क्योंकि उनके पास कार जैसी बाहरी सुरक्षा नहीं होती। हेलमेट और सुरक्षात्मक उपकरण चोट को कम तो करते हैं, लेकिन जोखिम को पूरी तरह से समाप्त नहीं कर सकते।
- **मिश्रित यातायात:** भारत में, दोपहिया वाहन ट्रकों, बसों, कारों, पैदल यात्रियों और जानवरों के साथ सड़क साझा करते हैं। बड़े वाहन वायु के झोकें, अंधेरे स्थान और अचानक आने वाली

बाधाएँ पैदा करते हैं, जिनका सवारों को पहले से अनुमान लगाना और उसके अनुसार दूरी रखनी चाहिए।

तर्क: इन जोखिमों को पहचानना ही उन्हें कम करने की दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। एक सावधान सवार इन वास्तविकताओं को स्वीकार करता है और अतिरिक्त सावधानी, सतर्कता और धैर्य के साथ इनका सामना करता है।

6.3 हेलमेट और सुरक्षात्मक गियर

सुनहरा नियम: हेलमेट कोई सहायक वस्तु नहीं है, **बल्कि जीवन बचाने वाला** साधन है। इसे सही तरीके से पहनना जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय कर सकता है। हेलमेट आपके सिर के लिए सीट बेल्ट की तरह है—इसके बिना कभी भी गाड़ी न चलाएँ।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट सुरक्षा उपकरणों में सबसे महत्वपूर्ण होता है। भारत में मोटरसाइकिल और स्कूटर दुर्घटनाओं में सिर की चोटें मौत का सबसे बड़ा कारण हैं। एक मज़बूत और अच्छी तरह से फिट किया गया हेलमेट मामूली दुर्घटना और जानलेवा दुर्घटना के बीच का अंतर तय कर सकता है।

हेलमेट चुनते और उपयोग करते समय:

- सुनिश्चित करें कि हेलमेट ISI प्रमाणित हो और ठीक से फिट बैठे।
- हमेशा ठोड़ी पर पट्टा बांधें - बिना पट्टा वाला हेलमेट लगभग कोई सुरक्षा नहीं देता।
- किसी भी बड़े प्रभाव के बाद हेलमेट बदल दें, भले ही कोई क्षति दिखाई न दे।
- पीछे बैठने वाले यात्रियों को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित करें— सुरक्षा सभी के लिए है। नोट: Motor Vehicles Act, 1988 की धारा 129 (जैसा कि 2019 में संशोधित किया गया है) के अनुसार, वाहन चालक और पीछे बैठे यात्री दोनों के लिए ISI प्रमाणित हेलमेट पहनना अनिवार्य है। उल्लंघन करने पर आर्थिक जुर्माना और/या तीन महीने के लिए लाइसेंस निलंबन का प्रावधान है।

जैकेट, दस्ताने, जूते और रिफ्लेक्टिव कपड़े जैसे सुरक्षात्मक उपकरण अतिरिक्त सुरक्षा देते हैं। ये गिरने पर कटने, जलने और फ्रैक्चर से बचाते हैं, और रिफ्लेक्टिव पट्टियाँ रात में सवारों को अधिक दिखाई देती हैं।

6.4 सुरक्षित यात्रा पद्धतियाँ

सुरक्षित यात्रा का मतलब है पूर्वानुमानित रहना, दिखाई देना और सतर्क रहना। जब सड़क पर चलने वाले दूसरे लोग आपकी कारवाइयों का भरोसे के साथ अनुमान लगा सकें, तो दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है। कार चालकों को दोपहिया वाहन को ओवरटेक करते समय पर्याप्त दूरी बनाए रखनी चाहिए, और हवा के झोंके या अचानक ब्रेक लगने से होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए, एक स्पष्ट और बड़ा अंतर (यदि सड़क की चौड़ाई अनुमति दे तो कम से कम 1.5 मीटर) छोड़ना चाहिए।

प्रमुख कार्यप्रणालियों में शामिल हैं:

- अपनी सीमा में ही गाड़ी चलाएँ: अपने कौशल स्तर को समझें और उससे ज़्यादा जोखिम न उठाएँ। तेज़ गति से या टेढ़ा-मेढ़ा चलना रोमांचकारी लग सकता है, लेकिन इससे नियंत्रण कमज़ोर हो जाता है।
- संकेतक और दर्पण का प्रयोग करें: मोड़ने या लेन बदलने से पहले अपने इरादे स्पष्ट रूप से बताएँ, और यह जानने के लिए कि पीछे क्या है, हमेशा दर्पण देखें।
- दिखाई देते रहें: बड़े वाहनों के अंधे स्थानों से बचें। कम रोशनी में हेडलाइट्स का इस्तेमाल करें और रात में रिफ्लेक्टिव कपड़े पहनें।
- संकेतों और चिह्नों का पालन करें: लाल बत्ती पर रुकना, चौराहों पर रास्ता देना और लेन चिह्नों का सम्मान करना यातायात को सुचारु रखने में सहायक होता है।
- खतरों का पूर्वानुमान करें: गड्ढों, रेत, आवारा पशुओं और पैदल यात्रियों से सावधान रहें— ये सभी भारतीय सड़कों पर आम हैं।
- अपने दोपहिया वाहन का रखरखाव करें: सड़क पर चलने की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए ब्रेक, टायर, लाइट और चेन की नियमित जांच करें, जैसा कि **Motor Vehicles Act, 1988** में आवश्यक है।
- दोनों हाथ हैंडलबार पर रखें: संतुलन और नियंत्रण इसी पर निर्भर करते हैं। गाड़ी चलाते समय अपने हाथों में कोई सामान न उठाएँ।

तर्क: सुरक्षित तरीके से वाहन चलाना केवल आत्म-सुरक्षा नहीं है— यह सड़क पर चलने वाले अन्य सभी लोगों के प्रति सम्मान दिखाने का भी तरीका है।

6.5 शराब, ड्रग्स और थकान

शराब या नशीली दवाओं के नशे में धुत दोपहिया वाहन चालकों को कार चालकों से भी ज़्यादा ख़तरा होता है। नशे में संतुलन, प्रतिक्रिया समय और निर्णय लेने की क्षमता कमज़ोर हो जाती है, जिससे नियंत्रण खोने की संभावना बढ़ जाती है। थके हुए या नींद में वाहन चलाना भी उतना ही ख़तरनाक है, क्योंकि थकान से सतर्कता कम हो जाती है। दो पहियों पर गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती—शांत और पूरी तरह संयमित रहना ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

Motor Vehicles Act की धारा 185 के तहत नशे में गाड़ी चलाना गैरकानूनी है, और पहली बार ऐसा करने पर भारी जुर्माना और/या छह महीने तक की कैद हो सकती है। थकान से जुड़ी दुर्घटनाओं में भी लापरवाही बरतने पर ऐसे ही परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

तर्क: दोपहिया वाहन पर एक छोटी सी चूक भी जानलेवा हो सकती है। शांत, सतर्क और संयमित रहना जीवन रक्षक है।

6.6 असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता: पैदल यात्री

पैदल यात्री सड़क पर चलने वाले सभी लोगों में सबसे कमज़ोर और सबसे ज़्यादा असुरक्षित होते हैं। कई पैदल यात्रियों के पास कोई सुरक्षात्मक उपकरण नहीं होते, और कुछ बच्चे या बुजुर्ग भी हो सकते हैं जो धीरे-धीरे चलते हैं। ड्राइवरों को ये करना चाहिए:

- पैदल यात्री क्रॉसिंग पर हमेशा रुकें।
- चौराहे पर रुकते समय, पैदल यात्रियों के लिए ज़ेबरा क्रॉसिंग को खाली रखने के लिए सफेद स्टॉप लाइन के पीछे रुकें।
- आवासीय क्षेत्रों, बाज़ारों और स्कूलों के पास गति धीमी रखें।
- उन बुजुर्ग या विकलांग पैदल यात्रियों के साथ धैर्य रखें जिन्हें अधिक समय की आवश्यकता होती है।
- फुटपाथ पर पार्किंग करने से बचें, क्योंकि इससे पैदल यात्रियों को सड़क पर उतरना पड़ता है।
- यदि सुरक्षित हो तो घायल पैदल यात्रियों की सहायता करें, क्योंकि गुड समैरिटन कानून दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वालों को कानूनी या वित्तीय दायित्व से बचाता है।

तर्क: हर ड्राइवर कभी न कभी एक कमज़ोर और असुरक्षित पैदल यात्री होता है। पैदल यात्रियों की सुरक्षा करना एक कानूनी और नैतिक ज़िम्मेदारी है।

6.7 साइकिल चालक

साइकिल चालक ग्रामीण और शहरी दोनों सड़कों पर आम होते हैं। अन्य दोपहिया वाहनों की तरह, इन्हें देखना मुश्किल होता है और ये बेहद असुरक्षित होते हैं। कई बार इनके पास हेलमेट या रिफ्लेक्टिव गियर नहीं होता। चालकों को ये करना चाहिए:

- साइकिल चालकों से आगे निकलते समय अतिरिक्त जगह छोड़ें।
- उनके पास आक्रामक तरीके से हॉर्न बजाने से बचें।
- कार के दरवाजे खोलने से पहले साइकिल चालकों के लिए दर्पण ज़रूर देखें।
- ध्यान रखें कि साइकिल पर सवार बच्चे कई बार अप्रत्याशित हो सकते हैं।
- कार के दरवाज़े खोलने से पहले शीशे और कंधे ज़रूर देखें। दरवाज़ा हमेशा हैंडल से सबसे दूर वाले हाथ ("डच रीच") से खोलें ताकि आप पीछे मुड़कर आने वाले साइकिल सवारों या वाहनों पर नज़र रख सकें। डच रीच कार का दरवाज़ा खोलने का एक सरल और प्रमाणित तरीका है, जिससे गुज़रते हुए साइकिल सवार या पैदल यात्री से टकराने की संभावना बहुत कम हो जाती है। हैंडल के सबसे नज़दीक वाले हाथ से दरवाज़ा खोलने के बजाय, आप सबसे दूर वाले हाथ का उपयोग करते हैं। इससे दरवाज़ा खोलने से पहले शरीर स्वाभाविक रूप से मुड़ता है और कंधे के ऊपर से लेन की ओर देखना आसान हो जाता है।

तर्क: साइकिल चलाना पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक है। साइकिल चालकों का सम्मान करने से सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन विकल्पों को बढ़ावा मिलता है।

6.8 विकलांग व्यक्ति

विकलांग व्यक्ति व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल या अनुकूलित वाहनों का उपयोग कर सकते हैं। वे धीमी गति से चल सकते हैं और उन्हें अतिरिक्त ध्यान की आवश्यकता होती है। ड्राइवरों को यह करना चाहिए:

- जब वे सड़क पार कर रहे हों तो उन्हें रास्ता दें।
- रैम्प या विशेष पथ को अवरुद्ध करने से बचें।
- उनकी चुनौतियों को समझते हुए धैर्य और शिष्टाचार दिखाएँ।

तर्क: एक सच्ची सुरक्षित सड़क प्रणाली अपने सबसे कमज़ोर सदस्यों की सुरक्षा करती है। समावेशिता सभ्य ड्राइविंग की निशानी है। सबसे कमज़ोर लोगों के प्रति सम्मान ही सुरक्षित ड्राइविंग की सच्ची परीक्षा है।

6.9 करें और न करें – दोपहिया वाहन चालकों और कमज़ोर उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित सवारी रोज़मर्रा की आदतों पर निर्भर करती है। ये सरल आदतें जोखिम और सुरक्षा के बीच बड़ा फ़र्क़ पैदा करती हैं:

करें

- हेलमेट पहनें और सुनिश्चित करें कि आपका यात्री भी हेलमेट पहने।
- गति सीमा के भीतर वाहन चलाएँ और यातायात में अनियमित हरकतों से बचें।
- पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों को अतिरिक्त स्थान और प्राथमिकता दें।
- भीड़भाड़ वाले या आवासीय क्षेत्रों में धीमी गति से चलें।
- रात में स्वयं को अधिक दृश्यमान बनाने के लिए लाइट और रिफ्लेक्टिव उपकरणों का उपयोग करें।

न करें

- अपने वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को न ले जाएँ।
- Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के तहत 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पीछे की सीट पर बैठाना प्रतिबंधित है। सुनिश्चित करें कि बड़े बच्चे हेलमेट पहनें और सुरक्षित रूप से पायदान तक पहुँच सकें।
- शराब या नशीली दवाओं के प्रभाव में वाहन न चलाएँ।
- पैदल यात्री क्रॉसिंग की अनदेखी न करें या फुटपाथ को अवरुद्ध न करें।
- साइकिल चालकों, पैदल यात्रियों या विकलांग व्यक्तियों को बाधा न समझें।
- यह न मानें कि दूसरे लोग आपको देख ही लेंगे—अपने आप को दृश्यमान बनाने के लिए कदम उठाएँ।

तर्क: इन 'करें' और 'न करें' की बातों में कोई खर्च नहीं आता, लेकिन ये जान बचाते हैं। रोज़ाना इनका पालन करने से शिष्टाचार और सावधानी स्वभाव बन जाते हैं।

6.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- मिश्रित यातायात में दोपहिया वाहन विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं।
- हेलमेट और सुरक्षात्मक उपकरण सही तरीके से पहने जाएँ तो जीवन बचाते हैं।
- सुरक्षित दूरी बनाए रखें, अंधे स्थानों से बचें, और कभी भी खतरनाक तरीके से न चलें।
- पैदल यात्रियों, बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है।
- रक्षात्मक ड्राइविंग सभी असुरक्षित सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा है।

अध्याय 7: विशेष परिस्थितियों में वाहन चलाना

7.1 परिचय

हर सफ़र साफ़ मौसम और सूखी सड़कों पर नहीं होता। भारत में ड्राइवरों को कई तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है— मानसून की बारिश और घने कोहरे से लेकर पहाड़ी इलाकों, कच्ची ग्रामीण सड़कों और भारी शहरी यातायात तक। हर स्थिति अलग तरह की चुनौती लाती है, जिनके लिए कौशल, धैर्य और अनुकूलनशीलता की आवश्यकता होती है। सुरक्षित चालक इन चुनौतियों को पहचानते हैं और परिस्थितियों के अनुसार अपना व्यवहार समायोजित करते हैं। यह अध्याय विशेष परिस्थितियों में ड्राइविंग के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है, ताकि यात्राएँ सुरक्षित और पूर्वानुमेय बनी रहें।

7.2 रात्रि ड्राइविंग

रात में गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सावधानी ज़रूरी होती है, क्योंकि दृश्यता कम हो जाती है और ख़तरा देर से दिखाई देते हैं। अच्छी रात्रि ड्राइविंग केवल लाइटें जलाने तक सीमित नहीं है— यह सतर्क, धैर्यवान और पूर्वानुमानित रहने के बारे में है।

सुरक्षित रात की ड्राइविंग के लिए ये बातें ध्यान रखें:

- ज़्यादातर परिस्थितियों में लो-बीम हेडलाइट्स का इस्तेमाल करें। हाई बीम सामने से आ रहे ड्राइवरों को चकाचौंध कर सकती है और दुर्घटना का कारण बन सकती है।
- चकाचौंध कम रखने और दृश्यता बढ़ाने के लिए विंडशील्ड, दर्पण और लाइटें साफ रखें।
- गति नियंत्रित रखें, क्योंकि अँधेरे में गड़्हे, जानवर या पैदल यात्री अक्सर देर से दिखाई देते हैं।
- पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के साथ अतिरिक्त सावधानी बरतें, क्योंकि वे हमेशा परावर्तक कपड़े नहीं पहनते या उनके पास लाइटें नहीं होतीं।
- अन्य चालकों के लिए दृश्यता बढ़ाने हेतु वाहनों, विशेषकर दोपहिया वाहनों या साइकिलों पर परावर्तक टेप का प्रयोग करें।
- पूरी तरह सुरक्षित हुए बिना ओवरटेक न करें—अँधेरे में दूरी और गति का अनुमान कमज़ोर पड़ जाता है।
- याद रखें: लाइटें सिर्फ आपको देखने में नहीं, बल्कि दूसरों को आपको देखने में भी मदद करती हैं।

तर्क: रात में छोटी-सी गलती भी बड़ा जोखिम बन सकती है। शांत रहकर और पूरी सावधानी से गाड़ी चलाने से रात का सफ़र सभी के लिए सुरक्षित बनता है।

7.3 बारिश में गाड़ी चलाना

बारिश सड़कों को फिसलन भरी सतह में बदल देती है। पानी तेल और धूल के साथ मिलकर एक परत बना देता है, जिससे टायरों की पकड़ कम हो जाती है। गह्वे पानी से भर जाते हैं, और उनकी गहराई दिखाई नहीं देती। बारिश में धैर्य ही सुरक्षा देता है—जल्दबाज़ी करने से नियंत्रण खोने की संभावना बढ़ जाती है। एक्वाप्लेनिंग (हाइड्रोप्लेनिंग) से सावधान रहें—यह तब होता है जब पानी की परत टायरों को सड़क से उठा देती है, और स्टीयरिंग व ब्रेकिंग पर पूरा नियंत्रण खो जाता है। अगर एक्वाप्लेनिंग हो जाए, तो एक्सीलरेटर धीरे छोड़ें, ब्रेक न लगाएँ, और स्टीयरिंग व्हील को तब तक स्थिर रखें जब तक टायरों की पकड़ वापस न आ जाए।

सुरक्षित बारिश में ड्राइविंग के लिए ये बातें अपनाएँ:

- गति नियंत्रित करें और अचानक ब्रेक लगाने से बचें।
- रुकने में ज़्यादा दूरी लगेगी, इसलिए आगे वाली गाड़ी से अंतर बढ़ाएँ।
- दृश्यता बनाए रखने के लिए वाइपर और हेडलाइट हमेशा चालू रखें।
- पानी भरे क्षेत्रों से बचें, ऐसा पानी इंजन बंद कर सकता है और नीचे छिपे खतरे दिखाई नहीं देते।

तर्क: बारिश में दुर्घटनाएँ आम हैं, लेकिन पूरी तरह रोकी जा सकती हैं। धीमी गति और सतर्कता से ड्राइवर गीली सड़कों पर भी नियंत्रण बनाए रख सकते हैं।

7.4 कोहरा और कम दृश्यता

कोहरा और धुंध दृश्यता को बहुत कम कर देते हैं। हाई बीम की रोशनी कोहरे से टकराकर वापस आती है और दृश्यता को और खराब कर देती है।

सुरक्षित प्रथाओं में शामिल हैं:

- हाई बीम की जगह हमेशा फॉग लैंप या लो बीम हेडलाइट्स का प्रयोग करें।

- खिड़कियों को धुंध और संघनन से साफ रखें ताकि बाहर साफ दिखे।
- इतनी धीमी और नियंत्रित गति रखें कि आगे जितना दिख रहा है, उस दूरी में आप सुरक्षित रुक सकें।
- आगे वाली गाड़ी से दूरी सामान्य से कम से कम तीन गुना बढ़ा दें।
- अचानक ब्रेक लगाने या ओवरटेक करने से बचें।
- यदि दृश्यता बेहद कम हो और आपको धीरे चलना या रुकना पड़े, तो हैज़र्ड लाइट का उपयोग बहुत कम और केवल चेतावनी के लिए करें। चलते समय इन्हें बंद कर रखें, ताकि आपके टर्न सिग्नल साफ दिखाई दें। (हैज़र्ड लाइटें केवल उन स्थितियों में सही हैं जब आपका वाहन स्वयं खतरा बने—जैसे ब्रेकडाउन, दुर्घटना या खतरनाक जगह पर रुकना। चलती गाड़ी में इनका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, सिवाय विशेष परिस्थितियों के, जैसे किसी अधिकृत एस्कॉर्ट काफिले का हिस्सा होने पर।)
- यदि शून्य दृश्यता के कारण रुकना अनिवार्य हो, तो गाड़ी को सड़क के बाएँ किनारे पर रोकें, पार्किंग लाइटें चालू करें, और वाहन के पीछे कम से कम 50 मीटर दूर एक परावर्तक चेतावनी त्रिकोण लगाएँ—जैसा कि CMVR नियम 138(4) में बताया गया है।

तर्क: कोहरे में अक्सर कई वाहन एक-दूसरे से टकरा जाते हैं। इसलिए गति नियंत्रित रखना और आपके वाहन का दिखाई देना ज़रूरी है।

7.5 पहाड़ी और पर्वतीय सड़कें

पहाड़ी और पर्वतीय सड़कें तीव्र ढलानों, तीखे मोड़ों, संकरी सड़कों और बदलते मौसम जैसी अनोखी चुनौतियाँ पेश करती हैं। यहाँ ज़रा-सी गलती भी गंभीर हो सकती है, इसलिए अतिरिक्त सावधानी अनिवार्य है।

सुरक्षित प्रथाओं में शामिल हैं:

- चढ़ाई और उतराई दोनों में निचले गियर का इस्तेमाल करें। इससे बेहतर नियंत्रण मिलता है और ब्रेक पर दबाव कम पड़ता है।
- अंधे मोड़ों पर हॉर्न बजाकर सामने से आने वाले यातायात को अपनी उपस्थिति के बारे में सचेत करें।
- मोड़ों और संकरी सड़कों पर हमेशा अपनी लेन में ही रहें; मोड़ लेना बेहद खतरनाक है।

- हमेशा ऊपर की ओर जाने वाले वाहनों को रास्ता दें—पहाड़ी ड्राइविंग का यह शिष्टाचार और सुरक्षा दोनों है, क्योंकि ढलान पर रुककर दोबारा चलना चढ़ाई वाले वाहन के लिए बेहद कठिन होता है।
- जब तक सड़क पूरी तरह से साफ, चौड़ी और पूरी तरह सुरक्षित न हो, ओवरटेक करने का प्रयास न करें।
- गिरते हुए पत्थरों, जानवरों या पैदल चलने वालों पर लगातार नज़र रखें—ये पहाड़ी इलाकों में बहुत आम खतरे हैं।

तर्क: पहाड़ी सड़कें धैर्य और सतर्कता माँगती हैं। एक सतर्क चालक न केवल अपनी सुरक्षा करता है, बल्कि दूसरों को भी इन चुनौतीपूर्ण रास्तों पर सुरक्षित रहने में मदद करता है।

7.6 ग्रामीण सड़कें

ग्रामीण सड़कों पर अक्सर चिह्नांकन, पर्याप्त रोशनी और समतल सड़क का अभाव होता है। Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के अनुसार, अचिह्नित ग्रामीण सड़कों पर डिफ़ॉल्ट गति सीमा आमतौर पर 40 किमी/घंटा है, जब तक कि कहीं अलग से संकेत न दिया गया हो। पैदल यात्री, मवेशी और धीमी गति वाले वाहन आम हैं। ऐसे मार्गों पर धैर्य सिर्फ शिष्टाचार नहीं—यह पूरे समुदाय की सुरक्षा है। सुरक्षित प्रथाओं में शामिल हैं:

- गाड़ी धीरे चलाएं और अचानक आने वाली बाधाओं के लिए तैयार रहें।
- यदि दृश्यता कम हो तो दिन में भी हेडलाइट का प्रयोग करें।
- पशुओं से पर्याप्त दूरी रखें और स्थानीय यातायात आदतों का सम्मान करें।

तर्क: ग्रामीण सड़कें देश के बड़े हिस्सों को जोड़ती हैं। धैर्य और स्थानीय परिस्थितियों का सम्मान दुर्घटनाओं को रोकता है और समुदायों को सुरक्षित रखता है।

7.7 भारी यातायात और शहरी परिस्थितियाँ

शहरी सड़कें अक्सर वाहनों, पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और सड़क किनारे की गतिविधियों से भरी रहती हैं। ऐसी सड़कों पर धैर्य और शिष्टाचार ही अव्यवस्था और प्रवाह के बीच अंतर पैदा करते हैं।

सुरक्षित प्रथाओं में शामिल हैं:

- भीड़भाड़ में शांत रहें। आक्रामक ड्राइविंग से केवल तनाव और जोखिम बढ़ता है, वास्तविक समय की बचत नहीं होती।
- अचानक रुकने की संभावना हमेशा मानकर चलें। पैदल यात्री फुटपाथ से उतर सकते हैं और वाहन साइड सड़कों से अचानक निकल सकते हैं।
- चौराहों और पैदल यात्री क्रॉसिंग को अवरुद्ध करने से बचें। इन्हें खुला रखने से सभी के लिए आवागमन सुगम रहता है।
- ट्रैफिक सिग्नल और लेन चिह्नों का पालन करें। चाहे आसपास के लोग उल्लंघन करें, आपका अनुशासन भ्रम कम करता है और प्रवाह बेहतर बनाता है।
- हॉर्न का इस्तेमाल कम करें। हल्की चेतावनी मदद करती है, लेकिन लगातार हॉर्न बजाना सिर्फ शोर और चिड़चिड़ापन बढ़ाता है।

तर्क: ट्रैफिक में शिष्टाचार फैलता है। आपकी शांति दूसरों के लिए तनाव कम करती है और शहर की ड्राइविंग को सुरक्षित और सहनीय बनाती है।

7.8 आपातकालीन स्थितियाँ

सुनहरा नियम: आपात स्थिति में धैर्य और होश की परीक्षा होती है। शांत रहें, जीवन की सुरक्षा पहले रखें, और दुर्घटना होने पर तुरंत मदद आने दें।

आपात स्थिति कहीं भी हो सकती है—अचानक ब्रेक फेल होना, सड़क पर कोई बाधा आ जाना, या किसी अन्य चालक की गलती। शुरुआती कुछ सेकंड में आपकी प्रतिक्रिया ही अक्सर नतीजा तय करती है।

सुरक्षित प्रथाओं में शामिल हैं:

- शांत रहें। घबराहट आपकी स्पष्ट सोचने की क्षमता को कम कर देती है।
- यदि ब्रेक फेल हो जाएं: गियर नीचे करें, ब्रेक पैडल को कई बार दबाएं, और हैंडब्रेक का धीरे-धीरे उपयोग करें।

- अगर टायर फट जाए, तो स्टीयरिंग व्हील को मज़बूती से पकड़ें, एक्सीलेटर कम करें और गाड़ी को धीरे-धीरे खुद रुकने दें। तेज़ ब्रेक न लगाएँ— स्टीयरिंग व्हील पर पकड़ बनाए रखें और वाहन को सीधा रखने पर ध्यान दें।
- यदि एक्सीलेटर अटक जाए: तुरंत न्यूट्रल में शिफ्ट करें और नियंत्रित ब्रेक लगाएँ।
- यदि अचानक रुकना पड़े, तो पीछे वाले वाहन को चेतावनी देने के लिए हैज़र्ड लाइट का प्रयोग करें।
- जब तक अत्यंत आवश्यक न हो, अचानक ब्रेक न लगाएँ—नियंत्रित ब्रेकिंग वाहन को स्थिर रखती है।
- विशेष रूप से तेज़ गति पर फिसलने या पलटने से बचने के लिए वाहन को हमेशा सुचारु रूप से चलाएं।
- यदि संभव हो, तो आगे टकराव के जोखिम को कम करने के लिए वाहन को सड़क के किनारे ले जाएँ।
- यदि आप किसी दुर्घटना के गवाह हों, और ऐसा करना सुरक्षित हो, तो पीड़ितों की मदद करें। गुड समैरिटन कानून सहायता करने वालों को कानूनी या वित्तीय दायित्व से बचाता है और समय पर सहायता प्रदान करने को प्रोत्साहित करता है।

तर्क: आपात स्थितियाँ आपके कौशल से ज़्यादा आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं। शांत रहकर और स्थिर रहकर कार्य करने से, किसी भी बुरी स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सकता है। पहले से पता होना कि क्या करना है, घबराहट कम करता है और आपको शांत, व्यवस्थित प्रतिक्रिया देने में मदद करता है।

7.9 करें और न करें (Do's and Don'ts) – विशेष परिस्थितियों के लिए

विशेष परिस्थितियों में गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की ज़रूरत होती है। ये सरल उपाय आपको हर तरह की सड़क स्थितियों में सुरक्षित रूप से ढलने में मदद करते हैं:

करें

- खराब दृश्यता, बारिश, कोहरे या भीड़भाड़ वाली स्थिति में गति हमेशा धीमी रखें।
- बेहतर दृश्यता के लिए हेडलाइट्स, दर्पण और विंडशील्ड को साफ रखें।
- बेहतर नियंत्रण के लिए पहाड़ी सड़कों पर निचले गियर का प्रयोग करें।

- कठिन परिस्थितियों में आगे चल रहे वाहनों से अतिरिक्त दूरी बनाएं। शहरी भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफ़िक के बीच से निकलने से बचें और भीड़ कम करने के लिए लेन अनुशासन बनाए रखें।
- धैर्य रखें—सुरक्षित पहुंचना, जल्दी पहुंचने से अधिक महत्वपूर्ण है।

न करें

- अंधे मोड़ों, कोहरे या सीमित दृश्यता में तेज़ या लापरवाही से वाहन न चलाएँ।
- जब सामने से वाहन आ रहे हों तो हाई बीम का इस्तेमाल न करें।
- चौराहों, पैदल यात्री क्रॉसिंगों या संकरी गलियों को कभी अवरुद्ध न करें।
- अनावश्यक रूप से हॉर्न न बजाएँ—हॉर्न केवल चेतावनी के लिए होता है।
- केवल इसलिए कि अन्यलोग ऐसा कर रहे हैं, संकेतों, इशारों या निर्देशों को कभी अनदेखा न करें।

तर्क: विशेष परिस्थितियों में अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। गति, दूरी और धैर्य में छोटे बदलाव आपकी ही नहीं, बल्कि आपके आसपास सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

7.10 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- बारिश, कोहरा, रात या पहाड़ी सड़कों जैसी परिस्थितियों में अलग-अलग कौशल और धैर्य की आवश्यकता होती है।
- खराब दृश्यता या फिसलन वाली स्थिति में हमेशा गति कम करें और आगे वाले वाहन से अधिक दूरी रखें।
- देखने के लिए भी और दूसरों को दिखने के लिए भी अपनी लाइटों का सही उपयोग करें।
- आपात स्थिति में शांत रहें और सबसे पहले अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।
- विशेष परिस्थितियां आपकी परिपक्वता और धैर्य की परीक्षा लेती हैं; अच्छे ड्राइवर ऐसे हालात के लिए पहले से तैयार रहते हैं।

अध्याय 8: यातायात अपराध और दंड

8.1 परिचय

यातायात कानून केवल सुझाव नहीं होते—ये बाध्यकारी नियम होते हैं, जो जीवन की रक्षा और सड़कों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। यातायात उल्लंघन और उनके दंड सड़क सुरक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ दंड देना नहीं, बल्कि चालकों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए मार्गदर्शन देना है। हर जुर्माना या दंड एक संकेत देता है कि कुछ व्यवहार—जैसे तेज़ गति से गाड़ी चलाना, नशे में ड्राइविंग करना, या सिग्नल की अनदेखी करना—सीधे तौर पर जान जोखिम में डालते हैं।

दंड के तीन मुख्य उद्देश्य होते हैं:

- निवारण: खतरनाक व्यवहार को दुर्घटनाओं या चोटों का कारण बनने से पहले ही रोकना या हतोत्साहित करना।
- शिक्षा: सड़क सुरक्षा नियमों और मानकों के महत्व को मजबूत करना।
- जवाबदेही: यह सुनिश्चित करना कि ड्राइवर अपने उन कार्यों के लिए परिणाम भुगतें जिनसे दूसरों को खतरा हो, और इससे साझा ज़िम्मेदारी की भावना बढ़े।

तर्क: दंड का उद्देश्य डर पैदा करना नहीं, बल्कि रोकथाम है। इन्हें इसलिए बनाया गया है ताकि चालक दोबारा सोचें, सुरक्षा चुनें, और अपनी तथा और दूसरों की सुरक्षा करें।

8.2 दंड क्यों मौजूद हैं

जुर्माना हमें याद दिलाता है कि गाड़ी चलाना सिर्फ व्यक्तिगत स्वतंत्रता नहीं, बल्कि साझा ज़िम्मेदारी है। दंड असुरक्षित व्यवहार के परिणाम के रूप में कार्य करते हैं। ये दंड चालकों को याद दिलाते हैं कि सड़कें साझा स्थान हैं और लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ती है। उदाहरण के लिए, नशे में गाड़ी चलाने पर भारी जुर्माना अक्षम ड्राइविंग की गंभीरता को दिखाता है, जबकि हेलमेट या सीटबेल्ट न पहनने पर लगाया जाने वाला जुर्माना, मृत्यु दर रोकने में उनकी भूमिका को स्पष्ट करता है।

तर्क: सार्थक दंडों से समर्थित कानून लोगों के व्यवहार को आकार देते हैं। अगर परिणाम न हों, तो कुछ चालक नियमों को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर सकते हैं, जिससे सड़कें सभी के लिए और भी खतरनाक बन जाती हैं।

8.3 सामान्य यातायात अपराध

ज़्यादातर ड्राइवर उन नियमों से वाकिफ़ होते हैं जिनका उनसे पालन करने की अपेक्षा की जाती है, फिर भी कई उल्लंघन होते रहते हैं। ये उल्लंघन भले ही आम लगें, लेकिन हर एक उल्लंघन सड़क पर वास्तविक ख़तरा पैदा करता है।

सामान्य अपराधों में शामिल हैं:

- तेज गति: सीमा से अधिक तेज गति से वाहन चलाने से प्रतिक्रिया समय कम हो जाता है और दुर्घटना की गंभीरता बढ़ जाती है।
- नशे में गाड़ी चलाना: शराब या नशीली दवाओं की थोड़ी सी मात्रा भी प्रतिक्रिया को धीमा कर देती है और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित करती है।
- सीट बेल्ट या हेलमेट न पहनना: ये साधारण आदतें जीवन बचाती हैं, फिर भी कई लोग इन्हें अनदेखा कर देते हैं।
- मोबाइल फोन का उपयोग: एक पल का ध्यान भटकना जीवन भर के लिए पछतावे का कारण बन सकता है।
- लाल बत्ती पार करना या स्टॉप साइन अनदेखा करना: ये छोटे-छोटे शॉर्टकट सभी के लिए बड़ा जोखिम पैदा करते हैं।
- वाहनों में ज़रूरत से ज़्यादा सामान या यात्री लेना: इससे स्थिरता और ब्रेकिंग क्षमता दोनों कम हो जाती हैं।
- वैध लाइसेंस के बिना वाहन चलाना: ऐसा करना सुरक्षित ड्राइविंग के पूरे कानूनी ढांचे को कमज़ोर कर देता है।
- वैध PUC (प्रदूषण नियंत्रण) प्रमाण पत्र के बिना वाहन चलाना: यह पर्यावरण और कानून दोनों का उल्लंघन है, और इसके लिए अक्सर दंड दिया जाता है।
- खतरनाक ओवरटेकिंग या लेन-कटिंग: अचानक की गई गतिविधियां दूसरों को जोखिमभरी चालें चलने पर मजबूर कर देती हैं।

तर्क: नियम तोड़ने से कुछ सेकंड तो बच सकते हैं, लेकिन इससे पूरी ज़िंदगी खतरे में पड़ सकती है। कोई भी सुविधा इतनी महँगी नहीं होनी चाहिए।

8.4 कानून के तहत दंड

स्वर्णिम नियम: दंड सज़ा के लिए नहीं, बल्कि यह याद दिलाने के लिए होते हैं कि सुविधा से ज़्यादा ज़िंदगी मायने रखती है। जुमने समय के साथ बदल सकते हैं और राज्यों के अनुसार अलग हो सकते हैं, लेकिन सिद्धांत हमेशा एक ही रहता है: सुरक्षा सबसे पहले।

Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 ने पूरे भारत में दंड को और भी सख्त कर दिया है। इसका उद्देश्य चालकों पर बोझ डालना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि जोखिम भरे व्यवहार के वास्तविक परिणाम हों। गंभीर अपराधों के लिए अधिक जुमने, लाइसेंस निलंबन और कुछ मामलों में कारावास का प्रावधान एक स्पष्ट संदेश देता है: सुरक्षा सर्वोपरि है। यह सुदृढ़ीकरण दिखाता है कि प्रशासन और कानून निर्माता सड़क सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानते हैं।

दंड राज्यों के अनुसार बदल सकते हैं, लेकिन सिद्धांत हर जगह एक जैसा है—जीवन को खतरे में डालने वाले उल्लंघनों के लिए कड़ी सज़ा का प्रावधान है। उदाहरण के लिए, नशे में ड्राइविंग, तेज़ गति और खतरनाक ड्राइविंग पर अब भारी जुमने और लाइसेंस निलंबन का प्रावधान है। इसके विपरीत, गुड समैरिटन कानून ड्राइवरों को कानूनी या वित्तीय दायित्व के डर के बिना दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करता है और सख्त दंड के साथ-साथ देखभाल की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

ध्यान दें: जुमने समय के साथ बदल सकते हैं और हर राज्य में अलग हो सकते हैं। आप जहाँ रहते हैं या गाड़ी चलाते हैं, वहाँ के नवीनतम नियमों की हमेशा जाँच करें।

तर्क: जब दंड गंभीर होते हैं, तो ड्राइवर कानून को ज़्यादा गंभीरता से लेते हैं। इसका उद्देश्य व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है।

8.5 प्रवर्तन और उत्तरदायित्व

सिर्फ दंड काफी नहीं होते—प्रवर्तन भी उतना ही ज़रूरी है। यातायात पुलिस, कैमरे और स्वचालित प्रणालियाँ उल्लंघन करने वालों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लेकिन सच्ची सड़क सुरक्षा आत्म-अनुशासन पर ही टिकी होती है। जो चालक केवल जुमने के डर से नियम

मानता है, वह असली बात समझ ही नहीं पाता। नियमों का पालन करने की असली वजह है—जीवन की रक्षा, जिसमें आपका अपना जीवन भी शामिल है। उदाहरण के लिए, speed camera और Automatic Number Plate Recognition (ANPR) प्रणाली जैसी तकनीकें लाल बत्ती पार करने या तेज़ गति जैसे उल्लंघनों का तुरंत पता लगा सकती हैं। लेकिन रोकना सिर्फ तकनीक का काम नहीं—चालक के रवैये से ही सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

तर्क: कानून तभी सबसे बेहतर ढंग से काम करते हैं जब नागरिक स्वेच्छा से उनका सम्मान करते हैं। प्रवर्तन व्यवस्था को सहारा देता है, लेकिन ज़िम्मेदार रवैया इसे टिकाऊ बनाता है।

8.6 उल्लंघनों के दीर्घकालिक परिणाम

यातायात उल्लंघनों में सिर्फ तत्काल जुर्माना ही नहीं होता—इसके लंबे-समय तक चलने वाले नतीजे भी होते हैं, जो जुर्माना भर देने के बाद भी बने रहते हैं।

- लाइसेंस निलंबन या अयोग्यता: बार-बार उल्लंघन करने पर आपका ड्राइविंग अधिकार पूरी तरह से समाप्त हो सकता है।
- बीमा प्रभाव: खराब रिकॉर्ड होने पर बीमा कंपनियाँ प्रीमियम बढ़ा सकती हैं या कवरेज देने से मना भी कर सकती हैं।
- रोजगार पर परिणाम: पेशेवर ड्राइवरों को नौकरी खोनी पड़ सकती है, या नई नौकरी मिलना मुश्किल हो सकता है।
- प्रतिष्ठा: लापरवाही का रिकॉर्ड व्यक्ति को परिवार, दोस्तों और समुदाय की नज़र में गैर-ज़िम्मेदार दिखाता है।
- कानूनी रिकॉर्ड: यातायात उल्लंघनों को दर्ज किया जाता है और इससे भविष्य की कानूनी कार्यवाही या पृष्ठभूमि जांच पर असर पड़ सकता है, जिससे व्यक्तिगत या व्यावसायिक अवसर प्रभावित हो सकते हैं।

दुर्घटना न होने पर भी, बार-बार उल्लंघन करने की कीमत चुकानी पड़ती है—आपकी स्वतंत्रता, आपके पैसे और आपके भविष्य के अवसरों से।

तर्क: कानून मानना सिर्फ जुर्माने से बचने के लिए नहीं है—यह आपके ड्राइविंग अधिकारों, आपके करियर और आपकी प्रतिष्ठा की सुरक्षा के लिए है।

8.7 करें और न करें (Do's and Don'ts) – कानून का पालन करने के लिए

ये अनुस्मारक कानून के प्रति सम्मान को रोजमर्रा के व्यवहार में बदल देते हैं।

करें

- सड़क के नियमों को जानें और हमेशा उनका पालन करें।
- हर समय हेलमेट और सीटबेल्ट पहनें।
- संकेतों, चिन्हों और गति सीमा का पालन करें।
- प्रवर्तन अधिकारियों के साथ सहयोग करें।
- कानून के अनुसार, वैध दस्तावेजों (जैसे, लाइसेंस, RC, PUC) को भौतिक या डिजिटल रूप में—Digilocker जैसे ऐप में—अपने साथ रखें।
- अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी यातायात नियमों का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करें।

न करें

- किसी भी परिस्थिति में शराब पीकर गाड़ी न चलाएं।
- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें।
- नो-पार्किंग क्षेत्र में लापरवाही से पार्क न करें।
- दंड को छोटी-सी असुविधा मानकर नज़रअंदाज़ न करें।
- बार-बार अपराध न करें—यह आपकी और दूसरों की जान जोखिम में डालता है।

8.8 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- यातायात अपराध जीवन को खतरे में डालते हैं; दंड का उद्देश्य नुकसान को रोकना है, राजस्व बढ़ाना नहीं। • सामान्य उल्लंघनों में तेज़ गति से गाड़ी चलाना, लाल बत्ती का उल्लंघन करना, नशे में गाड़ी चलाना, हेलमेट/सीट बेल्ट का उपयोग न करना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना शामिल है। • Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 ने जुमनि में वृद्धि की और मजबूत निवारक उपाय पेश किए। • प्रवर्तन में तकनीक का उपयोग होता है—जैसे speed camera और स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली (ANPR), जो तुरंत चालान जारी करने और कानूनी कार्रवाई तक ले जाती है।

- सामान्य यातायात संकेतों और सिग्नलों के दृश्यों के लिए परिशिष्ट A देखें, जो ड्राइवरों को उल्लंघनों को पहचानने और उनसे बचने में मदद करते हैं।
- बार-बार अपराध करने और खतरनाक ड्राइविंग करने पर अयोग्यता या कारावास हो सकता है।
- अनुस्मारक: भारत के गुड समैरिटन कानून के तहत, दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की मदद करना सुरक्षित है - इसलिए सहायता करने में संकोच न करें।

अध्याय 9: दुर्घटनाएँ और प्राथमिक उपचार

9.1 परिचय

दुर्घटनाएँ अचानक होती हैं और कई बार डराने वाली भी, लेकिन तैयारी आपकी प्रतिक्रिया में बड़ा फ़र्क ला सकती है। भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं के कारण हज़ारों जानें जाती हैं, जिनमें से कई को त्वरित, शांत और सही कदम उठाकर रोका जा सकता है या कम गंभीर बनाया जा सकता है।

तैयारी का मतलब केवल प्राथमिक चिकित्सा किट रखना या आपातकालीन नंबर जानना नहीं है—यह ज़रूरी समय पर सही कार्रवाई करने का आत्मविश्वास विकसित करने से जुड़ा है। कोई भी दुर्घटना की उम्मीद नहीं करता, फिर भी हर ड्राइवर को यह पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देनी है। छोटे-छोटे कदम भी जान बचा सकते हैं, चोटों की गंभीरता को कम कर सकते हैं, और पेशेवर सहायता आने तक सहारा दे सकते हैं।

तर्क: सड़क सुरक्षा का मतलब सिर्फ़ दुर्घटनाओं को रोकना ही नहीं है, बल्कि दुर्घटना होने पर समझदारी से कार्रवाई करना भी है। शुरुआती कुछ पल बहुत अहम होते हैं—सही जानकारी और शांत दिमाग डर को प्रभावी कार्रवाई में बदल सकते हैं। सुरक्षित-सोच वाली ड्राइविंग (अध्याय 5) और यातायात नियमों का पालन (अध्याय 4) जैसी आदतें दुर्घटनाओं की संभावना को कम करती हैं, लेकिन तैयारी यह सुनिश्चित करती है कि दुर्घटना होने पर आप प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें।

9.2 दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिकताएँ

दुर्घटना के तुरंत बाद के क्षण बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ड्राइवर या आसपास मौजूद व्यक्ति को तुरंत लेकिन शांति से काम लेना चाहिए और सबसे पहले सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

- अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। चलते यातायात या खतरनाक परिस्थितियों में जल्दबाज़ी न करें। दूसरों की मदद करने से पहले अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।
- इंजन बंद कर दें और दुर्घटना में शामिल वाहन को सुरक्षित कर दें। इससे आग लगने या और अधिक नुकसान होने का खतरा कम हो जाता है।
- यदि आप सहायता के लिए रुक रहे हैं, तो संबंधित वाहन या अपने वाहन पर खतरे की बतियाँ जलाएँ और वाहन के कम से कम 50 मीटर पीछे एक परावर्तक चेतावनी त्रिकोण लगाएँ। यह आने वाले यातायात को सचेत करता है और दूसरी टक्करों को रोकने में मदद

करता है। (खतरे की चेतावनी बतियाँ केवल उन स्थितियों में इस्तेमाल की जानी चाहिए जब आपका वाहन स्वयं दूसरों के लिए खतरा हो—जैसे ब्रेकडाउन, दुर्घटना, या किसी खतरनाक जगह पर अचानक रुकना। चलती ट्रैफ़िक में गाड़ी चलाते समय इनका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, सिवाय बहुत सीमित परिस्थितियों में, जैसे आधिकारिक रूप से एस्कॉर्ट किए गए काफिले का हिस्सा होने पर।)

- यदि संभव हो, तो वाहन को सड़क के किनारे ले जाएँ, लेकिन तभी जब घटनास्थल सुरक्षित हो और वाहन को हिलाने से घायलों को कोई खतरा न हो या महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट न हों। सड़क को साफ रखना आगे की दुर्घटनाओं की संभावना कम करता है।
- घायलों को जगह और हवा दें। उनके आस-पास भीड़ न लगाएँ—इससे सांस लेने में रुकावट आ सकती है और सहायता मिलने में देरी हो सकती है।
- यात्रियों और अन्य लोगों की स्थिति की जाँच करें। पहचानें कि किसे सबसे पहले तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।
- आपातकालीन सेवाओं को तुरंत कॉल करें। घायलों की संख्या, स्थान और स्थिति की गंभीरता के बारे में स्पष्ट जानकारी दें।
- अगर आप प्रशिक्षित हैं तो बुनियादी प्राथमिक उपचार दें। रक्तस्राव रोकना या श्वासनली को खुला रखना जैसे साधारण उपाय, विशेषज्ञों के आने तक जान बचा सकते हैं।

तर्क: घबराहट प्रभावी प्रतिक्रिया का दुश्मन है। शांत और चरणबद्ध तरीका आगे के नुकसान को रोकता है और यह सुनिश्चित करता है कि मदद जल्द से जल्द पहुँचे।

कानूनी नोट: भारत में 'गुड समैरिटन कानून' के तहत, दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की मदद करने वाला कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से सुरक्षित है। आपको सहायता प्रदान करने के लिए ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, और अस्पतालों को पुलिस की औपचारिकताओं का इंतज़ार किए बिना तुरंत उपचार देना होता है।

9.3 प्राथमिक चिकित्सा की मूल बातें

किसी दुर्घटना में छोटे-छोटे कदम भी बड़ा फ़र्क ला सकते हैं। किसी की जान बचाने के लिए आपको डॉक्टर होने की ज़रूरत नहीं है। शीघ्र दी गई सरल प्राथमिक चिकित्सा घायल व्यक्ति को पेशेवर सहायता आने तक स्थिर रख सकती है।

मुख्य बुनियादी बातें इस प्रकार हैं:

- वायुमार्ग: सुनिश्चित करें कि घायल व्यक्ति साँस ले पा रहा है। अगर वह बेहोश है लेकिन साँस ले रहा है, तो उसे रिकवरी पोज़िशन में लिटाएँ (करवट लेकर, सिर थोड़ा पीछे झुका हुआ)।
- साँस लेना: स्थिर साँस लेने की जाँच करें। अगर साँस रुक गई है और आप प्रशिक्षित हैं, तो तुरंत सीपीआर शुरू करें।
- रक्त संचार: एक साफ कपड़े या पट्टी से दृढ़, सीधा दबाव डालकर रक्तस्राव को नियंत्रित करें।
- आघात: घायल व्यक्ति को गर्म और शांत रखें। उसे खाना या पानी न दें।
- फ्रैक्चर: यदि हड्डी टूटने का संदेह हो, तो आगे की चोट से बचने के लिए स्प्रिंट या कपड़े का उपयोग करके अंग को स्थिर रखें।
- यदि कोई घायल व्यक्ति प्रतिक्रिया नहीं कर रहा है या उसे गर्दन/रीढ़ की हड्डी में चोट लगने का संदेह है, तो उसे तब तक न हिलाएँ जब तक वह तत्काल खतरे में न हो (जैसे आग लगना, डूबना या आने वाले यातायात का खतरा)।
- आश्वासन प्रदान करें—शांत शब्द भय और सदमे को कम करते हैं।

तर्क: त्वरित प्राथमिक उपचार चोटों को जानलेवा बनने से रोक सकता है। इसका उद्देश्य पूर्ण उपचार प्रदान करना नहीं है, बल्कि घायल व्यक्ति को तब तक सुरक्षित और स्थिर रखना है जब तक कि चिकित्सा पेशेवर उसकी देखभाल न कर लें।

9.4 गोल्डन आवर

सुनहरा नियम: दुर्घटना के बाद का पहला घंटा बेहद अहम होता है। त्वरित कार्रवाई और समय पर चिकित्सा सहायता, जीवन और मृत्यु के बीच फ़र्क ला सकती है। शांत रहें और तुरंत कार्रवाई करें। अगर आप प्रशिक्षित हैं तो प्राथमिक उपचार करें।

डॉक्टर अक्सर “गोल्डन आवर” की बात करते हैं—किसी गंभीर चोट के बाद के पहले साठ मिनट। इस छोटी अवधि में जो कुछ भी होता है, वही तय करता है कि पीड़ित जीवित रहेगा या नहीं और वह कितनी अच्छी तरह ठीक होगा।

इस अवधि के दौरान शीघ्र चिकित्सा सहायता से:

- रक्तस्राव को घातक होने से पहले रोकें।
- रोगी को स्थिर रखकर सदमे से बचाएँ।

- सही समय पर ऑक्सीजन या सर्जरी जैसी जीवन रक्षक सुविधाएँ प्रदान करें।

तर्क: सुनहरा समय डर का नहीं, बल्कि अवसर का समय है। तुरंत कार्रवाई करने से डॉक्टरों और अस्पतालों को जान बचाने का सबसे अच्छा मौका मिलता है। 112, भारत का एकीकृत आपातकालीन नंबर, एम्बुलेंस सेवाओं से तुरंत जोड़ता है और गोल्डन आवर का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करता है।

9.5 दर्शकों की भूमिका और गुड समैरिटन कानून (Good Samaritan Law)

कई लोग पुलिस या कानूनी पचड़े के डर से दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने से हिचकिचाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए भारत ने सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के तहत गुड समैरिटन कानून (2016) लागू किया है, जो दुर्घटना पीड़ितों की नेकनीयती से मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

गुड समैरिटन कानून के अंतर्गत प्रमुख सुरक्षाएं निम्नलिखित हैं:

- कोई दायित्व नहीं: सद्भावनापूर्वक (उचित देखभाल और इरादे के साथ) कार्य करने वाले सहायक अनपेक्षित जटिलताओं के लिए उत्तरदायी नहीं होते।
- हिरासत में न लेना: जब तक आप स्वेच्छा से गवाह के रूप में उपस्थित न हों, आपको घटनास्थल या अस्पताल में रहने की बाध्यता नहीं है।
- गुमनामी: आप व्यक्तिगत विवरण प्रदान किए बिना गुमनाम रूप से सहायता कर सकते हैं।
- उत्पीड़न से सुरक्षा: पुलिस को सहायकों को डराने या उन पर दबाव डालने से रोका गया है, ताकि एक सहायक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।
- अस्पताल ड्यूटी: अस्पतालों को कानून के अनुसार पुलिस औपचारिकताओं या भुगतान में देरी किए बिना तत्काल उपचार प्रदान करना चाहिए।

नोट: केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नंबर 112 (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली) के अंतर्गत आपातकालीन सेवाओं को एकीकृत किया है। 112 पर कॉल करने से आप पुलिस, अग्निशमन और एम्बुलेंस सेवाओं से जुड़ जाते हैं, जिससे मदद पाना आसान हो जाता है।

तर्क: मदद करने की संस्कृति तभी पनपती है जब लोग आगे बढ़ने में सुरक्षित महसूस करते हैं। अगर आप मदद के लिए रुकते हैं, तो कानून आपके पक्ष में है। अपने अधिकारों को जानकर आप आत्मविश्वास और करुणा के साथ काम कर सकते हैं।

9.6 प्राथमिक चिकित्सा किट और आपातकालीन आपूर्ति ले जाना

प्रत्येक वाहन में एक बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा किट और साधारण आपातकालीन आपूर्ति होनी चाहिए; सभी मोटर वाहनों में प्राथमिक चिकित्सा किट रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है। जिस तरह एक अतिरिक्त टायर आपको पंचर होने पर तैयार रखता है, उसी तरह प्राथमिक चिकित्सा किट आपको अप्रत्याशित स्थिति के लिए तैयार रखती है। आप उम्मीद करते हैं कि आपको इसका इस्तेमाल कभी नहीं करना पड़े, लेकिन जब ज़रूरत पड़ती है तो यह बहुत बड़ा फ़र्क ला सकती है।

एक मानक किट में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए:

- जीवाणुरहित धुंध, पट्टियाँ और चिपकने वाला टेप।
- एंटीसेप्टिक वाइप्स या घोल।
- कैंची और चिमटी।
- डिस्पोजेबल दस्ताने।
- CPR फेस शील्ड (यदि उपलब्ध हो)।
- आपातकालीन संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से लिखे हों।

अतिरिक्त आपूर्ति, जैसे टॉर्च (फ्लैशलाइट), परावर्तक त्रिकोण और पीने के पानी की एक बोतल, भी सड़क किनारे आपात स्थिति में उपयोगी होती हैं।

तर्क: तैयार रहना ज़िम्मेदारी का प्रतीक है। आपकी गाड़ी में रखा एक छोटा सा सामान किसी दिन आपके परिवार, दोस्तों या सड़क पर किसी अजनबी की सुरक्षा कर सकता है।

9.7 दुर्घटना के बाद: कानूनी और नैतिक कर्तव्य

दुर्घटना के बाद आप जो करते हैं, वह न्याय और मानवता— दोनों के लिए मायने रखता है। एक चालक होने के नाते, कानून के तहत आपकी ज़िम्मेदारियाँ हैं, और प्रभावित लोगों के प्रति आपकी नैतिक ज़िम्मेदारियाँ भी हैं।

कानूनी कर्तव्यों में शामिल हैं:

- दुर्घटना के बारे में निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करना।
- यदि आवश्यक हो तो घटनास्थल पर बने रहें, जब तक कि वह असुरक्षित न हो।
- प्राधिकारियों के साथ सहयोग करना और सटीक जानकारी देना।

- यदि दुर्घटना में चोट या मृत्यु शामिल है, तो चालक को कानूनी रूप से घायल व्यक्ति (व्यक्तियों) के लिए चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने हेतु उचित कदम उठाने होते हैं।

नैतिक कर्तव्यों में शामिल हैं:

- घायलों के प्रति करुणा दिखाना और उन्हें आश्वासन देना।
- यदि आपातकालीन सेवाओं में देरी हो तो अस्पताल तक परिवहन की व्यवस्था करने में मदद करना।
- पीड़ितों की गरिमा और निजता का सम्मान करना—फोटो या वीडियो न लें और न साझा करें।

तर्क: कानूनी कर्तव्य निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं, जबकि नैतिक कर्तव्य करुणा सुनिश्चित करते हैं। ये दोनों मिलकर हर ड्राइवर की ज़िम्मेदारी दर्शाते हैं कि वह एक ज़िम्मेदार नागरिक और एक संवेदनशील इंसान की तरह काम करे।

9.8 करें और न करें (Do's and Don'ts) – दुर्घटना की स्थिति में

दुर्घटना के तनाव में यह भूल जाना आसान है कि क्या करना है। ये रिमाइंडर आपको तुरंत और ज़िम्मेदारी से काम करने में मदद कर सकते हैं:

करें

- शांत रहें और दूसरों की मदद करने से पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें।
- यदि उपलब्ध हो तो हैज़र्ड लाइटें जलाएं और परावर्तक त्रिकोण लगाएँ।
- स्पष्ट विवरण के साथ तुरंत आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें।
- यदि आवश्यक हो तो दुर्घटना की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को दें, और गलती स्वीकार किए बिना सटीक विवरण दें।
- यदि आप प्रशिक्षित हैं तो बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करें।
- घायलों को सांत्वना दें और मदद आने तक उनके साथ रहें।

न करें

- घबराएँ नहीं और खुद को असुरक्षित स्थितियों में न फँसाएँ।
- घायलों को अनावश्यक रूप से इधर-उधर न ले जाएँ, जब तक कि वे तत्काल खतरे में न हों।

- पीड़ितों के चारों ओर भीड़ न लगाएँ या उनके सांस लेने की जगह को अवरुद्ध न करें।
- घायल को भोजन, पेय या दवाइयाँ न दें।
- फ़ोटो न लें और दुर्घटना की तस्वीरें कभी साझा न करें—इसमें शामिल लोगों की गरिमा का सम्मान करें।

तर्क: दुर्घटनाएँ अराजकता पैदा करती हैं, लेकिन आपके शांत और ज़िम्मेदाराना व्यवहार से व्यवस्था बहाल हो सकती है। सही कदम उठाना— और गलतियों से बचना—जीवन बचा सकता है।

9.9 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- सुरक्षा सर्वप्रथम: दूसरों की सहायता करने से पहले स्वयं की सुरक्षा करें।
- इंजन बंद करें, हैज़र्ड लाइटें चालू करें, और यदि सुरक्षित हो तो वाहन को किनारे लगा दें।
- आपातकालीन सेवाओं को तुरंत कॉल करें और स्पष्ट जानकारी दें।
- प्राथमिक उपचार केवल तभी प्रदान करें जब आप प्रशिक्षित हों, तथा पेशेवर सहायता लेने में कभी देरी न करें।
- गोल्डन आवर जीवन बचा सकता है—हर मिनट मायने रखता है।
- गुड समैरिटन कानून उन लोगों की रक्षा करता है जो दुर्घटना पीड़ितों की मदद करते हैं।

अध्याय 10: नमूना प्रश्न और समीक्षा

10.1 परिचय

सुरक्षित ड्राइविंग सीखने के लिए न केवल सड़क पर अभ्यास की आवश्यकता होती है, बल्कि इस मैनुअल में दिए गए नियमों, संकेतों और ज़िम्मेदारियों की स्पष्ट समझ भी आवश्यक है। इस समझ को परखने का एक तरीका समीक्षा प्रश्न हैं। भारत भर के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) लाइसेंसिंग प्रक्रिया में लिखित या कंप्यूटर-आधारित परीक्षाएँ शामिल करते हैं। इन प्रश्नों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ड्राइवरों को सड़क पर भरोसा करने से पहले कानूनों और सुरक्षित प्रथाओं का पर्याप्त ज्ञान हो।

यह अध्याय ड्राइविंग परीक्षणों में पूछे जाने वाले प्रश्नों का केवल एक छोटा नमूना प्रस्तुत करता है। ये वास्तविक परीक्षाओं में शामिल होने की गारंटी नहीं देते, लेकिन उस प्रकार के ज्ञान को दर्शाते हैं जो हर ड्राइवर के पास होना चाहिए। शिक्षार्थियों को राज्य परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइटों या मान्यता प्राप्त RTO शिक्षण प्लेटफार्मों पर उपलब्ध अतिरिक्त अभ्यास प्रश्नों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कई राज्य ऑनलाइन मुफ्त मॉक टेस्ट भी उपलब्ध कराते हैं। नियमित अभ्यास से संकेतों, नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों से परिचित होने में मदद मिलती है—सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि एक आत्मविश्वासी और जिम्मेदार ड्राइवर बनने के लिए।

10.2 बहुविकल्पीय प्रश्न

यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि आपको किस प्रकार के प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर हैं। उस उत्तर को चुनें जो सही नियम या अभ्यास से सबसे अधिक मेल खाता हो।

लाल ट्रैफिक लाइट का क्या मतलब है?

रुकें और हरा होने तक प्रतीक्षा करें

अगर रास्ता साफ़ हो तो जाएं

धीमा करें और आगे बढ़ें

केवल तभी रुकें जब अन्य वाहन मौजूद हों

सही उत्तर: रुकें और हरा होने तक प्रतीक्षा करें।

जब आप पैदल यात्री क्रॉसिंग (जेब्रा क्रॉसिंग) के पास पहुँचें और पैदल यात्री क्रॉसिंग पार करने के लिए इंतजार कर रहे हों, तो आपको यह करना चाहिए:

हॉर्न बजाएं और गाड़ी चलाना जारी रखें

रुकें और उन्हें पार करने दें

यदि आप जल्दी में हैं तो धीमी गति से चलें लेकिन चलते रहें

उन्हें चेतावनी देने के लिए हेडलाइट्स चमकाएं

सही उत्तर: रुकें और उन्हें पार करने दें।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा अनिवार्य है?

हेलमेट पहनना

यात्री को ले जाना

केवल दिन के समय ही वाहन चलाना

हर समय हाई बीम लाइट का उपयोग करना

सही उत्तर: हेलमेट पहनना।

यदि सायरन और चमकती लाइटों वाली एम्बुलेंस आपके पास आए, तो आपको यह करना चाहिए:

उसी गति से जारी रखें

उसका रास्ता रोक दें ताकि दूसरे लोग आगे न निकल सकें

तुरंत रास्ता दें

सड़क के बीच में रुकें

सही उत्तर: तुरंत रास्ता दें।

'दो-सेकंड नियम' का अर्थ है:

लाल बत्ती पर प्रतीक्षा करने का न्यूनतम समय

आगे वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें

एक चौराहे को पार करने के लिए दिया गया समय

हाई बीम हेडलाइट्स का उपयोग करने से पहले विलंब करें

सही उत्तर: आगे वाले वाहन के पीछे सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

10.3 सही या गलत प्रश्न

यदि आपको लाइसेंस नंबर पता है तो आप बिना लाइसेंस के भी गाड़ी चला सकते हैं।

उत्तर: गलत।

दोपहिया वाहन पर सवार और पीछे बैठे यात्री दोनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

उत्तर: सही।

यदि आप अनुभवी हैं तो वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना सुरक्षित है।

उत्तर: गलत।

ड्राइवरों को स्कूलों और अस्पतालों के पास हमेशा धीमी गति से चलना चाहिए।

उत्तर: सही।

यदि आप जल्दी में हैं तो अंधे मोड़ पर ओवरटेक करना स्वीकार्य है।

उत्तर: गलत।

10.4 परिदृश्य-आधारित प्रश्न

आप रात में किसी ग्रामीण सड़क पर गाड़ी चला रहे हैं और आपको सामने से एक तेज़ रोशनी वाली गाड़ी आती हुई दिखाई देती है। आपको क्या करना चाहिए?

उत्तर: धीमी गति से चलें, अपनी लेन में रहें और सड़क के किनारे को मार्गदर्शक के रूप में इस्तेमाल करें। अपनी हाई बीम से जवाबी कार्रवाई न करें।

किसी व्यस्त चौराहे पर, आप देखते हैं कि गाड़ियाँ बिना रास्ता दिए अंदर आ रही हैं। आपको कैसे आगे बढ़ना चाहिए?

उत्तर: नियम का पालन करें—घेरे में पहले से मौजूद वाहनों को रास्ता देने का अधिकार है। सुरक्षित होने पर ही प्रवेश करें, बिना किसी जबरदस्ती के।

आप दुर्घटना स्थल पर सबसे पहले पहुँचते हैं। आपको क्या कदम उठाने चाहिए?

उत्तर: सुरक्षा सुनिश्चित करें, खतरे वाली लाइटें जलाएँ, आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें, यदि संभव हो तो प्राथमिक उपचार दें, और मदद आने तक घायलों को आश्वस्त करें।

10.5 अभ्यास प्रश्नों का औचित्य

स्वर्णिम नियम: प्रश्न केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं होते—वे आपको वास्तविक यातायात में सुरक्षित विकल्प चुनने के लिए तैयार करते हैं।

ये नमूना प्रश्न उत्तर याद करने के बारे में नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित आदतें मज़बूत करने के लिए हैं। उदाहरण के लिए:

- ट्रैफिक लाइटों के बारे में प्रश्न ड्राइवरों को चौराहों पर पूर्वनिर्मानित व्यवहार की याद दिलाते हैं।
- हेलमेट और सीटबेल्ट पर प्रश्न बुनियादी सुरक्षात्मक उपायों के महत्व को उजागर करते हैं।
- परिदृश्य संबंधी प्रश्न ड्राइवरों को केवल नियमों के बारे में ही नहीं, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में लिए जाने वाले निर्णयों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

तर्क: प्रश्नों के माध्यम से सीखने से ड्राइवर अप्रत्याशित परिस्थितियों में ज्ञान का उपयोग करने के लिए बेहतर तैयार होते हैं। जो ड्राइवर इन प्रश्नों का सोच-समझकर उत्तर दे सकता है, उसके सड़क पर सुरक्षित विकल्प चुनने की संभावना अधिक होती है।

10.6 सारांश

इस अध्याय में सड़क नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं के बारे में आपके ज्ञान का परीक्षण करने के लिए समीक्षा प्रश्नों का एक छोटा सेट दिया गया है। ये प्रश्न लाइसेंसिंग परीक्षाओं के लिए आवश्यक समझ को दर्शाते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि ये उन रोज़मर्रा के फैसलों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सड़कों को सुरक्षित बनाते हैं। अभ्यास प्रश्नों के एक बड़े सेट के लिए, शिक्षार्थियों को अपने राज्य परिवहन विभाग या सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा उपलब्ध कराए गए आधिकारिक संसाधनों का संदर्भ लेना चाहिए, क्योंकि कई राज्य ऑनलाइन RTO परीक्षा अभ्यास परीक्षण और अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ उपलब्ध कराते हैं। इन प्रश्नों का उपयोग अपने ज्ञान के लिए जाँच बिंदुओं के रूप में करें, शॉर्टकट के रूप में नहीं। इन्हें बार-बार दोहराएँ, ईमानदारी से अभ्यास करें, और सड़क पर एक आजीवन शिक्षार्थी की

तरह व्यवहार करें। सुरक्षित ड्राइविंग केवल एक परीक्षा पास करने के बारे में नहीं है—यह जीवन की रक्षा के बारे में है।

10.7 संक्षिप्त पुनरावलोकन

- अभ्यास प्रश्न नियमों और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं।
- परीक्षणों का उद्देश्य उत्तर याद करना नहीं, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में लिए जाने वाले निर्णयों के लिए तैयारी करना है।
- ज्ञान को ताजा रखने के लिए प्रश्नों की नियमित समीक्षा करें।
- सुरक्षित ड्राइविंग परीक्षाओं से पढ़े एक आजीवन सीखने की प्रक्रिया है।
- जीवन की रक्षा करना सभी सड़क नियमों और ड्राइविंग परीक्षणों का अंतिम लक्ष्य है।



परिशिष्ट A: भारत के सड़क चिन्ह

सड़क चिन्ह सड़क की मौन भाषा हैं – ये निर्देश, चेतावनियाँ और दिशा-सूचनाएँ देते हैं जिन्हें हर चालक को समझकर पालन करना चाहिए। बोली जाने वाली भाषा के विपरीत, सड़क चिन्ह आकृतियों, प्रतीकों और रंगों का उपयोग करते हैं, ताकि कोई भी उन्हें आसानी से पहचान सके, चाहे उसकी साक्षरता या स्थानीय भाषा कुछ भी हो।

भारत में, सड़क संकेत अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित होते हैं, जिनमें कुछ स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अनुकूलन भी शामिल होते हैं। इन्हें तीन मुख्य श्रेणियों में बाँटा जाता है— अनिवार्य संकेत (जिनका पालन अनिवार्य है), चेतावनी संकेत (आगे आने वाले संभावित खतरे), और सूचनात्मक संकेत (दिशा-निर्देश और सेवाएँ)।

इन संकेतों को जानना केवल ड्राइविंग टेस्ट पास करने के लिए नहीं है—यह सड़क के सुरक्षित और ज़िम्मेदार उपयोग का मूल आधार है। इनकी अनदेखी सीधे तौर पर जीवन को जोखिम में डाल सकती है। एक ज़िम्मेदार चालक इन संकेतों को समझता है, उन्हें एक नज़र में पहचानने का अभ्यास करता है, और इन्हें रोज़मर्रा की सुरक्षित ड्राइविंग का हिस्सा बनाता है।

(निम्नलिखित सड़क संकेत सार्वजनिक स्रोतों से लिए गए हैं। ये केवल शिक्षण उद्देश्यों के लिए हैं और भारत में उपयोग किए जाने वाले आधिकारिक मानकों के अनुरूप हैं।)

अनिवार्य सड़क संकेत (1/2)

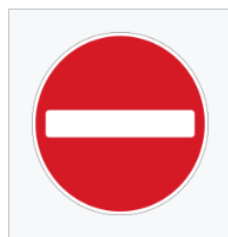
अनिवार्य संकेत: ये संकेत उन नियमों को दर्शाते हैं जिनका बिना किसी अपवाद के पालन किया जाना चाहिए—इनका उल्लंघन करना यातायात अपराध है।



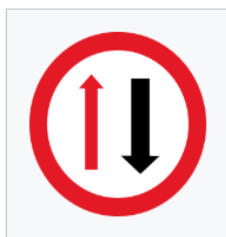
Give Way

Give Way to Buses
(Exiting the Bus Bay)

Stop

Stop (in major Indian
languages)

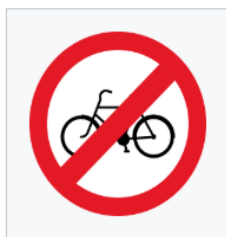
No entry

Priority for oncoming
vehicles

One-way traffic



One-way traffic

No vehicles in both
directions

Cycles prohibited



Trucks prohibited

Pedestrians
prohibited

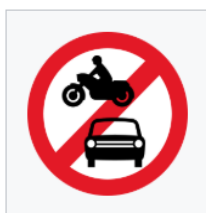
Tongas prohibited

Bullock carts
prohibited

Hand carts prohibited

Bullock cart and hand
carts prohibited

अनिवार्य सड़क संकेत (2/2)

All motor vehicles
prohibited

Buses Prohibited



Height limit



Width limit



Load limit



Axle load limit



Length limit



Left turn prohibited



Right turn prohibited



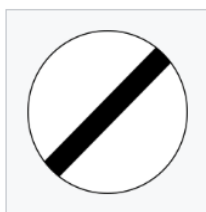
Overtaking prohibited



U-Turn Prohibited

Maximum Speed
LimitStop For Police
Check

Horns prohibited



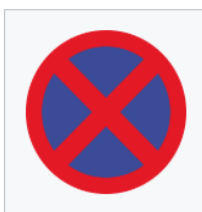
Restriction Ends



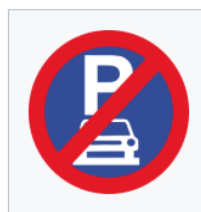
No Parking



No Standing



No Stopping

Parking Not Allowed
On Footpath

Parking Not Allowed

अनिवार्य संकेत (1/1)

ये अनिवार्य संकेतों की वह श्रेणी हैं जो ड्राइवर को किसी निर्धारित कार्रवाई—जैसे ये किसी तय दिशा में मुड़ने या सड़क के एक ओर रहने—का निर्देश देती हैं। ये भी निषेधात्मक अनिवार्य संकेतों की तरह पूरी तरह बाध्यकारी हैं।



सावधानी/चेतावनी संकेत (1/4)

ये संकेत आगे आने वाले खतरों या सड़क की स्थिति में परिवर्तन के बारे में पहले से आगाह करते हैं, ताकि चालक गति कम कर सकें और सुरक्षित रूप से प्रतिक्रिया देने के लिए पर्याप्त समय पा सकें।



सावधानी/चेतावनी संकेत (2/4)



सावधानी/चेतावनी संकेत (3/4)



Loose gravel



Slippery road

Slippery road
because of IceOpening or Swing
Bridge

Overhead cables

Quayside or
riverbank

Barrier



Sudden Side Winds



Tunnel ahead



Ferry



Trams crossing



Falling rocks



Cattle crossing



Wild Animals



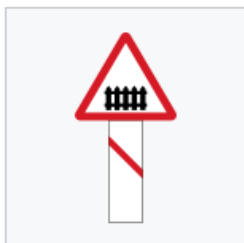
Queues likely ahead



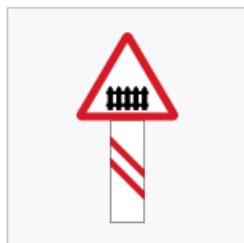
Low-flying aircraft

Unguarded railway
crossingUnguarded railway
crossing (50 - 100
Metres Ahead)Unguarded railway
crossing (200 metres
ahead)Guarded railway
crossing

सावधानी/चेतावनी संकेत (4/4)



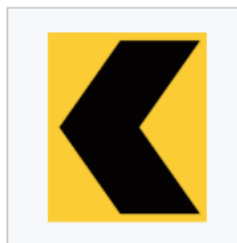
Guarded railway crossing (50-100 metres ahead)



Guarded railway crossing (200 metres ahead)



U-Turn Ahead



Single Chevron



Double chevron



Triple chevron



Object Hazard (Left)



Object Hazard (Right)



Two Way Object Hazard Marker

सूचनात्मक संकेत (1/3)

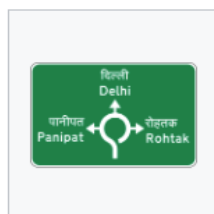
ये संकेत सड़क उपयोगकर्ताओं को मार्गदर्शन देने के लिए दिशा-निर्देश, स्थान या उपलब्ध सेवाओं जैसी उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं।



Stack-type advance direction sign



Map-type advance direction sign



Roundabout



Flag-type direction sign



Confirmatory sign



Place identification sign



Truck lay by



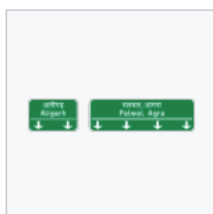
Weigh bridge ahead



Gantry-mounted advance direction sign ahead of a grade-separated junction



Gantry-mounted advance direction sign ahead of an at-grade junction



Lane dedicated gantry sign



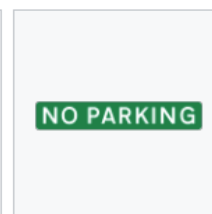
Shoulder-mounted sign in advance of grade-separated junction



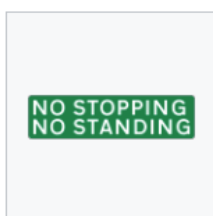
Expressway Ahead



Gantry-mounted advance direction sign ahead of a flyover in urban/city roads



Supplementary road sign "No parking"



Supplementary road sign "No stopping No standing"



Crash Prone Area

सूचनात्मक संकेत (2/3)













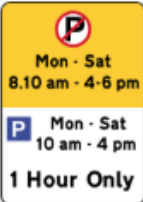

Eating Place	Light Refreshment	Resting Place	First Aid Post	Toilet
Filling Station (Fuel Pump)	Hospital	Emergency SOS Facility	U-Turn Ahead	Pedestrian Subway
Foot Over Bridge	Chair Lift	Police Station	Repair Facility	Railway Station/Metro Station/Monorail Station
Cycle Rickshaw Stand	Taxi Stand	Auto-rickshaw Stand	Shared Taxi/Share Auto Stand	Home Zone
Camp Site	Airport	Golf Course	National Heritage	No Through Road

सूचनात्मक संकेत (3/3)

No Through Side Road	Toll Road Ahead	ETC Lane Guide	Country Border	Entry Ramp for Expressway
Exit Ramp for Expressway	Expressway Symbol	End of Expressway	Bus Stop	Bus Lane
Contra Flow Bus Lane	Cycle Lane	Contra Flow Cycle Lane	Holiday Chalets	Emergency Exit (a)
Emergency Exit (b)	Emergency Helpline Number (a)	Emergency Helpline Number (b)	Emergency Lay-by	Fire Extinguisher
Rest and Service Area (a)	Rest and Service Area (b)	Pedestrian Crossing	Speed Breaker	Electric Vehicle Charging Station

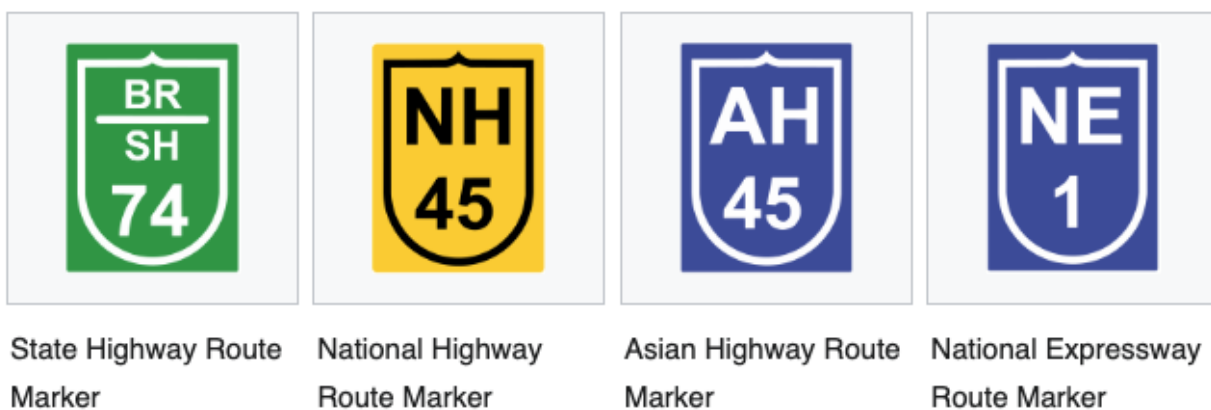
पार्किंग संकेत (1/1)

ये संकेत स्पष्ट करते हैं कि पार्किंग किन स्थानों पर अनुमति है, किन जगहों पर सीमित है, और कहाँ पूरी तरह निषिद्ध है, ताकि यातायात का प्रवाह सुचारु और व्यवस्थित बना रहे।

				
Parking	Auto Rickshaw Parking	Cycle Parking	Cycle Rickshaw Parking	Scooter and Motorcycle Parking
				
Taxi Parking	Car Parking	Park and Ride (By Metro)	Park and Ride (By Bus)	Pick Up & Drop Point
				
Parking Restriction Sign for Traffic Management (a)	Parking Restriction Sign for Traffic Management (b)	Parking Restriction Sign for Traffic Management (c)	Flood Gauge	

मार्गचिह्नक चिह्न (1/1)

ये संकेत राजमार्गों, मार्गों या विशिष्ट गलियारों की पहचान करते हैं और चालकों को सही दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। (स्वाभाविक है कि इनकी शैली और स्वरूप अलग-अलग राजमार्गों के अनुसार बदल सकते हैं।)



सेवानिवृत्त संकेत (1/1)

ये संकेत पहले प्रयोग में थे, लेकिन अब आधिकारिक मानकों का हिस्सा नहीं हैं। इन्हें यहाँ केवल संदर्भ और जागरूकता के लिए शामिल किया गया है, ताकि यदि ये किसी पुरानी सड़क पर दिखाई दें तो चालक भ्रमित न हों।



School



Roadworks



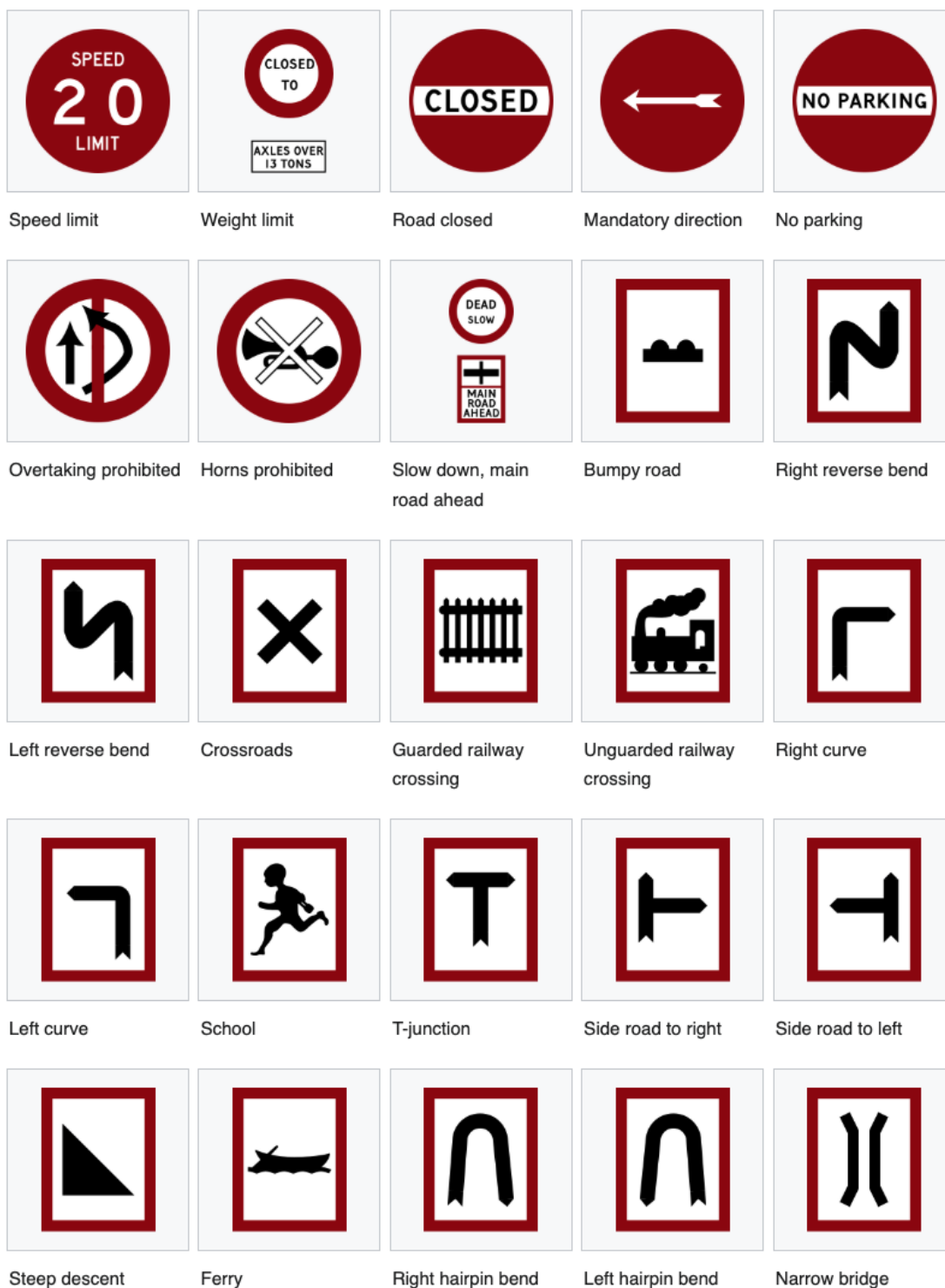
Deaf persons likely
on road ahead



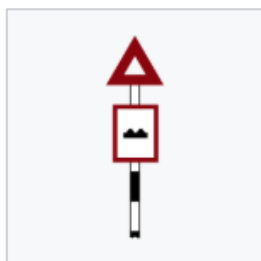
Blind persons likely
on road ahead

1950 के दशक के सड़क संकेत (1/2)

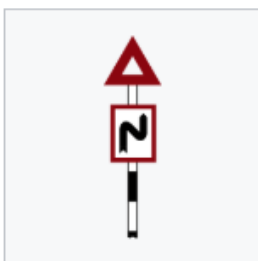
ये पुराने डिजाइन भारत में सड़क उपयोग के शुरुआती दशकों के हैं। अधिकांश को अब बदल दिया गया है, लेकिन कुछ संकेत अभी भी पुराने साइनबोर्डों पर मिल सकते हैं, विशेषकर ग्रामीण या कम नए क्षेत्रों में।



1950 के दशक के सड़क संकेत (2/2)



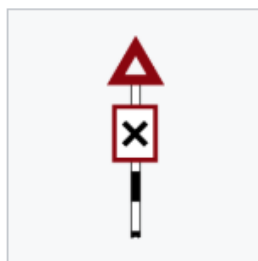
Bumpy road



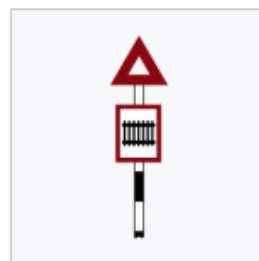
Right reverse bend



Left reverse bend



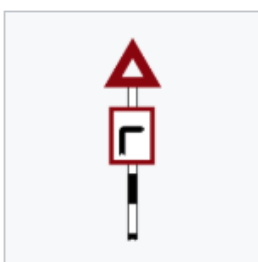
Crossroads



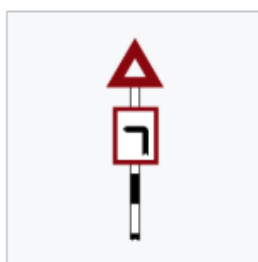
Guarded railway crossing



Unguarded railway crossing



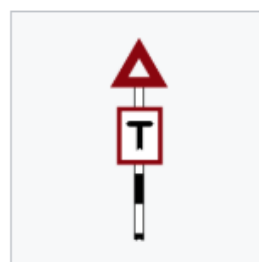
Right curve



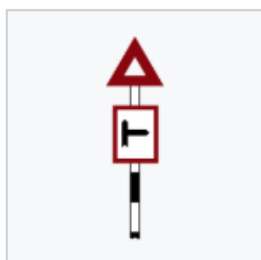
Left curve



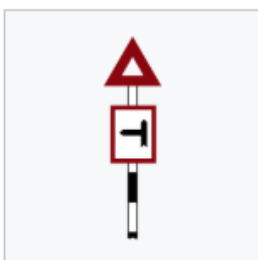
School



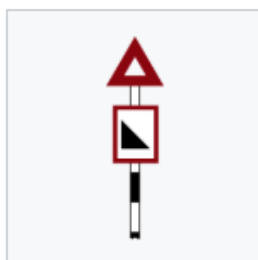
T-junction



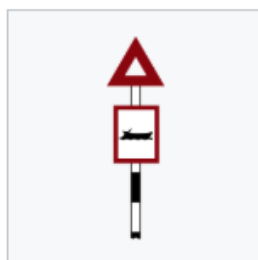
Side road to right



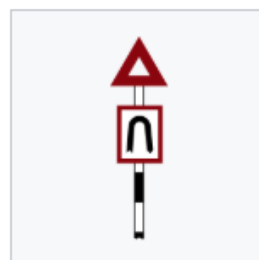
Side road to left



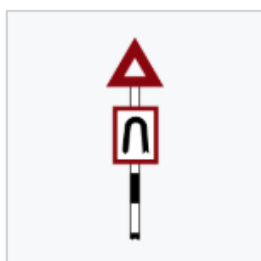
Steep descent



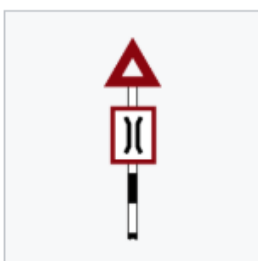
Ferry



Right hairpin bend



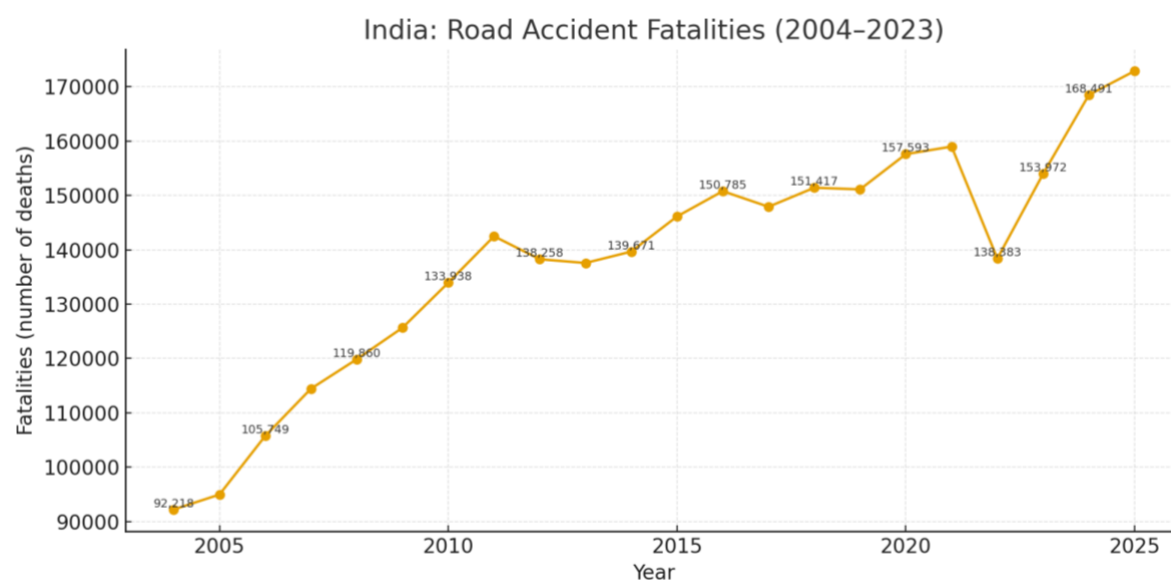
Left hairpin bend



Narrow bridge

परिशिष्ट B: भारत में यातायात दुर्घटनाएँ

इस परिशिष्ट में भारत में प्रतिवर्ष पुलिस द्वारा रिपोर्ट की गई यातायात दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की आधिकारिक संख्या दी गई है, साथ ही शोध-आधारित अनुमान भी शामिल हैं, जो संभावित कम रिपोर्टिंग को उजागर करते हैं।



चित्र B-1: सड़क दुर्घटना में मृत्यु, भारत (स्रोत: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

व्याख्या में सावधानी: हालाँकि पुलिस द्वारा बताई गई आधिकारिक संख्याएँ व्यापक रूप से उद्धृत की जाती हैं, शोधकर्ता आगाह करते हैं कि ये वास्तविक संख्या को कम आँक सकती हैं। कई मौतें देर से रिपोर्ट होने, ग्रामीण इलाकों में कम पंजीकरण, या अस्पताल में भर्ती होने के बाद पीड़ितों की मृत्यु के कारण आँकड़ों में शामिल नहीं हो पातीं।

IIA दिल्ली (परिवहन अनुसंधान और चोट निवारण केंद्र) की 'भारत में सड़क सुरक्षा – स्थिति रिपोर्ट 2023' के अनुसार:

- आधिकारिक तौर पर, 2021 में 1.55 लाख मौतें दर्ज की गईं।

- हालाँकि, नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) और मौखिक शव परीक्षण विधियों पर आधारित अनुमानों से पता चलता है कि वास्तविक आँकड़ा सालाना 2.7 लाख मौतों के करीब हो सकता है।
- इसका मतलब है कि आधिकारिक आँकड़े वास्तविक सड़क दुर्घटना मौतों का केवल 60-65% ही दर्शा पाते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में यह अंतर और भी अधिक होता है, जहाँ दुर्घटनाओं के कम रिपोर्ट होने या गलत वर्गीकृत होने की संभावना ज़्यादा होती है।

वास्तविक मृत्यु-प्रवृत्तियों को समझने से नीति-निर्माताओं, चालकों और शिक्षकों को प्रगति मापने और जीवन बचाने वाले व्यवहारों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

परिशिष्ट C: प्रमुख कानूनी अपडेट (2017 बनाम 2019)

यह परिशिष्ट Motor Vehicles (Driving) Regulations, 2017 और Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के बीच तुलना प्रस्तुत करता है। यह उन प्रमुख परिवर्तनों पर प्रकाश डालता है जो चालकों, प्रशिक्षकों और नीति निर्माताओं को प्रभावित करते हैं। 2017 के विनियम पूरे भारत में चालकों के व्यवहार, परीक्षण और ज़िम्मेदारियों को मानकीकृत करने के लिए बनाए गए थे। हालाँकि, 2019 तक यह स्पष्ट हो गया कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं की उच्च दर को कम करने के लिए कड़े प्रवर्तन, आधुनिक सुरक्षा उपायों और अधिक दंड की आवश्यकता थी। इसलिए, Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 ने इन प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए कानूनी ढाँचे को अद्यतन किया।

इस परिशिष्ट का उद्देश्य शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को यह समझने में मदद करना है कि कानूनी माहौल कैसे विकसित हुआ है। 2019 से पहले लिखे गए राज्य-स्तरीय मैनुअल में ये अपडेट शामिल नहीं हो सकते। इसलिए, ड्राइवरों को पता होना चाहिए कि 2019 के कानून के तहत दंड ज्यादा हैं, गुड समैरिटन सुरक्षा मजबूत है, और सुरक्षा मानकों का विस्तार किया गया है। जहाँ भी इस मैनुअल और कानून के प्रावधानों में कोई अंतर हो, वहाँ कानून के प्रावधान ही लागू होंगे।

नोट: सूचीबद्ध जुर्माना राशि Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 के अनुसार है। राज्य समय-समय पर जुर्मानों में संशोधन कर सकते हैं, इसलिए स्थानीय नियमों और अपडेट के आधार पर वास्तविक दंड भिन्न हो सकते हैं।

भाग A: ड्राइवर-उन्मुख अपडेट

क्षेत्र	2017 (Motor Vehicles (Driving) Regulations, 2017)	2019 (Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019)
लाइसेंसिंग	मानकीकृत Learner's Licence प्रक्रिया, ड्राइविंग टेस्ट, और नवीनीकरण नियम।	इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग, कंप्यूटर आधारित परीक्षण, सख्त ड्राइवर-ट्रेनिंग स्कूल मानदंड लागू किए गए।

सड़क आचरण	ड्राइवरों के परिभाषित कर्तव्य: लेन अनुशासन, संकेतों का उपयोग, रास्ता देना, और गति सीमाओं का पालन।	मूल प्रावधानों को बरकरार रखते हुए उल्लंघनों (तेज़ गति, नशे में ड्राइविंग, बिना लाइसेंस वाहन चलाना आदि) के लिए अधिक दंड जोड़े गए।
दंड	जुमनि अपेक्षाकृत मामूली थे (जैसे: बिना हेलमेट के ₹500; तेज गति के लिए ₹500)।	दंड में भारी वृद्धि की गई: नशे में ड्राइविंग ₹10,000; बिना लाइसेंस ₹5,000; तेज गति ₹5,000 आदि।
गुड समैरिटन	कुछ प्रावधानों का उल्लेख नीति और दिशा-निर्देशों में था, कानून में नहीं।	अधिनियम में गुड समैरिटन प्रावधानों को औपचारिक मान्यता दी गई—सहायकों को न तो परेशान किया जा सकता है और न ही उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
वाहन सुरक्षा	आवश्यक बुनियादी सुरक्षा सुविधाओं और नियमित रखरखाव पर जोर।	आधुनिक सुरक्षा सुविधाएँ अनिवार्य की गईं (Airbag, ABS, सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट)। दोषपूर्ण वाहनों के लिए रिकॉल प्रावधान लागू किए गए।
तकनीकी मानक	लेन चिह्नों, गति सीमाओं और संकेतों के पालन को प्रोत्साहित किया गया।	इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन को वैध बनाया गया: Speed camera, CCTV, स्वचालित चालान।
जवाबदेही	ध्यान मुख्य रूप से ड्राइवरों पर केंद्रित था।	किसी भी संरचनात्मक या रखरखाव-संबंधी दोष से दुर्घटना होने पर सड़क ठेकेदारों, नागरिक एजेंसियों और वाहन निर्माताओं की जवाबदेही बढ़ाई गई।
कमज़ोर सड़क उपयोगकर्ता	हेलमेट, सीट बेल्ट और पैदल यात्रियों के अधिकारों से संबंधित बुनियादी नियम निर्धारित थे।	किशोरों द्वारा वाहन चलाने पर कठोर दंड निर्धारित किए गए—जिसमें माता-पिता/वाहन-मालिक को

		उत्तरदायी ठहराया जाएगा। बाल सुरक्षा प्रावधानों को भी मजबूत किया गया।
मुआवज़ा	Hit-and-run मामलों में दंड: मृत्यु पर ₹25,000; चोट पर ₹12,500 (पुराने प्रावधान)।	Hit-and-run मामलों में दंड: मृत्यु पर ₹2,00,000; चोट पर ₹50,000। दुर्घटना राहत निधि का भी विस्तार किया गया (नए संशोधन के अनुसार)।

भाग B: संस्थागत और प्रशासनिक अद्यतन

Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 ने ऐसे व्यापक सुधार भी पेश किए जो व्यक्तिगत चालकों से आगे जाते हैं:

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड-मानकों, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा नीतियों पर सलाह देने के लिए स्थापित किया गया।
- राष्ट्रीय परिवहन नीति-कुशल और टिकाऊ परिवहन योजना के लिए एक व्यापक ढांचा।
- वाहन एग्रीगेटर (जैसे Ola, Uber) को सुरक्षा, मूल्य-निर्धारण और लाइसेंसिंग के विनियमन के अंतर्गत लाया गया।
- पंजीकरण और परमिट –वाहन पंजीकरण और राष्ट्रीय परमिट के लिए सुव्यवस्थित और डिजिटलीकृत प्रक्रियाएँ लागू की गईं।
- अधिकारियों की जवाबदेही-ठेकेदारों, सलाहकारों और नागरिक एजेंसियों को अब खराब सड़क डिजाइन या रखरखाव के लिए दंडित किया जा सकता है।

नोट: ये अपडेट नीति निर्माताओं, कंपनियों और प्रशासकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। रोज़मर्रा के वाहन चालकों के लिए, 2019 में शुरू किए गए ज़्यादा जुर्माने, कड़ी सुरक्षा ज़रूरतें और स्पष्ट सुरक्षा उपाय ही मुख्य प्रभाव हैं।

परिशिष्ट D: संदर्भ सामग्री

यह मैनुअल विभिन्न आधिकारिक दस्तावेजों, मुक्त स्रोत संदर्भों और अंतर्राष्ट्रीय चालक-शिक्षा सामग्रियों पर आधारित है। सटीकता, स्पष्टता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए इनका उपयोग किया गया है। जहाँ भाषा को सरल या संक्षिप्त किया गया है, वहाँ आधिकारिक कानून या विनियमन ही अंतिम प्राधिकार है।

भारतीय कानूनी और नियामक स्रोत

- Motor Vehicles Act, 1988 (as amended)।
- Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019, भारत का राजपत्र।
- Motor Vehicles (Driving) Regulations, 2017, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय।
- राज्य सरकारों द्वारा जारी नियम और अधिसूचनाएँ।
- गुड समैरिटन कानून (2016) और संबंधित सुप्रीम कोर्ट दिशानिर्देश।

भारतीय चालक प्रशिक्षण और जागरूकता सामग्री

- गुजरात सरकार ड्राइविंग लाइसेंस पोर्टल (<http://www.gujaratdrivinglicence.com>)।
- दिल्ली RTO परीक्षा अभ्यास सामग्री (<https://www.rtoexam.com/delhi/en>)।
- हरियाणा सड़क सुरक्षा मैनुअल (अंग्रेजी संस्करण), हरियाणा पुलिस, परिवहन विभाग, हरियाणा सरकार के सहयोग से।
- पश्चिम बंगाल ड्राइवर प्रशिक्षण मैनुअल (अंग्रेजी), 2017।
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गईं।

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मैनुअल

- Official Highway Code, UK (2025 edition)।
- Road User Handbook, New South Wales, Australia।
- Road User Handbook, Western Australia।

- VicRoads Learner Driver Resources, Victoria, Australia।
- Basic Theory of Driving, Singapore (9th edition)।
- New Official K53 Manual, South Africa।
- Selected U.S. State Driver Handbooks (शैली और शिक्षण की तुलना के लिए)।

ओपन सोर्स और सार्वजनिक डोमेन संसाधन

- भारत के सड़क-चिन्ह (SVG और चित्र) विकिपीडिया (सार्वजनिक डोमेन / CC BY-SA) से लिए गए हैं।
- IIT-दिल्ली सड़क सुरक्षा और दुर्घटना कम रिपोर्टिंग अध्ययन।
- केन्द्र एवं राज्य सरकारों की प्रेस-विज्ञप्तियाँ और जागरूकता अभियान।

सामुदायिक अवलोकन और सार्वजनिक अंतर्दृष्टि

- सड़क-उपयोग के अनौपचारिक अवलोकन और सार्वजनिक मंचों व समुदायों में हुई चर्चाओं का उपयोग भारत में वाहन चलाने से जुड़ी आम धारणाओं और मिथकों की पहचान करने के लिए किया गया है। यहाँ इनका उपयोग व्यवहार के पैटर्न को उजागर करने के लिए सामान्यीकृत रूप में किया गया है, न कि किसी व्यक्ति या विशिष्ट मंच के उद्धरण के रूप में।



नोट:

नोट:

नोट:

